{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
मंगलवार 24 फरवरी 2026
फाल्गुन शुक्ल 06 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 152
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	83,294.66
निफ्टी	-	25,713.00
सोना	-	1,61,350
चांदी	-	3,00,000
डॉलर	-	90.91

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री मुकुल रॉय का निधन

कोलकाता। एजेंसी। पूर्व केंद्रीय रेल राज्य मंत्री और बंगाल के अनुभवी नेता मुकुल रॉय का लंबी बीमारी के बाद 71 साल की उम्र में कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया। मुकुल ने रविवार रात 1:30 बजे कोलकाता के साल्ट लेक के अपोलो हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली। उनके बेटे सुभ्रांशु रॉय ने इसकी पुष्टि की है। मुकुल रॉय ने 2017 में तृणमूल कांग्रेस से दूरी बनाते हुए बीजेपी का दामन थाम लिया था। 2021 के विधानसभा चुनाव में वे भाजपा के टिकट पर विधायक चुने गए, लेकिन बाद में उसी साल जून में फिर तृणमूल कांग्रेस में लौट गए थे। मुकुल को ममता बनर्जी का बेहद करीबी माना जाता था, उन्हें बंगाल की राजनीति का चाणक्य कहा जाता था।

तेजस विमान का ब्रेक फेल

नई दिल्ली। एजेंसी। इंडियन एयर फोर्स का हल्का लड़ाकू विमान तेजस लैंडिंग के दौरान रनवे से आगे निकल गया। शुरुआती जांच में ब्रेक फेल होने की आशंका जताई जा रही है। घटना 7 फरवरी की है। जानकारी अब सामने आई है। विमान ट्रेनिंग उड़ान के बाद एयरबेस पर लौट रहा था। लैंड करते ही पायलट ने ब्रेक लगाने की कोशिश की। जब ब्रेक नहीं लगा तो विमान रनवे से बाहर निकल गया। दुर्घटना से पहले पायलट सुरक्षित बाहर निकल गया। विमान को नुकसान पहुंचा है। हादसा किस एयरबेस पर हुआ, ये जानकारी सामने नहीं आई। सूत्रों ने बताया कि इस घटना के बाद, एयरफोर्स ने करीब 30 सिंगल-सीट तेजस जेट के पूरे बेड़े को टेक्निकल जांच के लिए ग्राउंड कर दिया। यानी जांच पूरी होने तक विमान उड़ान नहीं भरेंगे। हादसे पर आईएएफ की तरफ से कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है। तेजस जेट से जुड़ा यह तीसरा हादसा है।

दिल्ली विधानसभा को बम ब्लास्ट की धमकी

नई दिल्ली। एजेंसी। दिल्ली विधानसभा भवन और लाल किले को बम ब्लास्ट में उड़ाने की धमकी दी गई है। सोमवार को खालिस्तानी ग्रुप के धमकी का ई-मेल भेजी गया है। जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हुई, विधानसभा भवन की सर्चिंग की जा रही है। बम स्क्वाड और डॉग स्क्वॉड सर्च में जुटी हैं। फिलहाल कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। वहीं, लाल किला की भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। इससे पहले दिल्ली स्थित धौला कुआं के आर्मी पब्लिक स्कूल और लोधी रोड के एयरफोर्स बाल भारती स्कूल को ईमेल के जरिए धमकी दी गई थी। जानकारी मिलने पर दिल्ली पुलिस, बम स्क्वाड, डॉग स्क्वॉड और दिल्ली फायर सर्विस की टीमें स्कूल पहुंची। पूरा कैंपस खाली कराया गया।

कुछ ना कहना

मिडिल ईस्ट में बिगड़ने लगे हालात...भारतीय दूतावास ने अपने नागरिकों को दिया तुरंत ईरान छोड़ने का निर्देश

ईरान पर हमले के लिए अमेरिका तैयार!

वाशिंगटन/तेहरान । एजेंसी। फारस की खाड़ी में अमेरिकी सैन्य जमावड़ा किसी सामान्य स्थिति का संकेत नहीं है। अमेरिकी सैन्य कार्रवाई शुरू करने की तैयारी कर रहा है। संघर्ष की आशंका इसलिए है, क्योंकि पिछले दिनों कई फाइटर जेट को मध्य-पूर्व की ओर जाते हुए रेकॉर्ड किया गया। चूंकि इन फाइटर्स के साथ-साथ कई एरियल रिफ्यूलिंग टैंकर भी मिडल ईस्ट की ओर जाते देखे गए हैं, इससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि अमेरिका एक बड़े ऑपरेशन की तैयारी कर रहा है। उसने एयरक्राफ्ट कैरियर, क्रूजर और पनडुब्बियां भी इलाके में भेजे हैं। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर तनाव गहराने के बाद युद्ध की संभावना बन रही है, जिसको लेकर भारत ने अपने नागरिकों के लिए त्वरित सलाह जारी की है। ईरान में भारतीय दूतावास ने परामर्श जारी करते हुए देश में शेष सभी भारतीयों से अपील की है कि वो तुरंत मौजूद परिवहन विकल्पों के जरिए ईरान छोड़ दें। इससे पहले भी भारतीय सरकार ने ईरान में रहने वाले भारतीयों को जल्द से जल्द देश छोड़ने को कहा था।

ईरान भी इस समय दो मोर्चों पर काम कर रहा है। एक तरफ अमेरिका से बातचीत और दूसरी ओर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, फारस और ओमान की खाड़ी में नौसैनिक अभ्यास। ईरान इसे सैन्य तैयारी की जांच बता रहा है, लेकिन होर्मुज के कुछ हिस्सों को अस्थायी रूप से बंद करना कुछ और ही संदेश देता है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के तेल व्यापार का अहम रास्ता है। ऐसे में यहां होने वाली कोई भी नौसैनिक गतिविधि सीमित अर्थ और महत्व वाली नहीं हो सकती। अमेरिका मानता है कि अगर ईरान यूरेनियम एनरिचमेंट जारी रखता है तो वह न्यूक्लियर बम बनाने की क्षमता तक पहुंच जाएगा। बात यहीं तक सीमित नहीं। इजरायलअमेर के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लगातार कोशिश में हैं कि ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाना चाहिए। इन मिसाइलों का प्रमुख लक्ष्य तेल अवीव है। लेकिन, ईरान इस मांग को किसी कीमत पर स्वीकार करना नहीं चाहेगा। उसे पता है कि इस क्षमता के समाप्त होते ही वह कमजोर हो जाएगा और अमेरिका व इस्राइल मिलकर उसे खत्म कर देंगे।

अमेरिका की सैन्य शक्ति का जवाब नहीं

दूसरी ओर अमेरिका है, जो ग्लोबल फायरपावर रैंकिंग 2026 के अनुसार दुनिया की नंबर 1 सैन्य शक्ति है। अमेरिका की सबसे बड़ी ताकत उसका बेहिसाब पैसा और अत्याधुनिक तकनीक है। वाशिंगटन का सालाना रक्षा बजट 895 बिलियन डॉलर है, जो ईरान के 15 बिलियन डॉलर के मुकाबले बहुत ज्यादा है। अमेरिका के पास मौजूद संसाधन उसे किसी भी महाद्वीप में एक साथ कई मोर्चों पर लड़ने की ताकत देते हैं। अमेरिका ने अपना 1 लाख टन वजनी विशाल विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन इलाके में तैनात कर दिया है। यह चलता-फिरता किला समंदर की लहरों पर अपनी धक जमा रहा है। हालांकि, रणनीति के जानकारों की मानें तो अमेरिका का असली खेल तो आसमान और उन खुफिया जमीनी ठिकानों से खेला जाएगा, जहां से अमेरिका अपने सबसे घातक वार करने की योजना बना रहा है। ईरान ने भी ऐसी मिसाइलों का जाल बिछाया है जो किसी भी बड़े जहाज को पल भर में समंदर की गहराई में दफन कर सकती हैं।

व्यापक होगा संघर्ष

ऐसा लगता है कि ईरान और अमेरिका ने अपनी-अपनी रेखाएं खींच रखी हैं। अगर सैन्य टकराव हुआ, तो परिणाम दूरगामी होंगे। अमेरिकी हमले की सूरत में इजराइल और पश्चिम एशिया में मौजूद यूएस सैन्य ठिकानों को ईरान भी नहीं छोड़ेगा। इन जगहों पर 30 से 40 हजार अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। माना जा रहा है कि इसी जोखिम की वजह से ईरान के आंदोलनकारियों को समर्थन देने से ट्रंप पीछे हट गए थे। तब ट्रंप हमला करना चाहते थे, पर पेंटागन तैयार नहीं था। क्या पेंटागन ने अब तैयारी पूरी कर ली है? मिडल ईस्ट में अमेरिकी डिफेंस परिदृश्य ऐसे ही संकेत दे रहे हैं।

ईरान के पास मिसाइलों और ड्रोन का अभेद्य किला

ईरान की सैन्य ताकत को सिर्फ आंकड़ों से नहीं समझा जा सकता, क्योंकि इसकी असली शक्ति इसकी असिमेट्रिक वॉरफेयर यानी छापामार युद्ध की कला में छिपी है। ग्लोबल फायरपावर रैंकिंग 2026 में ईरान 16वें पायदान पर काबिज है। ईरान ने अपनी पूरी ताकत मिसाइलों और ड्रोन प्रोग्राम को स्वदेशी रूप से विकसित करने में लगा दी है। इसके पास एक ऐसा मिसाइल जखीरा है जिसे नष्ट करना किसी भी देश के लिए बड़ी चुनौती है। ईरान के पास करीब 3,000 बैलिस्टिक मिसाइलों का विशाल जखीरा है, जो देश के सुरक्षित भूमिगत ठिकानों में तैनात हैं।शाहिद-136 और शाहिद-139 जैसे कामिकेज ड्रोन सस्ते होने के बावजूद लंबी दूरी तक सटीक हमला करने में माहिर हैं। ईरान के पास 2,675 टैंक और 1,550 मोबाइल रॉकेट प्रोजेक्टर्स हैं, जो इसे रक्षात्मक जंग में बेहद कठिन प्रतिद्वंद्वी बनाते हैं।

आसमान से बरसेगा कहर

ईरान ने अपने परमाणु ठिकानों, जैसे कि फोरदो को पहाड़ों के नीचे बहुत गहराई में छिपा रखा है। इन ठिकानों को साधारण बमों से तबाह नहीं किया जा सकता। यहां काम आते हैं अमेरिका के भारी-भरकम बम और उन्हें ले जाने वाले विशेष विमान। यह हमला इतना जोरदार हो सकता है कि पहाड़ों के अंदर बनी प्रयोगशालाएं भी सुरक्षित नहीं रहेंगी।

जमीन आधारित ठिकानों का सुरक्षा कवच

अमेरिका ने मिडिल ईस्ट के अलग-अलग देशों में अपने फाइटर जेट्स बिखेर रखे हैं। यह एक सोची-समझी रणनीति है। अगर सारे विमान एक ही जगह होंगे, तो ईरान एक साथ हमला कर उन्हें तबाह कर सकता है। लेकिन अलग-अलग ठिकानों पर होने की वजह से ईरान के लिए अमेरिकी हवाई ताकत को रोकना मुश्किल हो जाता है।

हाई कोर्ट ने 23000 रोजगार सहायकों को दी बड़ी राहत

सरकार रोजगार सहायकों का नहीं कर सकेगी ट्रांसफर-टर्मिनेशन

जबलपुर। एजेंसी। मप्र हाई कोर्ट ने रोजगार सहायकों की याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रदेश के 23000 रोजगार सहायकों को बड़ी राहत दी है। हाई कोर्ट ने ग्राम रोजगार सहायक मार्गदर्शिका 2025 पर भी रोक लगा दी है। सोमवार को ही सुनवाई में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी करते हुए चार सप्ताह में जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने सरकार को यह भी आदेश दिए हैं कि आगामी आदेश तक किसी भी रोजगार सहायक का ट्रांसफर नहीं होगा। बता दें कि मार्गदर्शिका पर रोजगार सहायकों के टर्मिनेशन और ट्रांसफर का प्रावधान जोड़ा गया है, जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है।

अधिवक्ता गोपेश तिवारी ने बताया कि हाईकोर्ट ने सरकार की मार्गदर्शिका के क्रियान्वयन पर पूरी तरह से रोक लगा दी है, अब रोजगार सहायकों को स्थानांतरित नहीं किया जाएगा। यह आदेश मनरेगा कमिश्नर, प्रिंसिपल सेक्रेटरी, वल्लभ भवन और हर जिले के कलेक्टर को भेजा जा रहा है, ताकि कहीं भी रोजगार सहायक का ट्रांसफर ना हो सके। अधिकतर रोजगार सहायकों की नियुक्ति उनके ही पैतृक गांव में की गई। रोजगार सहायकों की नियुक्ति के समय कंप्यूटर से जुड़ी डिग्री, पीजीडीसीए और 12वीं क्लास में प्रतिशत के आधार पर सिलेक्शन किया गया था। आज भी रोजगार सहायक जिन गांवों में भर्ती हुए थे वहीं पर काम कर रहे हैं। ग्राम पंचायत में ज्यादातर सचिवों को कंप्यूटर चलाना नहीं आता ऐसी स्थिति में रोजगार सहायक की सचिवों का पूरा काम कर रहे हैं। हाल ही में राज्य सरकार ने एक मार्गदर्शिका जारी की थी, जिसके तहत रोजगार सहायकों को ट्रांसफर करने की पॉलिसी बनाई गई थी। हालांकि इस पर अभी भी क्रियान्वन शुरू नहीं हुआ था। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में रोजगार सहायकों ने ट्रांसफर पॉलिसी और टर्मिनेशन की शर्तों को चुनौती दी थी जिस पर की आज सुनवाई हुई।

40 हजार करोड़ की धोखाधड़ी मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने राहत वापस ली

अनिल अंबानी को फ्रॉड घोषित कर सकेंगे बैंक

मुंबई । रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी को बैंक अब फ्रॉड घोषित कर सकेंगे। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को उन्हें मिली राहत का आदेश रद्द कर दिया है। कोर्ट ने दिसंबर 2025 में 40 हजार करोड़ रुपए के बैंक फ्रॉड मामले में बैंकों को फॉड घोषित करने की प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी।

एसबीआई ने एक ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर अंबानी के खातों को फ्रॉड की श्रेणी में डाल दिया गया था। अंबानी ने इस कार्रवाई को चुनौती दी। कहा कि बैंकों ने सुप्रीम कोर्ट के सिद्धांतों का पालन नहीं किया। दिसंबर 2025 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने अनिल अंबानी के खातों को फ्रॉड घोषित करने पर रोक लगा दी।

जनवरी में बैंकों ने दी थी चुनौती

बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन ओवरसीज बैंक और आईडीबीआई बैंक ने जनवरी 2026 में सिंगल बेंच के स्टे ऑर्डर को चुनौती दी थी। बैंकों का तर्क था कि वे फॉरेंसिक ऑडिट के आधार पर कार्रवाई करना चाहते हैं। अब बैंक कानून के मुताबिक आगे की कार्यवाही कर सकेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी बनाने के दिए थे निर्देश

इसी महीने की शुरुआत में चीफ जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने मामले की जांच में हो रही देरी पर नाराजगी जताई थी। सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसियों से पूछा था कि जांच में इतना वक्त क्यों लग रहा है। इसके साथ ही कोर्ट ने ईडी को एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम गठित करने का आदेश दिया था ताकि 40,000 करोड़ के इस कथित घोटाले की जांच में तेजी लाई जा सके।

दिल्ली पुलिस को कामयाबी...यूथ कांग्रेस का कार्यकर्ता और पांचवा आरोपी ग्वालियर से गिरफ्तार

नई दिल्ली। एजेंसी। देश की राजधानी नई दिल्ली में मौजूद भारत मंडपम में आयोजित हाई-प्रोफाइल इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान हुए व्यवधान के मामले में दिल्ली पुलिस ने एक और बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने इस मामले के पांचवें आरोपी जितेन्द्र यादव को मध्य प्रदेश के ग्वालियर से गिरफ्तार किया है। आरोपी यादव यूथ कांग्रेस का कार्यकर्ता है, इस अदालत ने 2 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है।

इस मामले में पुलिस अब तक कुल पांच आरोपियों को अपने शिकंजे में ले चुकी है। इससे पहले कांग्रेस यूथ विंग के चार अन्य कार्यकर्ताओं कृष्णा हरि, कुंदन यादव, अजय कुमार और नरसिम्हा यादव को हिरासत में लिया था। शनिवार को पटियाला हाउस कोर्ट ने इन चारों आरोपियों की जमानत याचिका को खारिज कर उन्हें 5 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया था। दरअसल नई दिल्ली में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में, यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के एक ग्रुप ने भारत मंडपम वेन्यू पर एक हाई-प्रोफाइल विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने अपनी शर्ट उतार दी और अमेरिका के साथ ट्रेड एग्रीमेंट का विरोध करने के लिए केंद्र के खिलाफ नारे लगाए। चश्मदीदों ने बताया कि सुबह के सेशन के दौरान रुकावट तब आई जब प्रदर्शनकारी खड़े होकर चिल्लाने लगे, जिससे समिट हॉल में मौजूद डेलीगेट्स और अधिकारियों का ध्यान उनकी तरफ गया।

यौन शोषण मामले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरनंद को गिरफ्तार करने पहुंची प्रयागराज पुलिस, शंकराचार्य बोले-गिरफ्तारी का विरोध नहीं करूंगा

वाराणसी। एजेंसी। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरनंद सरस्वती ने सोमवार को कहा कि यौन शोषण के मुकदमे में अगर पुलिस उन्हें गिरफ्तार करती है तो वह उसका विरोध नहीं करेंगे। शंकराचार्य ने कहा कि जनता, स्वयं का हृदय और ईश्वर तीनों ही अदालतों से उन्हें क्लीन चिट मिल चुकी है इसलिए उन्हें कोई भय नहीं है। विदित हो कि शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरनंद सरस्वती, उनके शिष्य तथा दो-तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ अदालत के आदेश पर शनिवार देर रात किशोर लड़कों के यौन शोषण के आरोप में प्रयागराज के झूंसी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। इस बीच, इसी प्रकरण को लेकर प्रयागराज पुलिस वाराणसी पहुंच चुकी है। माना जा रहा है कि देर रात अथवा कल सुबह स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की गिरफ्तारी हो जायेगी।

शंकराचार्य ने वाराणसी में संवाददाताओं से कहा कि अगर पुलिस उन्हें इस मुकदमे के सिलसिले में गिरफ्तार करती है तो वह इसका विरोध नहीं करेंगे, क्योंकि जो झूठ है वह अंत में साबित हो जाएगा। शंकराचार्य ने कहा कि उनके लिए तीन अदालतें है। उन्होंने कहा कि पहली अदालत जनता है जो सब देख रही है और वह अपना निर्णय देने वाली है। दूसरा न्यायालय मेरा हृदय है, हम जान रहे हैं कि हम गलत नहीं हैं। जबकि तीसरा और सर्वोच्च न्यायालय ईश्वर है। वह सब जानता है कि कौन गलत है और कौन सही। उन्होंने कहा कि तीनों ही अदालतों से मुझे क्लीन चिट मिल चुकी है, इसलिए मुझे अब किसी का भय नहीं है।

ईडी की बड़ी तैयारी, 31 मार्च तक 500 भ्रष्टाचारियों पर दाखिल होगी चार्जशीट

केंद्रीय एजेंसी ने बनाई सख्त कार्ययोजना, नए केस की जांच एक से दो साल में करनी होगी पूरी

नई दिल्ली। एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) अब मनी लॉन्ड्रिंग मामलों को लटकाने के बजाय उन्हें तेजी से निपटाने की तैयारी में है। एजेंसी ने अपने अधिकारियों के लिए एक सख्त कार्ययोजना बनाई है और चालू वित्तीय वर्ष यानी 31 मार्च तक कम से कम 500 मामलों में आरोपपत्र दाखिल करने का लक्ष्य रखा है। जांच के लिए समय सीमा भी तय की है और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि एक बार डिजिटल गिरफ्तारी, साइबर अपराध पर शिकंजा पर गंभीर कार्रवाई हो। ईडी अब पुराने पारंपरिक अपराधों के साथ ही डिजिटल गिरफ्तारी और साइबर धोखाधड़ी जैसे नए जमाने के अपराधों पर नकेल कसने की तैयारी में है। अधिकारियों को इन मामलों की जांच में तेजी लाने का निर्देश दिया है।

साथ ही विदेश में अवैध संपत्तियों का पता लगाने, मनी लॉन्ड्रिंग के लिए दुरुपयोग किए जा रहे व्यापार चैनलों की पहचान करने और दिवालियापन और दिवालिया संहिता (आईबीसी) के दुरुपयोग को रोकने के लिए प्रयासों में और तेजी लाने का निर्देश दिया गया है।

मामला दर्ज होने के बाद उसकी जांच ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्मों पर रहेगी एजेंसी की नजर एक से दो वर्ष के भीतर पूरी हो जाए।

केवल बहुत जटिल मामलों में ही

इससे ज्यादा समय लिया जा सकेगा। ईडी ने रविवार को एक बयान में कहा कि इन उपायों को पिछले साल 19-21 दिसंबर को गुवाहाटी में आयोजित उसके क्षेत्रीय अधिकारियों के 34वें त्रैमासिक सम्मेलन में गहन विचार-विमर्श के बाद अंतिम रूप दिया गया। अधिकारियों को बताया गया कि लक्ष्यों को सार्थक तरीके से हासिल करने, जांचों को तार्किक अंत तक पहुंचाने, अभियोग शिकायतों को समय पर दर्ज करने और यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए कि अटैचमेंट और जुर्माने कानूनी रूप से टिकाऊ हों और प्रभावी ढंग से लागू किए जाएं। फील्ड इकाइयों से 500 आरोपपत्र दाखिल करने के लिए समन्वित प्रयास करने और अगले वित्तीय वर्ष के लिए इससे बड़ा लक्ष्य निर्धारित करने को कहा गया, ताकि लंबित मामलों के निपटारे के साथ नए मामलों की जांच एक-दो साल में पूरी की जा सके।

एजेंसी की नजर देश में अवैध सट्टेबाजी और ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्मों के बढ़ते नेटवर्क पर भी है। शेयर बाजार में हेरफेर के माध्यम से काले धन को सफेद करने वालों पर भी एजेंसी की नजर है। अधिकारियों को विदेशी फंडिंग के प्रति अत्यधिक सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है, जिनका उपयोग देश की शांति को बिगाड़ने या राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिए किया जा सकता है।

शक्तियों का जिम्मेदारी से इस्तेमाल

सम्मेलन में ईडी के निदेशक राहुल नवीन ने अधिकारियों को यह भी हिदायत की कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल सावधानी, निष्पक्षता और जवाबदेही के साथ किया जाए। समन और अन्य वैधानिक नोटिस तभी जारी किए जाएं जब वास्तव में उसकी जरूरत हो।

इंटरपोल जैसी संस्थाओं के उपयोग की सलाह

जांच अधिकारियों को इंटरपोल जैसी संस्थाओं का उपयोग करने और घरेलू भारतपोल का भी इस्तेमाल करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें पर्पल और अन्य तरह के नोटिस जारी करने शामिल है। पर्पल नोटिस इंटरपोल की ओर से जारी किया जाता है, जिसका उद्देश्य अपराधियों की ओर से अपनाए गए तौर-तरीकों, वस्तुओं, उपकरणों और छिपाने के तरीकों के बारे में जानकारी प्राप्त करना या प्रदान करना है। दूसरे देशों से सहायता के लिए पारस्परिक कानूनी सहायता संधि (एमएलएटी) अनुरोध, न्यायिक अनुरोध (लेटर्स रोगेटरी) और प्रत्यर्पण प्रक्रियाओं का बेहतर तरीके से इस्तेमाल करने पर जोर दिया गया।

31 मार्च तक फेरा के मामले निपटाए जाएंगे

अधिकारियों को अब निरस्त हो चुके विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम यानी फेरा के तहत दर्ज सभी लंबित मामलों का निपटारा 31 मार्च तक पूरा कर लेने का निर्देश दिया गया है। मामलों की जांच में देरी से संबंधित चुनौतियों, अभियोजन के लिए मंजूरी प्राप्त करना, डिजिटल संपत्तियों से संबंधित मूल्यांकन के मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

10 साल में 5297 मामले, 1,500 में आरोपपत्र दायर..

एजेंसी ने 2014 से 2024 के दौरान पीएमएलए के तहत कुल 5,297 मामले दर्ज किए। लेकिन आरोपपत्र लगभग 1,500 मामलों में ही दायर किए गए। इनमें से केवल 58 मामलों में सुनवाई पूरी हुई। इन 58 मामलों में 55 मामलों में दोषसिद्धि हुई और 3 मामलों में आरोपी बरी कर दिए गए, इस तहह दोषसिद्धि दर 95 फीसदी रही। 99 फीसदी से अधिक मामले अभी अदालतों में लंबित हैं। इस दौरान नेताओं के खिलाफ ईडी ने 190 से अधिक मामले दर्ज किए। इनमें से केवल दो मामलों में ही आरोप साबित हो पाए। आंकड़ों के मुताबिक, नेताओं के खिलाफ साल 2019 से 2024 के बीच ज्यादा मामले दर्ज किए गए।

जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई संत गाडगे बाबा की जयंती

वार्ड नं 6 गाडगे चौक, बूढ़ी स्थित संस्कृतिक भवन और सुरभि नगर में हुई विशेष पूजा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

सोमवार 23 फरवरी को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी, स्वच्छता अभियान के जनक संत गाडगे बाबा की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। जहां गाडगे महाराज की 150वी जयंती पर जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जिसकी एक झलक बालाघाट नगर के विभिन्न स्थानों पर भी देखने को मिली।जहां सोमवार को आयोजित संत गाडगे बाबा की जयंती पर समस्त नवयुवक नगर धोबी समाज द्वारा नगर के वार्ड नं 6 देवी तालाब परिसर स्थित संत शिरोमणि गाडगे महाराज चौक, तो वही जिला धोबी रजक समाज बालाघाट द्वारा बूढ़ी स्थित समाज के सांस्कृतिक भवन में मुख्य समारोह का आयोजन किया गया। जहां सामाजिक बंधुओ ने सामूहिक रूप से संत गाडगे बाबा की पूजा अर्चना कर मंचीय कार्यक्रम किए।तो वहीं नगर के वार्ड नंबर 6 देवी तालाब परिसर और सुरभि नगर वार्ड नंबर 24 में भी भजन, कीर्तन, पूजन,सहित अन्य कार्यक्रमों की आयोजन किए गए।जहां सामाजिक बंधुओ ने सामुहिक रूप से संत गाडगे बाबा की विशेष पूजा अर्चना की।तो वही महान संत की जीवनी पर प्रकाश डालकर संत गाडगे बाबा की जीवनी से प्रेरणा लेकर उनके बताएं मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। तो वहीं देर शाम तक प्रसाद व सामुहिक भोज का वितरण सहित अन्य आयोजन कर जयंती पर आयोजित कार्यक्रम समारोह का समापन किया गया।

गाडगे महाराज ने की थी स्वच्छता अभियान की शुरुवात

समाजिक पदाधिकारियों द्वारा बताया गया कि संत श्री गाड़गे महाराज का जन्म अमरावती जिले के दयांपुर तहसील के शेणगांव नाम के छोटे से गांव में 23 फरवरी 1876 दिन बुधवार महाशिवरात्री के दिन एक धोबी परिवार में हुआ था। संत गाड़गे बाबा ने अपने जीवन काल में स्वच्छता अभियान चलाकर मानव को जीवन में निरोगी काया रखने का संदेश देकर समाज को जागृत किया, आखिरकार अस्पृश्ता, अज्ञानता, अंधविश्वास में नहीं पड़ने की सीख देकर और समाज को साफ सुथरा रहने की चेतना देकर वे इस दुनिया से रुखसत हो थे।जिनकी जयंती 23 फरवरी सोमवार को हर्षोल्लास के साथ मनाई गई है। जिला रजक धोबी समाज द्वारा बूढ़ी स्थित संस्कृतिक भवन में जयंती विशेष पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान बालाघाट जिला धोबी (रजक) समाज अध्यक्ष अशोक कुमार रजक, संरक्षक हरिचंद्र कनोजिया, केशवराव भंडुरिया, दिलीप बंसारे, सुरेश श्रीवास्त्री, किसन अंगूठलेवार, उपाध्यक्ष भरत कनोजिया, सचिव मुकेश मालवी, सह सचिव इसुदयाल बड़पात्रे,कोषाध्यक्ष जीवन लाल बड़गैया, सदस्य संतोष मालवी, प्रीतम लाल कनोजिया, भवनलाल जांगड़े, गणेश दूध मोगरे, मदनलाल मालाधरी और भरत बांसरे सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य व सामाजिक बंधु प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

संत शिरोमणी गाडगे महाराज के नाम पर चले स्वच्छता अभियान- नितेश

नगर के देवीतालाब के किनारे स्थित संत शिरोमणी गाडगे महाराज की प्रतिमा समीप मनाई गई 150 वीं जयंती पर धोबी समाज अध्यक्ष नितेश कनौजिया ने बताया कि आज समाज अपने आराध्य संत शिरोमणी गाडगे महाराज की 150 वीं जयंती मना रहा है। संत शिरोमणी गाडगे महाराज स्वच्छता के जनक और जननायक थे। जिन्होंने सबसे पहले स्वच्छता की अलख जगाई थी। हमारा निवेदन है कि देश के प्रधानंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान को, स्वच्छता के जनक और जननायक संत शिरोमणी गाडगे महाराज का नाम दिया जाए।संत के नाम से ही स्वच्छता अभियान चलाया जाए।

संत शिरोमणी गाडगे महाराज को दिया जाए भारत रत्न- अशोक रजक

वही बूढ़ी संस्कृतिक भवन में आयोजित कार्यक्रम को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला धोबी (रजक) समाज अध्यक्ष अशोक कुमार रजक ने बताया कि आज महान संत शिरोमणि गाडगे महाराज जी की 150 की जयंती है।जिसके तहत पूजा अर्चना प्रसाद वितरण सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए हैं और यहां आयोजन समाज द्वारा पूरे जिले में जारी है। उन्होंने बताया कि आज जयंती विशेष पर हमारी मांग है कि संत शिरोमणि गाडगे महाराज को भारत रत्न से नवाजा जाए, वहीं 23 फरवरी को जयंती विशेष पर प्रतिवर्ष अवकाश घोषित किया जाए।इसके अलावा स्वच्छ भारत मिशन का नाम बदलकर उसे संत शिरोमणि गाडगे महाराज किया जाए, क्योंकि स्वच्छता की शुरुआत उन्होंने ही की थी।

मौसम ने अचानक करवट ली, कहीं तेज बारिश; कहीं बूंदाबांदी का दौर रहा

कृषि विज्ञान केन्द्र ने अगले दो दिनों तक मौसम में बदलाव की संभावना बताया; दलहनी फसलों को नुकसान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। फरवरी माह के शुरुआती दिनों से ही तापमान में लगातार आ रहे उछाल और बढ़ रही गर्मी के बीच सोमवार को मौसम ने अचानक करवट ली और आसमान में बादल छा गए। जहां मौसम के बदलाव के साथ ही अचानक जिला मुख्यालय में थोड़ी देर के लिए बूंदाबांदी का दौर चला तो वही लालबर्रा, लांजी, रजेगांव, व किरनापुर सहित अन्य तहसीलों में कुछ देर के लिए झमाझम बारिश देखने को मिली।उधर मौसम में बदलाव के साथ ही सुबह से ही आसमान में बादल छाने लगे और ठंडी हवाओं के चलने से फरवरी की शुरूआत से गर्म हो रहा तापमान कमजोर पड़ा है वही पूरे जिले में ठंडी और शुष्क हवाएं प्रभावित होने लगी। जिसने मौसम को एक बार फिर से खुशनुमा बना दिया। और शाम होते-होते कई क्षेत्रों में बारिश देखने को मिली। मौसम में आए अचानक बदलाव के बीच नगर का अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया तो वही न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस की आसपास रहा। उधर मौसम विभाग ने आगामी दो दिनों तक मौसम के कुछ इसी तरह बने रहने और गोंदिया से लगे बालाघाट जिले के क्षेत्र में हल्की बारिश व बूंदाबांदी होने की होने की संभावना जताई है।

इस वजह से आया मौसम में बदलाव

फरवरी की शुरूआत से दिन गर्म और रात में हल्की ठंड का असर था, लेकिन सोमवार को सुबह से ही मौसम में परिवर्तन से दिन का तापमान ठंडा प ?ा है। जहां मध्य रात्रि के बाद से ही आसमान को काले बादलों ने घेरना शुरू कर दिया और सुबह होते तक पूरी तरह से काले बादलों की आगोश में आसमान चला गया। वह ठंडी हवाएं प्रभावित हो गई जिससे तापमान में गिरावट के साथ ही मौसम सुहाना हो गया। और कई क्षेत्रों में बूंदाबांदी के साथ झमाझम बारिश देखने को मिली।बताया गया कि बंगाल के उपसागर में साईक्लोन बनने से मौसम में यह परिवर्तन देखा जा रहा है। सैटेलाईट इमेज में ईस्ट मध्यप्रदेश में हल्के बादल और हल्की वर्षा देखी जा रही है,बताया गया कि विगत दिनों से पड़ रहे गर्माहट के कारण, लो-प्रेशर बना है, जो मौसम में बादल और बारिश की संभावना को प्रबल कर रहा है।

गोंदिया से लगे क्षेत्रो में हो सकती है बारिश-अगासे

दुरभाष पर की गई चर्चा के दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र के मौसम वैज्ञानिक धर्मेन्द्र अगासे ने बताया कि मौसम परिवर्तन के साथ ही कुछ इलाकों में बारिश की संभावनाएं बनी हुई है इसमें खासकर महाराष्ट्र के गोंदिया से लगे बालाघाट के लांजी, किरनापुर, खैरलांजी क्षेत्र में हल्की बारिश हो सकती है।उन्होंने बताया कि 26 फरवरी को मौसम में बदलाव संभावित था लेकिन 3 दिन पहले ही मौसम में परिवर्तन हाई प्रेशर से लो प्रेशर की ओर हवा के गतिमान होने से ऐसा मौसम बना है। हालांकि यदि बारिश होती है तो अलसी और सरसो को छोड़कर, खेतो में लगी गेंहू और धान के लिए बारिश फायदेमंद हो सकती है।

फोर व्हीलर मोटरसाइकिल को टक्कर मारकर फरार- मां बेटा सहित तीन घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाना अंतर्गत गोंदिया सिवनी फोरलेन पर स्थित ग्राम रेंगाटोला के पास फोरव्हीलर मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई। बीती रात हुई इस सड़क दुर्घटना में फोर व्हीलर की ठोकर से मोटरसाइकिल में सवार मां बेटा सहित तीन लोग घायल हो गए ।तीनों घायल जिनमे शशि पति संतोष शेंडे 42 वर्ष उनका बेटा कृष्णा पिता संतोष शेंडे 16 वर्ष ग्राम रजेगाव किरनापुर और रविंद्र पिता ज्ञानचंद ऐड़े 27 वर्ष ग्राम कल पाथरी थाना किरनापुर निवासी है। जिन्हें जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 22 फरवरी को रविंद्र ऐड़े शशि शेंडे और उनके बेटे कृष्णा को मोटरसाइकिल में लेकर ग्राम भजियादंड रामपायली (रामपायली) शादी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गए थे। और शादी के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद रात 12:30 बजे करीब तीनों मोटरसाइकिल में भजियादंड से रजेगांव लौट रहे थे। ग्राम डोंगरिया समीप फोरलेन से रजेगांव की ओर आते समय ग्राम रेंगाटोला के पास सामने से रांग साइड से तेज रफ्तार से आ रही फोर व्हीलर स्विफ्ट ने मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई। फोर व्हीलर की जबरदस्त ठोकर से जहां मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई वहीं मोटरसाइकिल में सवार रविंद्र ऐड़े शशि शेंडे और उनका बेटा कृष्णा शेंडे घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर कुछ ग्रामीण पहुंचे। सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची और तीनों घायल को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जिला अस्पताल पुलिस ने रविंद्र ऐड़े का बयान लेकर अस्पताल तहरीर घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना वारासिवनी नहीं भिजवा दी है।

सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल को किरनापुर एसडीएम का प्रभार

डिप्टी कलेक्टर आदित्य तिवारी को बिरसा तहसील का प्रभार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने प्रशासनिक कार्य व्यवस्था की दृष्टि से अधिकारियों के बीच पूर्व में किये गए कार्य विभाजन में आंशिक संसोधन किया है। जिसके फलस्वरूप भारतीय प्रशासनिक सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारी सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल को आगामी आदेश तक के लिए किरनापुर एसडीएम का सम्पूर्ण प्रभार सौंपा गया है। किरनापुर में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व का प्रभार संभाल रहे मायाराम कौल को संयुक्त कलेक्टर के पद पर कलेक्ट्रेट कार्यालय बालाघाट में पदस्थ किया गया है। इसी प्रकार परिवीक्षाधीन डिप्टी कलेक्टर आदित्य नारायण तिवारी को प्रशिक्षण अवधि में तहसीलदार बिरसा का आहरण एवं संवितरण सहित सम्पूर्ण प्रभार सौंपा गया है। जिसके फलस्वरूप सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख एवं प्रभारी तहसीलदार बिरसा राजूलाल नामदेव को आगामी आदेश तक कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बैहर में पदस्थ किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभावी हो गया है।

फिटनेस का महाकुंभ: बिरसा में दिखा शक्ति और सौष्ठव का जलवा

मध्यप्रदेश शरीर सौष्ठव प्रतियोगिता 2026 का ऐतिहासिक आयोजन, विजेताओं को मिला नगद पुरस्कार व सम्मान

पद्मेश न्यूज। बिरसा। ताम्र नगरी मलाजखंड में आयोजित मध्यप्रदेश शरीर सौष्ठव प्रतियोगिता 2026 ने पूरे क्षेत्र में उत्साह, रोमांच और फिटनेस के प्रति जागरूकता की नई लहर पैदा कर दी। मध्यप्रदेश अमेच्योर एण्ड फिजिकल स्पोर्ट एसोसिएशन के तत्वावधान में स्वर्गीय गनपत सिंह उइके (पूर्व कैबिनेट मंत्री) की स्मृति में मलाजखंड कॉपर क्लब में यह भव्य प्रतियोगिता संपन्न हुई।जिंसमे प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने मंच पर अपने दमदार शरीर सौष्ठव का शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता में बालाघाट सहित जबलपुर, मंडला, रीवा, छिंदवाड़ा एवं अन्य जिलों के प्रतिभागियों ने भाग लिया, जबकि बिरसा और बैहर क्षेत्र के युवाओं की भागीदारी विशेष आकर्षण रही।कार्यक्रम में अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिनमें नगरपालिका मलाजखंड अध्यक्ष मानसिंह मेरावी, जनपद पंचायत बिरसा अध्यक्ष सविता धुर्वे, उपाध्यक्ष हेमंत साहू, सी.एन. झा, द्रौपकिशोर मेरावी, हेमंत भगत, दत्तराज पटले, सुबेदार सिंह, लखन मेरावी, पप्पू उइके, ललित खान सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

विजेताओं को मिला आकर्षक सम्मान

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता खिलाड़ियों को डाइट किट, ट्रैक सूट सहित 11,000 नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस सम्मान ने खिलाड़ियों के उत्साह और आत्मविश्वास को नई ऊर्जा दी। भारी भीड़, उत्साहपूर्ण माहौल और शानदार प्रतियोगिता ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। क्षेत्र में इस पहल की व्यापक सराहना हो रही है और इसे युवाओं के लिए प्रेरणादायक कदम बताया जा रहा है।

युवाओं के लिए आगे भी ऐसे आयोजन होते रहेंगे-उइके

कार्यक्रम का आयोजन क्षेत्रीय विधायक संजय उइके के मार्गदर्शन में किया गया। इस आयोजन को युवाओं को खेलों से जोड़ने और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रेरित करने की दिशा में बड़ी पहल माना जा रहा है। विधायक संजय उइके ने कहा कि आने वाले समय में युवाओं की प्रतिभा को निखारने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि युवा पीढ़ी को खेलों से जोड़ना, उन्हें मंच देना और क्षेत्र में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना उनका निरंतर लक्ष्य है, जिसके लिए ऐसे आयोजन आगे भी होते रहेंगे।

कार्यालय कलेक्टर जिला बालाघाट (म.प्र.)

।। ई-निविदा आमंत्रण की संक्षिप्त सूचना का प्रकाशन ।।

क्रमांक/1322/ई-निविदा/जनगणना शाखा/2026 — बालाघाट, दिनांक-23-02-2026

जनगणना 2027 के कार्य हेतु आउटसोर्सिंग से तकनीकी सहायक एवं मल्टी टास्किंग स्टॉफ के रिक्त पदों पर Online https://mptenders.gov.in/ के माध्यम से सेवाओं को उपलब्ध कराने हेतु पंजीकृत फर्म/संस्थाओं से निविदा आमंत्रित की जा रही है:-

जिसकी Tender ID:- 2026_DC_484317_1 है।
ई-निविदा जमा करने की प्रारंभिक तिथि : 23-02-2026 समय प्रात: 10:00 बजे से
ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि : 16-03-2026 समय सांय 03:00 बजे से
इसकी समस्त जानकारी शर्ते एवं जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर उलब्ध है

अपर कलेक्टर, एवं
जिला जनगणना अधिकारी
बालाघाट

किराये से देना है
दुकान/ऑफिस किराये से देना है
स्टेट बैंक के पास मेन रोड बालाघाट
-संपर्क करें-
8516809720

सुरक्षा कर्मी की बंपर भर्ती
योग्यता 10 वी 12वीं पास
सैलरी 15 से 20 हजार रूपए,
पीएफ ईएसआईसी लीव सैलेरी बोनस की सुविधा
सनफ्लैग स्टील प्लांट भंडारा (वरठी)
संपर्क-7030497666, 9766188388

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व सामान्य को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम पूर्णिमा राकेश सदाशिव बंसोड था जिसे बदलकर पूर्णिमा राकेश राव बंसोड कर दिया गया है। मुझे POORNIMA RAKESH RAO BANSOD W/O RAKESH SADASHIV SANSOD नाम से जाना व पहचाना जाए।

सही नाम
पूर्णिमा राकेश राव बंसोड
निवासी-वार्ड नं. 06 चित्रगुप्त नगर, बालाघाट

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

पति-पत्नि से चाचा-चाची सहित चार लोगों ने की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम मुंडेसरा में एक व्यक्ति और उसकी पत्नी को उसके चाचा चाचा सहित चार लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिये। 22 फरवरी की रात 9:00 बजे करीब यह घटना पारिवारिक विवाद के चलते हुई।मारपीट में घायल व्यक्ति जीवन सिंगधुपे40 वर्ष को किरनापुर के अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस मामले में किरनापुर पुलिस ने इस व्यक्ति के चाचा लक्ष्मण, चाची सेवनबाई उनके लड़के आविष्कार और भूपेंद्र के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जीवन सिंघधुपे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। जिसने अपने कछार में भट्टा मिर्ची लगाए हैं। किंतु उसका चाचा लक्ष्मण, जीवन के द्वारा कछार में लगाए गए भट्टा मिर्ची में पानी चलाने नहीं दे रहा था। 22 फरवरी की रात 9:00 बजे जीवन अपनी पत्नी सुरेखा के साथ घर में था तभी उसने अपने चाचा लक्ष्मण एवं चाची सेवन बाई को बोले की तुम लोग हमको कछार में भट्टे मिर्ची में पानी चलाने नहीं देते जिसके कारण भट्टे मिर्ची के पेड़ सुख रहे हैं। जीवन के यह कहते ही उसका चाचा लक्ष्मण चाची सेवन बाय और उनके दोनों लड़के आविष्कार और भूपेंद्र आवेश में आ गए और उन्होंने जीवन को अश्लील गालियां देते हुए कुल्हाड़ी की मुद्दई डंडे से मार पीट कर दिए ।बीच बचाव करने जब जीवन की पत्नी सुरेखा आई तो उसे भी मारपीट करने लगे। दोनों पति-पत्नी के चिल्लाने पर मोहल्ले पड़ोस के लोग दौड़े और बीच बचाव किये इस घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 ग्राम मुंडेसरा पहुंची। और मारपीट में घायल जीवन और उसकी पत्नी सुरेखा को किरनापुर के अस्पताल में लाकर भर्ती किये। किरनापुर पुलिस ने सुरेखा द्वारा की गई रिपोर्ट पर लक्ष्मण उसकी पत्नी सेवन बाई और बेटे आविष्कार और भूपेंद्र के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

मोटरसाइकिल में भड़की आग- मैकेनिक झुलसा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के काली पुतली चौक समीप एक गेराज में मोटरसाइकिल रिपेयरिंग के दौरान अचानक आग भड़क गई। मोटरसाइकिल में भड़की आग से मैकेनिक विशाल पिता प्रकाश जामुलकर 26 वर्ष झुलझ गया जिसे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विशाल जामुलकर भजियादंड थाना रामपायली निवासी है।जो मोटरसाइकिल रिपेयरिंग का काम करते हैं। जिनकी बालाघाट नगर के काली पुतली चौक समीप गेरेज है। 23 फरवरी को 4:30 बजे करीब विशाल जामुलकर अपनी गेराज में एक मोटरसाइकिल रिपेयरिंग कर रहे थे। तभी मोटरसाइकिल से पेट्रोल लीकेज होने से अचानक मोटरसाइकिल में आग भड़क गई। मोटरसाइकिल में आग भड़कते देख आसपास के लोग दौड़े और आग बुझाये। किंतु मोटरसाइकिल में भड़की आग से मैकेनिक विशाल जामुलकर झुलस गए थे। जिन्हें उनके साथ वालों ने जिला अस्पताल में लाकर भर्ती किये।

नक्सल प्रभावित इलाकों में 100 कार्यों के लिए दो हजार करोड़ की कार्ययोजना तैयार

कलेक्टर ने टीएल बैठक में समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा की

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

23 फरवरी को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना ने विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे।

बैठक मे कलेक्टर श्री मीना ने सिचांई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में रहे 100 गावों में सिचांई सुविधाओं के विस्तार के लिए तैयार कार्य योजना का परीक्षण कर ले। जो कार्य कम लागत के हैं उन्हें ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग से कराए जाने है। इस दौरान सिचांई विभाग के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा 02 हजार करोड रुपए के 100 कार्यों की कार्य योजना तैयार की गई है। इनमें से 47 कार्य जल संसाधन विभाग द्वारा तथा शेष कार्य ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग द्वारा कराया जाना प्रस्तावित किया गया है। बैठक में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे प्रस्तावित कार्यों का परीक्षण कर ले।

बैठक में शाला भवनों के मरम्मत एवं सुधार कार्य की समीक्षा की गई। इस दौरान सर्व शिक्षा अभियान द्वारा स्वीकृत बालिका शौचालय के कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। बैठक में बताया गया कि नवीन शिक्षा सत्र के लिए निःशुल्क वितरित की जाने वाली पाठ्य पुस्तके 15 मार्च तक शालाओं में उपलब्ध करायी जाना है। कलेक्टर श्री मीना ने सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक को निर्देशित किया कि 15 मार्च तक पुस्तकों का परिवहन अनिवार्य रूप से कराए। समय सीमा में परिवहन नही होने पर जिम्मेदार व्यक्ति के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक को निर्देशित किया गया कि जिले के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक-एक एमएसएमई क्लस्टर बनाने की कार्यवाही करें। इस दौरान बताया गया कि विधानसभा क्षेत्र बैहर, परसवाडा एवं कटंगी में एमएसएमई क्लस्टर के लिए भूमि आवंटित की जाना शेष है। कटंगी विधानसभा क्षेत्र में तिरोडी तहसील के ग्राम कपुरबिहरी का एमएसएमई क्लस्टर के लिए चयन किया गया है। जिला उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक को निर्देशित किया गया कि जिले में उद्योग एवं निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए स्टार्टअप सेल का गठन करें और इसमें उद्यमियों की मदद के लिए सभी तरह की जानकारियॉ उपलब्ध रखे। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया गया कि 03 से 06 वर्ष तक की आयु के निजी स्कूल में पढने वाले बच्चों का भी आंगनवाडी केंद्र में पंजीयन कराए। आंगनवाडी केंद्रो के बच्चों को दिये जा रहे पोषण आहार की नियमित रूप से जांच की जाए।

संकल्प से समाधान अभियान की समीक्षा के दौरान बताया गया कि इस अभियान के अंतर्गत शिविरों में प्राप्त आवेदनों के निराकरण में बालाघाट जिला प्रदेश में 18वें स्थान पर है। इस दौरान सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शिविरों में प्राप्त आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कराए और उसकी पोर्टल पर एंट्री अनिवार्य रूप से करें। बैठक में सोलर पंप योजना एवं घरो की छतों पर सोलर पेनल लगाने की योजना पर प्रभावी क्रियान्वयन करने और इसके लक्ष्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये गए।

बैठक में नगरीय निकाय कटंगी, लांजी एवं बालाघाट में 15 मार्च तक स्मार्ट फिश पार्लर बनाने के निर्देश दिये गए। निर्माण विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि खनिज रायल्टी का खनिज विभाग को शीघ्रता से भुगतान करें। सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया गया कि विभिन्न मदों की राजस्व वसूली का कार्य सख्ती से करें। आरआरसी दायर प्रकरणों में चल-अचल संपत्ति की कुर्की नीलामी कर वसूली करने के निर्देश दिये गए।

बैठक में सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा की गई और निर्देशित किया गया कि सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों का त्वरित निराकरण करें। उपसंचालक पशु चिकित्सा बालाघाट एवं लांजी के पशु चिकित्सक द्वारा सीएम हेल्पलाईन की शिकायत नाट अटेंडेंट पाए जाने पर उपसंचालक का ढाई दिन का एवं लांजी के चिकित्सक का 01 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये गए। बैठक में निर्देशित किया गया कि लोक सेवा गारण्टी अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का समय सीमा में निराकरण किया जाए, अन्यथा जिम्मेदार अधिकारी पर जुर्माना लगाने की कार्यवाही की जाएगी।

फिल्टर प्लांट बूढ़ी पीएम आवास कॉलोनी पहुंच मार्ग निर्माण धीमा, रहवासी परेशान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। फिल्टर प्लांट क्षेत्र स्थित पीएम आवास पहुंच मार्ग पर बीते दो से तीन महीनों से सड़क निर्माण कार्य जारी है, लेकिन कार्य की रफ्तार इतनी धीमी है कि स्थानीय रहवासियों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि साइट तक कुछ ही मीटर की सड़क का निर्माण किया जाना है, फिर भी काम अधूरा पड़ा हुआ है। निर्माण कार्य के कारण रास्ता उखड़ा हुआ है और जगह-जगह निर्माण सामग्री पड़ी रहने से आमजन, विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को आने-जाने में दिक्कत हो रही है। रात्रि के समय स्थिति और गंभीर हो जाती है। मार्ग पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था नहीं होने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। बीती रात भी एक बाइक सवार सड़क निर्माण में पड़े मटेरियल से टकराने से बाल-बाल बच गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं की गई तो कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

नगर पालिका द्वारा बूढी फिल्टर प्लांट के समीप प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत फ्लैटों का निर्माण किया गया है, जिनमें से कुछ हितग्राहियों को आवास आवंटित भी किए जा चुके हैं। लेकिन फिल्टर प्लांट से लेकर आवास साइट तक का पहुंच मार्ग बीते दो से तीन महीनों से निर्माणाधीन है और अब तक पूर्ण नहीं हो सका है। जानकारी के अनुसार संबंधित एजेंसी द्वारा सड़क को खोदकर भराई का कार्य किया जा रहा है, किंतु निर्माण की गति अत्यंत धीमी होने के कारण यहां रहने वाले हितग्राहियों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दिन के समय पूरे मार्ग पर पानी डाल दिया जाता है, जिससे कीचड़ की स्थिति बन जाती है और वाहन निकालना मुश्किल हो जाता है। चूंकि दूसरा कोई वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध नहीं है, इसलिए लोगों को इसी अधूरे मार्ग से गुजरना पड़ रहा है। रात्रि के समय स्थिति और अधिक चिंताजनक हो जाती है। मार्ग पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था नहीं है, जिससे कुछ मीटर तक पूरा क्षेत्र अंधेरे में डूबा रहता है। बीती रात एक दुर्घटना की स्थिति भी निर्मित हो गई थी। हितग्राहियों का कहना है कि यदि समय रहते निर्माण कार्य पूरा नहीं किया गया तो बड़ी दुर्घटना हो सकती है। स्थानीय रहवासियों ने मांग की है कि सड़क निर्माण कार्य को गति देकर शीघ्र पूर्ण कराया जाए तथा अस्थायी रूप से स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की जाए। उनका यह भी कहना है कि अंधेरे के कारण असामाजिक तत्वों का जमावड़ा भी क्षेत्र में देखा जा रहा है, जिससे सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई है। हितग्राहियों ने नगर पालिका और संबंधित अधिकारियों से शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा की है, ताकि आवागमन सुगम हो और किसी अप्रिय घटना की आशंका समाप्त हो सके।

निर्धारित किराया से अधिक राशि वसूल करने पर बस संचालक पर होगी कड़ी कार्यवाही

बालाघाट से इंदौर-भोपाल बस यात्रियों के लिए किराया शुल्क निर्धारित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। त्यौहारों के सीजन में बालाघाट से भोपाल एवं इंदौर की बसो में आने जाने वाले यात्रियों से अधिक किराया लिये जाने एवं किराया दो से तीन गुना तक बढाकर लिये जाने शिकायते प्राप्त होती है। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर जिला परिवहन अधिकारी द्वारा बस संचालकों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे यात्रियों से निर्धारित किराया ही ले। निर्धारित से अधिक किराया लिये जाने पर जुर्माने के साथ ही बस का परमिट निरस्त करने की कार्यवाही की जा सकती है। यात्रियों से भी अपील की गई है कि अधिक किराया लिये जाने पर परिवहन विभाग द्वारा दिये गए मोबाईल नम्बरों पर सूचना दे।

जिला परिवहन अधिकारी श्री गढ़पाल ने बताया कि लंबी दूरी की बसों में निर्धारित से अधिक किराया लिए जाने पर यात्री जिला परिवहन कार्यालय बालाघाट में शिकायत कर सकते हैं, उनकी शिकायत पर त्वरित कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि बालाघाट से भोपाल सुपर लग्जरी एसी बस का किराया 1120 रुपये, बालाघाट से इंदौर सुपर लग्जरी एसी बस का किराया 1583 रुपए, बालाघाट से भोपाल स्लीपर बस का किराया 896 रुपये एवं बालाघाट से इंदौर स्लीपर बस का किराया 1267 रुपये निर्धारित है । इससे अधिक किराया लिए जाने पर बस संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

बालाघाट से प्रदेश की राजधानी भोपाल एवं आर्थिक राजधानी इंदौर के लिए संचालित एसी, नॉन एसी, सुपर लग्जरी एवं स्लीपर बसों का किराया निर्धारित हैं। बालाघाट से भोपाल 488 किलोमीटर के लिए एसी सुपर लग्जरी बस का किराया 1120 रुपये निर्धारित किया गया है। इसी तरह बालाघाट से इंदौर 862 किलोमीटर के लिए एसी सुपर लग्जरी बस का किराया 1583 रुपये निर्धारित किया गया है। नॉन एसी स्लीपर बसों की बात करें तो बालाघाट से भोपाल के लिए किराया 896 रुपये तय किया गया है तथा बालाघाट से इंदौर के लिए नॉन एसी स्लीपर बस का किराया 1267 रुपये तय हुआ है। इनमें स्लीपर चार्ज एवं जीएसटी की राशि भी शामिल है।

जिला परिवहन अधिकारी श्री गढपाल ने आमजन से अपील की है कि बालाघाट से भोपाल-इंदौर की यात्रा करने पर परिवहन विभाग द्वारा निर्धारित शुल्क से अधिक राशि लिये जाने पर वे प्रमोद कुमार उइके 9301990393, जीतेन्द्र कटरे 8871700936, भूपेंद्र नारनौरे 7489530837 के नम्बर पर संपर्क कर सकते है। निर्धारित किराये दर से अधिक की राशि वसूलने पर जिम्मेदार के विरूद्ध कडी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

पिपरटोला में शराब नहीं पिलाने पर दो लोगों ने की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शराब पीने पैसे नहीं देने पर एक व्यक्ति को दो लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिए और शराब नहीं पिलाने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। 22 फरवरी की शाम 7:00 बजे यह घटना भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पिपरटोला टोला में हुई। मारपीट में घायल युवक अमित पिता दुर्गा प्रसाद शिवाले 32 वर्ष वार्ड नंबर 3 शांति नगर बालाघाट निवासी है। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमित शिवाले की अंबेडकर चौक बालाघाट में चायनीज की दुकान है ।22 फरवरी को अमित शिवालेअपने साथी शुभम कोड़पे के साथ किसी काम से उकवा गए थे और उकवा से अपना काम निपटाना के बाद दोनों बालाघाट लौट रहे थे। शाम 7:00 बजे करीब अमित शिवाले अपने साथी शुभम कोड़पे के साथ पिपरटोला में रुके और सिगरेट पी रहे थे। तभी वहां दीपक बंशकार, जितेंद्र गौतम आए और अमित शिवाले से दारू पीना है बोल, किंतु अमित शिवाले ने उन्हें बोला कि पैसे नहीं है। अमित शिवाले के यह कहते ही दीपक बंशकार ने उसे हेलमेट से सिर में मारा और जितेंद्र ने हाथबुक्के से मारपीट कर दिए ।बीच बचाव शुभम कोड़पे ने किया। इसके बाद दीपक बंशकार और जितेंद्र गौतम ने अमित शिवाले को शराब नहीं पिलाने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। मारपीट में घायल अमित शिवाले को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने अमित शिवाले का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना भरवेली भिजवा दी है।

भारतीय मजदूर संघ का राष्ट्रव्यापी आंदोलन कल

वर्षों से लंबित मांगों को लेकर बस स्टैंड में करेंगे प्रदर्शन , निकाली जाएगी रैली

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय आह्वान पर 25 फरवरी को दोपहर 12 बजे से एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी आंदोलन आयोजित किया जाएगा। वर्षों से लंबित विभिन्न श्रमिक मांगों को लेकर यह आंदोलन देशभर में किया जा रहा है। इस संबंध में 23 फरवरी को नगर मुख्यालय में संगठन की बैठक आयोजित की गई, जिसमें आंदोलन की रूपरेखा, रैली मार्ग तथा प्रमुख मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पदाधिकारियों ने अधिक से अधिक संख्या में श्रमिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आंदोलन की शुरुआत बस स्टैंड, बालाघाट से धरना-प्रदर्शन के रूप में होगी। इसके पश्चात श्रमिकों एवं कर्मचारियों द्वारा नारेबाजी करते हुए शहर के प्रमुख मार्गों से रैली निकाली जाएगी, जो कलेक्टर कार्यालय पहुंचेगी। वहां प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय श्रम मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत श्रमिकों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा जाएगा। संगठन द्वारा जिन प्रमुख मांगों को उठाया जा रहा है, उनमें ईपीएफओ अंशदान हेतु वेतन सीमा में वृद्धि, ईएसआईसी अंशदान की वेतन सीमा बढ़ाने, तथा ईपीएस-95 के अंतर्गत न्यूनतम पेंशन राशि 7500 रुपये प्रतिमाह किए जाने की मांग शामिल है। साथ ही पेंशनभोगियों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ प्रदान करने की मांग भी की जाएगी। इसके अलावा खदानों एवं अन्य संस्थानों में कार्यरत ठेका श्रमिकों को नियमित करने, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका, मिड-डे मील रसोईया, पेशा मोबिलाइजर, अतिथि शिक्षक, नगर पालिका के अनियमित कर्मचारी, आउटसोर्सिंग कर्मचारी एवं सफाई कर्मियों को स्थायी कर कामगार का दर्जा देने की मांग उठाई जाएगी। लोडिंग-अनलोडिंग के दाम बढ़ाने, बांस टाल, कवेलु कारखानों, पेट्रोल पंप, अनाज मंडी, वेयरहाउस एवं धान खरीदी केंद्रों में कार्यरत मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में शामिल करने की भी मांग की जाएगी। साथ ही चालक एवं परिचालकों को श्रमिक पंजीयन, दुर्घटना एवं जीवन बीमा, पेंशन, वृद्धावस्था सहायता तथा स्वास्थ्य बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ देने की मांग ज्ञापन के माध्यम से रखी जाएगी। भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष योगेश यादव ने कहा कि यह आंदोलन केवल ज्ञापन सौंपने तक सीमित नहीं है, बल्कि श्रमिकों के अधिकारों और सम्मान की लड़ाई का प्रतीक है। उन्होंने जिले के सभी कर्मचारी एवं श्रमिक संगठनों से एकजुट होकर आंदोलन में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि लंबे समय से श्रमिक वर्ग वेतन, पेंशन, सामाजिक सुरक्षा एवं नियमितीकरण जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। इन्हीं मुद्दों के समाधान के लिए यह राष्ट्रव्यापी आंदोलन आवश्यक हो गया है, जिसमें श्रमिकों की आवाज को सशक्त रूप से उठाया जाएगा।

सहायक उपकरण पाकर दिव्यांग बच्चों के चेहरों पर खुशी की चमक दिखी!!

जनपद शिक्षा केन्द्र में उपकरण वितरण शिविर का हुआ आयोजन

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित जनपद शिक्षा केन्द्र में सोमवार को दिव्यांग बच्चों के लिए एक विशेष सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से क्षेत्र के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को सशक्त बनाने और उनके दैनिक जीवन को सुगम बनाने की दिशा में सार्थक पहल की गई। यह कार्यक्रम पांढरवानी सरपंच अनीस खान, विधायक प्रतिनिधि सुमित स्वामी एवं बीआरसी श्रीराम तुरकर की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर पूर्व में आयोजित दिव्यांग जांच शिविर में विशेषज्ञों द्वारा बच्चों का परीक्षण कर सहायक उपकरणों के लिए उनका चयन किया गया था। जिसके बाद सहायक उपकरण उपलब्ध होने के बाद सोमवार को आयोजित इस सहायक उपरकण वितरण शिविर में १३ दिव्यांग बच्चों को व्हीलचेयर, १२ रोलेटर, ८ सी.पी. चेयर, ८ हियरिंग एड, ५६ टीएलएम कीट कुल ९७ उपकरण का वितरण किया गया। वहीं दिव्यांग बज्चों को उक्त सहायक उपकरण मिल जाने के बाद उन्हे स्कूल आने एवं पढ़ाई करने में सुविधा मिलेगी। सहायक उपकरणों को पाकर दिव्यांग बच्चों और उनके अभिभावकों के चेहरों पर खुशी देखी गई। इस अवसर पर उपस्थितजनों ने कहा कि इन सहायक उपकरणों के मिलने से दिव्यांग बच्चों को चलने-फिरने और सुनने में काफी सुविधा होगी। इससे न केवल उनके जीवन की बाधाएं कम होंगी, बल्कि वे बेहतर तरीके से अपनी पढ़ाई जारी रख सकेगें और समाज की मुख्यधारा से जुड़कर आगे बढ़ सकेंगे। जिला शिक्षा केन्द्र बालाघाट के एपीसी श्रीष थानथराटे ने बताया कि दिव्यांग बच्चों को शिक्षा से वंचित होने से बचाने के लिए शासन के द्वारा सहायक उपकरण का वितरण किया जाता है। जिसकी सहायता से बच्चें स्कूल पहुंच सके और शिक्षा प्राप्त कर सके एवं उनकी दिव्यांगता उनकी शिक्षा पर बाधा न बने। इसलिए शासन के द्वारा उपकरण वितरण करके उन्हें सपोर्ट एवं सहयोग किया जाता है। इसके साथ ही शासन के द्वारा दिव्यांग बच्चों की सहायता के लिए छात्रवृत्ति योजना भी चलाई जा रही है जिससे बज्चों को आर्थिक मदद कर उन्हें शिक्षा की ओर आगे बढ़ाया जा सके। बीआरसी श्रीराम तुरकर ने बताया कि दिव्यांग बच्चों को चिन्हांकन के उपरांत उपकरण वितरण करने के लिए शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें एलिम्को के माध्यम से राल्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरण का वितरण किया गया है। जिसमें १३ व्हीलचेयर, १२ रोलेटर, ८ सीपी चेयर ५६ टीएलएम किट, १२ हियरिंग हेड और ४ केनीपस इस शिविर के माध्यम से दिव्यांग बच्चों को वितरण किया गया है। श्री तुरकर ने बताया कि इस योजना के माध्यम से शासन का मुख्य उद्देश्य यही है कि जो दिव्यांग बच्चें हैं वह भी सामान्य बच्चों की तरह अपनी पढ़ाई पूरी कर सके। समाज की मुख्य धारा से जुड़ सके और शासन के द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए चलाई जा रही योजना का लाभ स्कूलों में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों को दिलवाया जा रहा है। इस अवसर पर एमआरसी डीसी बिरनवार, बीएसी श्याम भलावी, जितेन्द्र डाहरे, बी.आर. डोंगरे सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

बघोली से पंढरापानी पहुंच मार्ग खस्ताहाल हुआ, आवागमन दूभर!!

आवागमन में हो रही परेशानी, निर्माण करवाने की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग ५ किमी. दूर ग्राम पंचायत बघोली से पंढरापानी पहुंच मार्ग का खस्ताहाल होने के साथ ही जगह-जगह गड्ढे हो जाने के कारण आने-जाने वाले ग्रामीणजन, राहगीर एवं पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है लेकिन जिम्मेदार के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है और प्रशासन से जल्द नवीन सड़क का निर्माण करवाने की मांग की है। आपकों बता दे कि लालबर्रा के ग्राम बघोली से पंढरापानी पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पूर्व ग्रामीण प्रधानमंत्री सड़क विभाग के द्वारा डामरीकरण सड़क का निर्माण किया गया है, लेकिन निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण निर्माण के कुछ साल बाद ही सड़क खराब होने के साथ ही कुछ स्थानों पर सड़क के बीच में गड्ढे बन गये है। जिसके कारण मार्ग से आने-जाने वाले लोगों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और सड़क खराब होने से हर समय बड़ी दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी हुई है एवं पूर्व में दुर्घटनाएं भी हो चुकी है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि इस मार्ग से स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ ही अन्य लोग भी आवागमन करते है। किन्तु सड़क के खस्ताहाल होने के कारण सभी को आने-जाने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है इसलिए ग्रामीणजनों ने मार्ग का जल्द मरम्मत कार्य या फिर नवीन सड़क का निर्माण करवाने की मांग की है। चर्चा में ग्रामीणों ने बताया कि बघोली से पंढरापानी पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पूर्व निर्माण किया गया है। लेकिन डामरीकरण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण सड़क खराब होने के साथ ही कुछ स्थानों पर गड्ढे बन गये है जिसके कारण आने-जाने में परेशानी हो रही है। साथ ही मार्ग के बीच में जो गड्ढे बने है वह रात्रि के समय दिखाई नही देते है और वर्तमान समय में वैवाहिक कार्यक्रमों का दौर जारी है और वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने लोग मोटरसाइकिल व अन्य वाहन से रात्रि के समय इस मार्ग से आना-जाना करते है। साथ ही यह मार्ग पंढरापानी से रानीकुठार, कंजई होते हुए सीधे बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग पर मिलती है। लेकिन सड़क खराब होने से परेशानी हो रही है इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि बघोली से पंढरापानी पहुंच मार्ग का जल्द मरम्मत या फिर नवीन सड़क का निर्माण करवाये।

जनपद कार्यालय पहुंच मार्ग की मोड़ाई में खुली नाली में लगाया गया चेम्बर

खुली नाली में चेम्बर लगने एवं मरम्मत कार्य होने से आवागमन में होगी सुविधा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग स्थित जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के आगे से जनपद पंचायत, तहसील एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जाने के लिए बायपास मार्ग गुजरी है। जिससे राहगीर, निवासरत लोग एवं अधिकारी-कर्मचारीगण आना-जाना करते थे परन्तु जनपद पंचायत के समीप मार्ग की मोड़ाई में नाली में पुर्व में बनाई गई चेम्बर क्षतिग्रस्त हो चुका था और नाली खुली हुई थी जो दुर से लोगों को दिखाई नही दे रहा था। जिसके कारण आने-जाने वाले लोगों को परेशानी होने के साथ ही हर समय दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी रहती थी एवं पूर्व में दुर्घटना भी घटित हो चुकी थी। उक्त समस्या को गत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में प्रमुखता से उठाते हुए जनपद पंचायत कार्यालय पहुंच मार्ग की मोड़ाई में खुली नाली दे रही दुर्घटना को आमंत्रण नामक शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद जिम्मेदार अधिकारी एवं पंचायतकर्मी हरकत में आये और क्षतिग्रस्त हो चुकी नाली के चेम्बर का मरम्मत कार्य मानपुर पंचायत के द्वारा करवाकर खुली नाली में सीमेन्ट का ढक्कन (चेम्बर) लगा दिया गया है। खुली नाली में चेंबर लग जाने से अब इस मार्ग से आने-जाने वाले लोगों को पूर्व में हो रही परेशानियों से निजात मिल चुकी है और रोड़ की मोड़ाई से बिना संकोच के आना-जाना कर रहे है। चर्चा में जागरूक नागरिकों ने बताया कि जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के आगे पूर्व जनपद अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा शुक्ला के मकान के सामने से हाईवे मार्ग से बायपास मार्ग जाती है और यह मार्ग जनपद पंचायत कार्यालय, तहसील, अस्पताल, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय सहित अशासकीय विद्यालय की ओर पहुंचती है एवं निवासरत लोग भी इसी मार्ग से आवागमन करते है। साथ ही यह भी बताया कि विगत वर्ष पूर्व मानपुर पंचायत के द्वारा जनपद एवं तहसील कार्यालय बायपास पहुंच मार्ग का सीमेन्टीकरण करने के साथ ही पक्की नाली का निर्माण कार्य करवाया गया था और नाली की गहराई करीब ३ से ४ फीट है परन्तु सड़क की चौड़ाई कम होने के कारण नाली के ऊपर में चेम्बर लगाया गया है। ताकि आवागमन में सुविधा हो सके परन्तु जनपद पंचायत के समीप मोड़ाई में नाली के ऊपर लगाये गये चेम्बर क्षतिग्रस्त हो चुका था और नाली खुली हुई थी जिसके कारण हर समय दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी रहती थी। गत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में उक्त समस्या को प्रमुखता से उठाते हुए समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद ग्राम पंचायत मानपुर के द्वारा क्षतिग्रस्त नाली का मरम्मत करवाकर खुली हुई नाली के ऊपर सीमेंट का ढक्कन (चेम्बर) लगा दिया गया है। जिसके बाद से अब रोड़ की मोड़ाई से लोग आसानी से आवागमन कर पा रहे है, नही तो पूर्व में दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी हुई थी क्योंकि अचानक कोई व्यक्ति दुसरे साईड से आ जाता था और वह दिखाई नही देने के कारण मोड़ाई में उनकी साइकिल व मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने से वे दुर्घटना का शिकार हो जाते थे परन्तु अब खुली नाली में चेम्बर लग जाने से उक्त समस्या से निजात मिल चुकी है।

बादल गर्जन के साथ हुई झमाझम बारिश, दलहन फसल को लेकर किसान चिंतित

मौसम परिवर्तन होने एवं बादल छायें घंटो इंतजार के बाद भी बैरंग वापस लौटे सैकड़ों आवेदक

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में सोमवार को दोपहर तक साफ मौसम रहा परन्तु दोपहर ३ बजे के बाद अचानक मौसम परिवर्तन होने के साथ ही बादल गर्जन के साथ करीब एक घंटे तक झमाझम बारिश हुई है। वहीं बार-बार मौसम परिवर्तन होने एवं आसमान में बादल छाया रहने से खेतों में लगी चने की फसल में इल्ली लगने के साथ ही हरी सब्जियों सहित दलहन फसलों में भी बीमारी लगने की संभावना बनी हुई, जिससे किसान चिंतित नजर आ रहे है। वहीं यह बारिश रबी सीजन में लग रही धान एवं गेंहू के फसल के लिए लाभदायक है परन्तु तेज बारिश एवं ओले गिरने से सभी फसलों को काफी नुकसान हो सकता है और बार-बार मौसम परिवर्तित होने, आसमान में बादल छाये रहने से ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि तेज बारिश के साथ ही ओले भी गिर सकते है जिससे किसान चना, गेंहू, अलसी, लखोड़ी सहित अन्य दलहन फसलों को लेकर काफी चिंतित नजर आ रहे है, अगर तेज बारिश के साथ ओले गिरते है तो फसल को काफी नुकसान हो सकता है। वहीं मौसम में आये परिवर्तन व बारिश होने से ठंडी हवाये चलने से मौसम में ठंडक घुल गई है जिससे दिन में लग रही गर्मी से कुछ राहत मिली है। किसानों ने बताया कि मौसम खराब एवं बारिश होने से चना, अलसी, लखोड़ी की फसल गीली हो चुकी है। साथ ही यह बारिश गेंहू की फसल के लिए लाभदायक है। वहीं तेज बारिश व ओले गिरते है तो काफी नुकसान हो सकता है क्योंकि फसल पककर तैयार हो चुकी है एवं कुछ लोगों ने कटाई भी शुरू कर दिया है परन्तु अचानक बारिश होने से फसल खराब होने की चिंता किसानों को सता रही है। साथ ही मौसम परिवर्तन होने से हरी सब्जियों को भी काफी नुकसान है।

कीटनाशक के प्रभाव से बेनीराम बिसेन बीमार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम बोटेझरी निवासी ४२ वर्षीय व्यक्ति २३ फरवरी को कीटनाशक के प्रभाव से बीमार हो गया। यह उसे समय हुआ जब बेनीराम बिसेन अपने घर में कीटनाशक दवा के छिड़काव का घोल तैयार कर रहा था जिसका उपचार सिविल अस्पताल में जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में रबि फसल का दौर चल रहा है क्षेत्र में लोगों के द्वारा खेतों में धान गेहूं चना सरसों की फसल लगाई गई है। जिसमें लगातार अच्छी उपज की आशा को लेकर कीटनाशक दवा रासायनिक खाद का समय समय पर छिड़काव किसानों के द्वारा किया जा रहा है। ऐसे ही किसान बेनीराम पिता नीलमचंद बिसेन बोटेझरी ४२ वर्ष के द्वारा फसल में दवा का छिड़काव किया जाना था। जिसके लिए वह घर में रखी दवा को खोलकर नियम अनुसार पानी में उसे घोलने की प्रक्रिया की जा रही थी ताकि वह अगले दिन खेतों में जाकर उपज पर दवा का छिड़काव कर सके। परंतु यह दवा का घोल बनाने के दौरान अचानक उसे अपने स्वास्थ्य में बदलाव होता महसूस हुआ जिसकी जानकारी उसके द्वारा तत्काल अपने घर के लोगों को दी गई। जिनके द्वारा तत्काल उसे शासकीय सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया। जहां पर डॉक्टर के द्वारा जांच करने के उपरांत आवश्यक उपचार प्रारंभ कर दिया गया है।

क्षेत्र में रबी फसल की रोपाई कार्य में जुटे किसान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में रबी सीजन में लगने वाले धान की फसल के रोपाई कार्य में किसान जुट गये है और यह कार्य युध्द स्तर पर जारी है। आपकों बता दे कि लालबर्रा, खमरिया सहित ग्रामीण अंचलों में खरीफ सीजन की फसल की कटाई एवं गहानी कार्य पूर्ण होने के बाद जिन किसानों के पास सिंचाई के लिए पानी का साधन है। ऐसे किसानों के द्वारा रबी सीजन में धान की फसल लगाने का कार्य किया जा रहा है और वर्तमान में किसानों के खेत में रोपाई कार्य जारी है। जिससे ग्राम की महिला मजदूरों को रोजगार भी मिल रहा है परन्तु बार-बार मौसम परिवर्तन होने से कृषि कार्य करने वाले किसानों को कुछ परेशानी हो रही है। साथ ही अधिक ठंड लगने से फसल पर भी विपरित प्रभाव पड़ सकता है क्योंकि रबी सीजन में लगने वाली धान की फसल के लिए मौसम साफ रहना चाहिए। जिससे फसल में बीमारी नही लगती है और किसान फसल का उत्पादन अधिक ले सकता है।

घंटो इंतजार के बाद भी बैरंग वापस लौटे सैकडों आवेदक

मुख्यमंत्री कन्या विवाह की आवेदन प्रक्रिया पूर्ण, 100 फांर्म जमा

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

मध्य प्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री कन्या विवाह निकाह योजना अंतर्गत वारासिवनी जनपद पंचायत भवन में २३ फरवरी को आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ की गई। यह प्रक्रिया सुबह १० बजे प्रारंभ की गई जो महज २ घंटे के भीतर यानी दोपहर १२ बजे तक पूर्ण हो गई। जहाँ प्रक्रिया समाप्त होने की घोषणा के बाद जिले के विभिन्न जनपद क्षेत्र से पहुंचे सैकड़ो आवेदकों को बैरंग लौटना पड़ा। जिनके द्वारा उक्त प्रक्रिया पर निराशा जाहिर करते हुए आक्रोश व्यक्त किया गया। वहीं शासन के १०० जोड़े के विवाह पर भी प्रश्न चिन्ह लगाया गया। हालांकि प्रक्रिया समाप्त होने की बात बोलने के बाद भी सैकड़ो लोग जनपद के दरवाजों पर और फिर कार्यालय में आशा के साथ उपस्थित रहे। अंततः उन्हें भी निराश होकर वापस लौटना पड़ा।

शासन के आदेश से लोग हुए परेशान

मध्य प्रदेश शासन के द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह निकाय योजना अंतर्गत १ दिन में २०० अधिकतम विवाह करवाने का आदेश जारी किया गया है। जबकि एक पंचायत से पांच जोड़ भी आते हैं तो वारासिवनी जनपद के ही ६० पंचायत के ३०० जोड़े होते हैं। पिछली बार इस योजना अंतर्गत वारासिवनी जनपद में ३८१ जोड़ों का विवाह संपन्न करवाया गया था। परंतु इस बार १०० जोड़े का लक्ष्य दे दिया गया क्योंकि १९ मार्च को वारासिवनी बालाघाट दोनों जगह विवाह होना है। तो दोनों जनपद में १००-१०० जोड़े की मंजूरी जिला प्रशासन के द्वारा दी गई है जो शासन के आदेश अनुसार एक दिन में २०० विवाह अधिकतम का पालन है। परंतु इस शासन के आदेश के कारण सैकड़ो लोगों को भीषण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गरीब बेटे और बेटियां जो स्वयं के खर्चे से विवाह करने में असमर्थ है उन्हें दर.दर भटकना पड़ रहा है। ऐसे में क्षेत्रवासियों के द्वारा इस लक्ष्य को समाप्त कर पूर्व की तरह विवाह करवाने यह लक्ष्य को बढ़ाए जाने की मांग की जा रही है।

जिले से पहुंचे युवक युवती लगी रही भीड़

वारासिवनी जनपद पंचायत में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की आवेदन प्रक्रिया २३ फरवरी को प्रारंभ होते ही २ घंटे के भीतर ही समाप्त हो गई। इस दौरान देखने में आया कि स्थानीय वारासिवनी जनपद क्षेत्र के अलावा खैरलांजी ,लालबर्रा ,कटंगी ,बालाघाट ,परसवाड़ा ,किरनापुर एवं लांजी जनपद क्षेत्र के भी युवक युवती आवेदन जमा करने के लिए उपस्थित हुए। इसमें वह स्वयं या परिजनों के साथ सुबह ५ बजे से जनपद परिसर में पहुंच गए जहां सुबह १० बजे आवेदन जमा करने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। तब तक सैकड़ो की संख्या में लोगों की भीड़ लग चुकी थी जहां सबसे पहले पूरी जनपद पंचायत को अभेद किला बनाने के लिए सभी दरवाजे बंद करवा दिए गए। मुख्य दरवाजे से पुलिस की उपस्थिति में पहले आओ पहले पाओ के तहत आवेदन लेने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई और २ घंटे के भीतर लक्ष्य के अनुसार आवेदनों की जांच कर जमा कर लिया गया। तत्पश्चात दरवाजा बंद कर लोगों को लौट जाने के लिए कहा गया। परंतु उनका फॉर्म जमा होगा इस विश्वास के साथ करीब २ घंटे तक और लोग दरवाजे के पास खड़े रहे इसके बाद दरवाजा खोल दिया गया। वहीं लोगों को प्रक्रिया समाप्त होने की हर अधिकारी के द्वारा जानकारी दी जाती रही जिसमें आवेदक एक टेबल से दूसरे टेबल घूमते नजर आए।

अब सरकार भी गरीबों का मसीहा बनने से कर रही कुरेज

गरीब परिवार, बेटा बेटी का विवाह करने में असमर्थ परिवार एवं अनाथ बेटा बेटी के नाथ के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह निकाह योजना लागू की थी। परंतु गरीबों के मसीहा के रूप में दम भरने वाली सरकार भी अब गरीबों को उनकी गरीबी पर छोड़ योजना के नाम पर इतिश्री करने के मार्ग पर चलने लगी है। जो अपने उद्देश्य की खानापूर्ति करती हुई नजर आ रही है इसका सबसे बड़ा उदाहरण सोमवार को वारासिवनी जनपद परिसर में देखने मिला। जहां आंखों में शासन की योजना का लाभ लेने की चमक लेकर पहुंचे गरीब अनाथ एवं दिव्यांग युवक युवती को आँखों में निराशा चेहरे पर मायूसी लेकर वापस लौटना पड़ा। उन्हें घंटों खाली पेट चिलचिलाती धूप में पानी के सहारे खड़े रहने के बाद प्रक्रिया प्रारंभ होने के २ घंटे बाद प्रक्रिया पूर्ण होने की बात कहते हुए आवेदन लेना बंद कर दिया गया। हालांकि इसके बाद भी वह कुछ देर तक आशा भरी निगाहों से टेबलों की खाक छानते रहे परंतु उन्हें हर जगह प्रक्रिया समाप्त होने का जवाब मिला। जिससे उन्हें निराश होकर बैरंग लौटना पड़ा। इससे और एक दिन में लक्ष्य निर्धारित करने वाले आदेश से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि सरकार भी अब गरीबों से हाथ खींचने लगी है।

सभी आवेदक निराश होकर बैरंग लोटे है-योगेश्वरी लिल्हारे

आवेदक योगेश्वरी लिल्हारे ने बताया कि मैं गुडरु खगड़िया की रहने वाली हूं यह चांगोटोला में आता है नैनपुर के तरफ है। सुबह से हम लोग आए थे फॉर्म भरने परंतु जमा नहीं हुआ १०० फॉर्म हो गए कहते हैं अब घर जाओ। मैं और मेरी बहन शादी का फॉर्म जमा करने के लिए आए हुए थे यह जो हुआ वह निराशाजनक है अच्छा नहीं लग रहा है। पिछली बार १ दिन में ९०० शादियां होती थी अब २०० पर ला दिए हैं यह ठीक नहीं है लक्ष्य को बढ़ाना चाहिए।

सेंटिंग के तहत कर्मचारियों ने लिया है फार्म-ओमप्रकाश मेश्राम

पूर्व सरपंच ओमप्रकाश मेश्राम ने बताया कि जनपद ने पंचायत स्तर पर लक्ष्य की कोई जानकारी नहीं दी और कुछ लोगों ने पीछे के रास्ते से भी फॉर्म भरे हैं। यहां इतनी जनता खड़ी है अब फॉर्म की जांच होगी परंतु सुबह से लोग जो खड़े थे उन्हें जानकारी देना था। इन्होंने दुनिया भर के काम छोड़कर फॉर्म भरने आए थे आज लोगों का रुपया और समय दोनों बर्बाद हुआ। अंदर सेटिंग भी हुई एक दिन में २०० का टारगेट है बालाघाट और वारासिवनी दोनों को एक दिन में शादी करना है तो इसकी लोगों को जानकारी देना था।

गरीबो के साथ हो रहे अन्याय को विधायक ने विधानसभा सत्र में उठाना चाहिये-मनोज साहू

मनोज साहू ने बताया कि यह लक्ष्य अनुचित है खैरलांजी में २०० विवाह हुए कटंगी ,लालबर्रा में २००-२०० विवाह होंगे तो वारासिवनी में १०० विवाह क्यों होना चाहिए। ६० ग्राम पंचायत है १ से भी ५ जोड़ आएंगे तो ३०० होते हैं मेरा विधायक से कहना हैं कि वह इस मुद्दे को विधानसभा सत्र में उठाएं। अभी ५ मार्च तक सत्र है वारासिवनी की आवाज उठायें १०० जोड़े हमें क्यों दिए गए ऐसा भेदभाव क्यों हो रहा है। जिसकी विवाह करने की स्थिति नहीं है वह यहां लाइन में लगा है विकलांगों को अंदर तक जाने नहीं मिला कोई व्यवस्था नहीं थी। इसे २०० का आंकड़ा किया जायें या एक पंचायत से पांच जोडे लिये जायें।

किसी के साथ आवेदन लेने में भेदभाव नही किया है-दिव्या गनवीर

सामाजिक सुरक्षा अधिकारी दिव्या गनवीर ने बताया कि २३ फरवरी से मुख्यमंत्री कन्या विवाह निकाह योजना अंतर्गत फार्म लेने की प्रक्रिया प्रारंभ होनी थी। यह प्रक्रिया सुबह १० बजे से प्रारंभ की गई जिसमे पहले ही दिन बड़ी संख्या में लोग आए तो २ घंटे में १०० फॉर्म जमा हो गए जो हमारा लक्ष्य था। हमने केवल १०० फॉर्म लिए हैं इसमें कोई फॉर्म रिजेक्ट नहीं होगा क्योंकि सभी फॉर्म चेक करके लिए गए हैं। अब जो चूक गए हैं वह जिले के विभिन्न स्थानों पर योजना अंतर्गत सामूहिक विवाह आयोजित होने वाले हैं वहां पर वह आवेदन देकर भाग ले सकते हैं।

सड़क दुर्घटना में घायल बच्चे को अस्पताल पहुँचाने वाले कर्मियों का हुआ सम्मान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी पुलिस थाने में २३ फरवरी को सड़क दुर्घटना में घायल बच्चे को तत्परता से अस्पताल पहुंचने वाले संजीवनी १०८ के कर्मियों डॉ.गौरी शंकर पटले तथा प्रवीण कावरे का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम थाना प्रभारी दीपक गौतम की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें डॉ.गौरी शंकर पटले तथा प्रवीण कावरे का शाल श्रीफल एवं पुष्प माला से थाना प्रभारी के द्वारा सम्मान कर समस्त स्टाफ के द्वारा उनकी प्रशंसा की गई। विदित हो कि थाना खैरलांजी अंतर्गत ग्राम सावरगांव निवासी १० वर्षीय बालक प्रिंस बिसेन २१ फरवरी को कक्षा ५वीं की परीक्षा देने स्कूल जा रहा था। इसी दौरान वह सड़क दुर्घटना का शिकार होने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर उपस्थित लोगों के द्वारा संजीवनी १०८ को सूचना दी गई इसके बाद संजीवनी १०८ एम्बुलेंस ने तत्काल मौके पर पहुँचकर बालक को तत्परता के साथ अस्पताल पुहँचाया। जिसकी जानकारी लगते ही पुलिस प्रशासन के द्वारा घटना के संबंध में आवश्यक कार्यवाही तो की गई। परंतु संजीवनी १०८ की तत्परता को देखते हुए सोमवार को थाना खैरलांजी में थाना प्रभारी दीपक गौतम के द्वारा उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य के लिए १०८ एम्बुलेंस सेवा में पदस्थ डॉ.गौरी शंकर पटले तथा प्रवीण कावरे को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनों ने संजीवनी १०८ टीम की तत्परता, सेवा भावना एवं कर्तव्यनिष्ठा की प्रशंसा की। इसमें थाना प्रभारी दीपक गौतम ने बताया कि राहगीर योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर एक घंटे के भीतर में अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को मध्य प्रदेश शासन के द्वारा २५००० रूपये की प्रोत्साहन राशि और प्रशस्ति.पत्र दिया जाता है। यह कार्य संजीवनी १०८ के माध्यम से किया गया है जिनका विधिवत सम्मान कर वरिष्ठ कार्यालय को जानकारी भेज दी गई है। इस अवसर पर थाना स्टाफमौजूद रहा।

नगर में बन रहा विशाल स्वीमिंग पूल निर्माण कार्य का प्रदीप जायसवाल ने किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में बन रहे स्विमिंग पूल निर्माण कार्य का पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने निरिक्षण किया। साथ ही कार्य एंजेसी से चर्चा कर कार्य को गुणवत्तापूर्वक समय सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश भी प्रदान किये। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की मुख्यमंत्री शहरी अधोसरंचना चतुर्थ चरण में यह कार्य लगभग एक करोड़ की राशि से कराया जा रहा है। २५ मीटर बाय १३ मीटर के इस सर्वसुविधायुक्त स्विमिंग पूल में शावर, बैठने की पर्याप्त व्यवस्था के साथ ट्रीटमेंट प्लांट वाटर की सुविधा मुहैया करायी जा रही है। इस कार्य की समयावधि ६ माह निर्धारित कर दी गयी है। श्री जायसवाल ने बताया की पूर्ण रूप से खेलो के राष्ट्रीय मापदंडो के अनुरूप बनने वाले स्वींमीग पूल के लिये जिला स्तर पर जिला तैराकी संघ के अध्यक्ष महेन्द्र सुराना एवं भोपाल से कंसलटेंट एंजेसी जिसे स्वींमिंग पूल बनाने का लंबा अनुभव है, उनसे से भी समय समय पर पूर्ण रूप से मार्गदर्शन लिया जा रहा है। साथ ही स्वीमिंग पूल के पानी एवं उसके रखरखाव हेतू फील्डर प्लांट, ड्रेनेज सिस्टम भी अत्याधुनिक मशीनो के द्वारा किया जायेगा। श्री जायसवाल ने बताया की स्वीमिंग पुल में बच्चो एवं बडो की लंबाई के अनुसार दो हिस्सो में गहराईया अलग अलग रखी गयी है। चुकी यह ओलपिंक के मापदंडो के अनुसार बनाया जा रहा है। यहा आने वाली पीढि को प्रशिक्षित तैराक बनाकर प्रदेश एवं देश में वारासिवनी का परचम लहराने के लिये नपा परिषद द्रढ संकल्पित नजर आ रही है। इस दौरान बाबी परिहार, सुनील बंटी पारधी, अनिश मिश्रा ने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल को बताया की वर्तमान में लगभग २५ प्रतिशत कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कार्य में ग्राउंड स्लैब के कार्य को पूर्ण किया जा चुका है और पूर्ण कार्य समय सीमा के भीतर ही संपन्न कर दिया जायेगा।

कैरम प्रतियोगिता के सिंगल गेम में राहुल अरोरा और डबल गेम मल्लू सोहने पार्टनर टीम रही विजेता

विजेता और उपविजेताओं को विधायक पटेल के हस्ते किया सम्मानित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के गांधी चौक में स्व. पन्ना धार्मिक और रामू रजक की स्मृति में चार दिवसीय कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसका फाइनल रविवार को सिंगल गेंम में राहुल अरोरा और गोलू कुरैशी ,वहीं डबल गेम में सुदेश धार्मिक और मल्लू सोहने के बीच खेला गया। सिंगल गेम में राहुल अरोरा तो वहीं डबल डेम में मल्लू सोहने पार्टनर टीम इस टूर्नामेंट में विजेता रही। कैरम प्रतियोगिता में पांच जिलों की लगभग ८० से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया था। कैरम प्रतियोगिता के फाइनल में विधायक विवेक पटेल मौजूद रहे। जिन्होंने विजेता और उपविजेता दोनों ही प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। इस टूर्नामेंट में अंपायर की भूमिका सोनू हेड़ाऊ और जाहिद भाई ने निभाई। पूरे आयोजन के दौरान खेल भावना उत्साह का माहौल बना रहा। स्थानीय खेल प्रेमियों ने भी बड़ी संख्या में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान सुदेश गुड्डु सोनी,राजकुमार चौधरी,मन्नू सोहने,प्रमेंद्र हेड़ाऊ, सुदेश धार्मिक, गुड्डु पटले, गोलू कुरैशी,अब्बू कुरैशी,सोनू हेड़ाऊ,संजय रजक,शाकिर भाई,रवि गोखले सहित खेलप्रेमी मौजूद रहे। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि विधायक बनने के बाद पहली बार कैरम प्रतियोगिता में पहुंचने का अवसर प्राप्त हुआ। आज कल के युवा सबसे ज्यादा क्रिकेट टूर्नामेंट को खेलना पसंद करते है। मगर कैरम खेलने से मनुष्य का दिमाग भी तेज होता है। खेल कोई भी हो हर व्यक्ति को खेलना चाहिए। खेल के माध्यम से युवाओं को नौकरी भी मिल रही है। खेल अनुशासन टीमवर्क और सकारात्मक ऊर्जा को जीवन में उतारने के लिए प्रोत्साहित किया।

अयोध्या बस्ती में हिमांशु पाण्डे ने घायल बाज का रेस्क्यू किया

परिजनों ने वन विभाग को सौंपा बाज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर ९ अयोध्या बस्ती में २२ फरवरी की सुबह हिमांशु पांडे के द्वारा घायल शिकारी पक्षी बाज का रेस्क्यू कर परिजनों के साथ वन विभाग को सौंपा गया। पक्षी का वन विभाग कार्यालय में उपचार जारी है। जिसके स्वस्थ होते ही उसके प्राकृतिक आवास में उसे छोड़ दिया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार नंदकिशोर पाण्डे वार्ड नं. ९अयोध्या बस्ती निवासी के पुत्र हिमांशु पाण्डे मोहल्ले में खेल रहे थे। तभी उन्होंने देखा कि एक पक्षी विद्युत तार से टकराकर नीचे गिर गया है जो फड़फड़ा रहा है किंतु उड़ नहीं पा रहा है। यह देख हिमांशु पक्षी के पास गया तो वह शिकारी पक्षी बाज था। जिसे हिमांशु के द्वारा सुरक्षित कपड़े के माध्यम से पकड़ कर अपने घर में लाकर परिजनों को घटना की सूचना दी गई। जिस पर उसके पिता नंदकिशोर पांडे के द्वारा तत्काल घटना की जानकारी वन विभाग को देखकर बुलाया गया। सूचना पर वन विभाग श्री पांडे के घर पहुंचा जहां घायल अवस्था में शिकारी पक्षी बाज को देख वन कर्मियों के द्वारा उसे तत्काल दक्षिण सामान्य वन मंडल वन परिक्षेत्र कार्यालय वारासिवनी लाया गया। जहां पर उसका विधिवत उपचार किया जा रहा है ,इसमें बताया जा रहा है कि बाज के पंखों में चोट आई है जिसके कारण वह उड़ने में असमर्थ है। उसके ठीक होते ही उसे प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया जायेगा।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

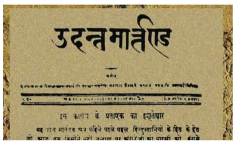

इसमें कोई दोराय नहीं कि किसी भी तरह के अन्याय के बाद न्याय के लिए न्यायपालिका ही उम्मीद का ठौर होती है। अदालतों में बैठे न्यायाधीश यह सुनिश्चित करते हैं कि पीड़ित पक्ष के साथ इंसाफ हो। मगर कई बार ऐसे मामले भी चर्चा और चिंता का कारण बने हैं, जिनमें महिलाओं के खिलाफ अपराधों से जुड़े मुकदमों में किसी जज की टिप्पणी या उनके फैसले को न्याय की अवधारणा पर पूर्वाग्रह हावी होने के तौर पर देखा गया। इस क्रम में कानूनी प्रावधानों की व्याख्या करते हुए जो कहा गया, उसमें संवेदनशीलता का अभाव नजर आया। शायद यही वजह है कि पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट को जजों के दृष्टिकोण में जरूरी संवेदनशीलता विकसित करने के लिए अलग से प्रयास करने पर जोर देना पड़ा।

न्याय का विवेक और संवेदना

शीर्ष अदालत की पीठ ने स्पष्ट रूप से कहा कि न्यायपालिका के सदस्यों के दृष्टिकोण के साथ ही अदालती प्रक्रियाओं में अंतर्निहित संवेदनशीलता और विवेक विकसित करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है।

हालांकि समय-समय पर शीर्ष अदालत की ओर से न्यायाधीशों के दृष्टिकोण पर रूढ़िवादी सोच हावी होने से उपजे सवालों से निपटने के लिए कदम उठाए गए हैं। वर्ष 2023 में एक पुस्तिका भी इस उद्देश्य से तैयार की गई थी कि न्यायाधीश पितृसत्तात्मक भाषा को पहचान कर उससे बच सकें। मगर इस सबका कोई ठोस असर सामने नहीं आ सका है। इसी के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने अब राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी को यौन हिंसा और अन्य अपराधों के संदर्भ में न्यायाधीशों तथा न्यायिक प्रक्रिया के भीतर संवेदनशीलता एवं करुणा विकसित करने के उद्देश्य से दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने को कहा है। जाहिर है, शीर्ष अदालत का निर्देश यह सुनिश्चित करने के मकसद से है कि जज महिलाओं के विरुद्ध अपराधों और खासतौर पर यौन हिंसा के मामलों में पूरी संवेदनशीलता के साथ सुनवाई करें, उनके फैसलों पर सामाजिक भेदभाव या पूर्वाग्रहों पर बनी धारणाओं की छाया नहीं दिखे। निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट की इस पहल में एक ऐसी समस्या की पहचान कर उसे रेखांकित किया गया है, जिसकी आमतौर पर अनदेखी की जाती है, लेकिन कई फैसलों पर उसका असर देखा जाता है।

दरअसल, महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा से जुड़े मामलों में कई बार सामाजिक धारणाओं पर पितृसत्तात्मक सोच से संचालित मानसिकता हावी होती है। जबकि अदालतों में न्यायाधीशों से यह उम्मीद की जाती है कि वे इस तरह के पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर कानून की व्याख्या करते हुए समाज में प्रचलित आम मानसिकता, उसके आधार पर बनने वाली धारणाएं और उसमें महिलाओं की वास्तविक स्थिति को ध्यान में रखेंगे। साथ ही वे मामले में फैसला देते हुए निरपेक्ष रह कर जरूरी संवेदनशीलता और करुणा का सहारा लेंगे। विडंबना यह है कि देश में निचली अदालतों में महिलाओं के खिलाफ होने वाले जघन्य अपराधों और बलात्कार के मामलों में भी कुछ जज सामाजिक हकीकतों की अनदेखी करते हुए कानून के प्रावधानों की व्याख्या इस तरह करते हैं कि उससे आरोप हल्के हो जाते हैं और पीड़ित महिला के न्याय पाने की राह ज्यादा मुश्किल हो जाती है। इसलिए जरूरत है कि न्यायाधीशों के दृष्टिकोण में संवेदना और करुणा विकसित करने के लिए लैंगिक संवेदनशीलता पर केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने के साथ-साथ न्यायपालिका में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने पर जोर दिया जाए।

बुद्धिजीवियों के लिए 10 सबक

-रामचंद्र गुहा

वरिष्ठ विद्वान आंद्रे बेते और माधव गाडगिल के विचारों से मैं बहुत प्रभावित रहा हूं। उन पर चिंतन करते हुए मुझे उनके उन 10 विशेषताओं की याद आती है, जिन्होंने उनकी बौद्धिक दृष्टि और शोध प्रक्रिया को एक सूत्र में बांधा।

र्मिक या आध्यात्मिक शिक्षा की तलाश में रहने 4 वालों को गुरु की आवश्यकता पड़ सकती है-ऐसा गुरु, जो उन्हें उस मार्ग पर चलने की शिक्षा दे, जिसे वे सही मानते हैं। शिष्य से उम्मीद की जाती है कि वह गुरु की बात का आंख मूंदकर विश्वास करे, लेकिन जो लोग विद्वान बनना चाहते हैं, उन्हें किसी गुरु की तलाश करने की आवश्यकता नहीं है। आलोचनात्मक चिंतन और मौलिक शोध करने के लिए मन का स्वतंत्र होना जरूरी है। सिद्धांतों और पद्धतियों का अनुसरण करना है या नहीं, यह व्यक्ति को खुद तय करना चाहिए, न कि किसी और को।

दुर्भाग्य से भारत में आध्यात्मिक साधना और बौद्धिक खोज के इस महत्वपूर्ण फर्क को नजरअंदाज कर दिया जाता है। हमारे देश की अकादमिक संस्कृति गहराई तक सामंती प्रवृत्तियों से प्रभावित है, जहां उम्र और पद में वरिष्ठ लोग खुद को गुरु की भूमिका में देखने लगते हैं और बदले में अनुसरण तथा श्रद्धा की उम्मीद करते हैं। यह बौद्धिक सामंतवाद विज्ञान और मानविकी दोनों जगहों पर दिखाई पड़ता है। मार्क्सवाद सामाजिक पदानुक्रम का विरोध करता है, पर व्यवहार में कोलकाता के मार्क्सवादी प्रोफेसर अपने जूनियर से पदानुक्रम ढोने की उतनी ही उम्मीद करते हैं, जितने वाराणसी के रूढ़िवादी हिंदू विचारधारा वाले प्रोफेसर।

मेरा मानना है कि युवा शोधकर्ताओं को किसी एक गुरु की तलाश नहीं करनी चाहिए। उन्हें वरिष्ठ विद्वानों के साथ संवाद करना चाहिए। विद्वानों के अनुभव से शोधकर्ताओं को दिशा, संकेत और आलोचनात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है, जिससे शोध बेहतर होगा। वे मार्गदर्शक, सलाहकार और कुछ समय के लिए मेंटर हो सकते हैं, लेकिन गुरु नहीं। वरिष्ठों की बात ध्यान से सुनते हुए भी अंतिम निर्णय स्वयं शोधकर्ता को ही लेना होता है कि वह किस विषय पर और किस पद्धति से काम करेगा।

मेरे ये विचार उन दो वरिष्ठ विद्वानों के हाल में हुए निधन से प्रेरित हैं, जिन्होंने मेरी युवावस्था में मुझ पर गहरा प्रभाव डाला। ये दो व्यक्ति हैं- पर्यावरणविद माधव गाडगिल (जिनका 7 जनवरी को पुणे में 83 वर्ष की आयु में निधन हुआ) और समाजशास्त्री आंद्रे बेते। बेते का 3 फरवरी को दिल्ली में 91 वर्ष की आयु में निधन हुआ। मैं गाडगिल से पहली बार 1982 में मिला, जब मेरी उम्र 24 वर्ष थी और वह चालीस के थे। बेते से मेरी पहली मुलाकात 1988 में हुई, जब मैं 30 वर्ष का हुआ ही था और वह 50 के मध्य दशक में थे। हमारी आयु में काफी अंतर होने के बावजूद दोनों से मेरी दोस्ती जल्दी हो गई। हमारी अधिकांश बातचीत समाज, राजनीति, संस्कृति, इतिहास, पर्यावरण, भारत और विश्व से जुड़े प्रश्नों पर केंद्रित रहती थी। पारिवारिक बातें कभी-कभार किया करते थे।

पहली नजर में माधव गाडगिल और आंद्रे बेते के बीच बहुत अंतर दिखाई देता है। गाडगिल वैज्ञानिक थे, जबकि बेते नहीं। गाडगिल का पालन-पोषण पुणे में हुआ और उन्होंने अंग्रेजी सीखने से बहुत पहले मराठी बोलना शुरू कर दिया था। बेते के पिता फ्रांसीसी थे, लेकिन वह अपनी मां के बंगाली परिवार से अधिक जुड़ाव महसूस करते थे। उनका बचपन चंदन नगर में बीता और शिक्षा कोलकाता में हुई। स्कूल और कॉलेज में वह अंग्रेजी बोलते थे, जबकि मित्रों के साथ सड़क पर बंगाली। आंद्रे बेते ने अपनी

डॉक्टरेट की उपाधि भारत से प्राप्त की, जबकि गाडगिल ने अमेरिका से। गाडगिल का अधिकांश पेशेवर जीवन बंगलूरू में बीता, जबकि बेते का दिल्ली में। गाडगिल और बेते कभी आपस में

नहीं मिले। मेरे माध्यम से वे एक-दूसरे को जानते थे। उनके संपूर्ण जीवन और काम पर नजर डालें तो कई उल्लेखनीय समानताएं दिखाई देती हैं। आगे मैं उन 10 विशेषताओं का उल्लेख करूंगा, जिन्होंने उनकी बौद्धिक दृष्टि और शोध प्रक्रिया को एक सूत्र में बांधा।

पहली, दोनों की विद्वत्ता बहुमुखी थी। बेते समाजशास्त्री होते हुए इतिहासकारों, अर्थशास्त्रियों और विधि विशेषज्ञों से संवाद करते थे। गाडगिल पर्यावरण वैज्ञानिक होते हुए विज्ञान और मानविकी की सीमाओं को पार कर मानवशास्त्रियों और इतिहासकारों के साथ मिलकर शोध करते थे।

दूसरी, दोनों ने अपने कार्य में सिद्धांत और अनुभव को अनुसंधान के साथ रखा। रोचक तथ्य यह है कि आंद्रे बेते ने शुरुआत नृवंशविज्ञानी के रूप में की, पर बाद में तुलनात्मक समाजशास्त्र की ओर मुड़े, वहीं गाडगिल ने पारिस्थितिकी के अधिक सैद्धांतिक अध्ययन से शुरुआत की और बाद में प्रकृति के साथ मनुष्य के विविध संबंधों पर क्षेत्रीय अध्ययन किए।

तीसरी, दोनों में शिक्षण और संस्थान निर्माण के प्रति गहरी प्रतिबद्धता थी। दोनों ने एक ही संस्थान में 30 से अधिक वर्ष बिताए आंद्रे बेते का विशेष लगाव दिल्ली विश्वविद्यालय (विशेषकर समाजशास्त्र विभाग) से था, जबकि गाडगिल का भारतीय विज्ञान संस्थान (विशेषकर पारिस्थितिकी विज्ञान केंद्र) से।

चौथी, दोनों अकादमिक जगत से बाहर व्यापक समाज से भी सक्रिय रूप से जुड़े रहे। उन्होंने ऐसी अकादमिक पुस्तकें और शोध पत्र लिखे, जिन्होंने बौद्धिक प्रवृत्तियों को दिशा दी, साथ ही अखबारों में भी नियमित रूप से लेख लिखकर अपने शोध के निष्कर्ष आम नागरिकों तक पहुंचाए।

पांचवीं, दोनों की बौद्धिक दृष्टि अपने मूल प्रांत से बाहर जाकर काम करने के कारण और व्यापक हुई, क्योंकि आंद्रे बेते ने कोलकाता के बजाय दिल्ली में काम किया, जबकि गाडगिल ने पुणे के बजाय बंगलूरू में। इसलिए उनकी दृष्टि उन भारतीय बुद्धिजीवियों से अधिक विशाल थी, जो जीवन भर अपने ही राज्य तक सीमित रहते हैं। आंद्रे बेते का सबसे गहन क्षेत्रीय अध्ययन तमिलनाडु में हुआ, जबकि गाडगिल का कर्नाटक और केरल में, अर्थात अपने-अपने मूल राज्यों से बाहर। फिर भी दोनों ने अपनी जन्मभूमि से संबंध कभी नहीं तोड़ा। छठी, दोनों भारत के बाहर की दुनिया के प्रति भी जिज्ञासु थे। वे विभिन्न देशों के विद्वानों से संवाद करने और उनके कार्य को गंभीरता से पढ़ने के इच्छुक रहते थे।

सातवीं, मानसिक रूप से संकीर्णता से पूरी तरह मुक्त होने के बावजूद दोनों ने भारत में रहकर ही काम करना और बौद्धिक जीवन में योगदान देना चुना। गाडगिल ने हॉर्वर्ड यूनिवर्सिटी की नौकरी छोड़कर स्वदेश लौटने का निर्णय लिया, जबकि आंद्रे बेते ने यूनिवर्सिटी ऑफ कैंब्रिज और यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में प्रोफेसर पद के प्रस्ताव अस्वीकार कर दिल्ली में ही बने रहना उचित समझा।

आठवीं, दोनों देशभक्त थे, पर उन्होंने कभी भी अपने भारत प्रेम का प्रदर्शन नहीं किया।

नौवीं, उनकी देशभक्ति अंधभक्ति नहीं थी। वे आयरिश विद्वान बेनेडिक्ट एंडरसन के इस कथन से सहमत होते कि 'कोई भी व्यक्ति सच्चा राष्ट्रवादी नहीं हो सकता, यदि वह राज्य या सरकार द्वारा किए गए अपराधों, यहां तक कि अपने ही नागरिकों के विरुद्ध अपराधों पर लज्जा महसूस करने में असमर्थ हो।'

दसवीं, अनेक समकालीन प्रोफेसरों के विपरीत न तो आंद्रे बेते और न ही गाडगिल गुरु बनना चाहते थे। वे समझते थे कि जहां वरिष्ठ विद्वान अपने अनुभव और ज्ञान का लाभ दे सकते हैं, वहीं युवा विद्वानों के उत्साह और बौद्धिक जोखिम उठाने की प्रवृत्ति से वे स्वयं भी सीख सकते हैं। यह उनके उदार दृष्टिकोण का हिस्सा था- राजनीतिक और बौद्धिक दोनों ही स्तरों पर वे कठोर नहीं थे, किसी एक विचारधारा से बंधे नहीं थे, बल्कि भारत और विश्व को समझने के लिए खुले मन से प्रयासरत थे।

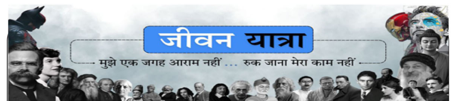

-जेम्स ऐलन (महान चिंतक)

इस ब्रह्मांड में सब कुछ पहले से ही तय है। जो मनुष्य इस सत्य को आत्मसात कर लेता है और उसी अनुसार चलता है, उसे चिरस्थायी सफलता मिलती है। वह जो कुछ रचनात्मक कार्य करता है, वह कभी नष्ट नहीं होता।

सब कुछ पहले से तय है

मनुष्य के छोटे-से-छोटे विचार, वचन अथवा कर्म से लेकर आकाशीय शक्ति पुंजों पर इसी विधान की सर्वोच्च सत्ता है। इसमें एक क्षण के लिए भी किसी की मनमानी नहीं चल सकती, क्योंकि इस तरह की स्वेच्छाचारिता का अर्थ इस विधान की अस्वीकृति अथवा उसे नकारना ही है। अत: जीवन की प्रत्येक दशा एक श्रृंखला से बंधी हुई है, इस प्रकार हरेक दशा का रहस्य अथवा कारण उसी के अंदर निहित है। मनुष्य जैसा बोएगा, वैसा काटेगा। यह विधान समय के भाल पर स्वर्णाक्षरों में लिखा है। कोई इसे नकार नहीं सकता, इसे झुठला नहीं सकता और न ही इससे बचकर निकल सकता है। यदि कोई अपना हाथ आग पर रखेगा, तो वह जलेगा ही, जब तक कि आग स्वयं बुझ नहीं जाती। उससे होने वाली पीड़ा को न तो मनुष्य की कराहें और न ही प्रार्थनाएं दूर कर सकेंगी। ठीक वही नियम मन की दुनिया पर भी लागू होता है। घृणा, क्रोध, ईर्ष्या, स्पर्धा, काम व लोभ ये सभी अग्नियां हैं, जो जलाती हैं। जो कोई इनका केवल स्पर्श मात्र करता है, उसे भी जलने की यातना को सहना पड़ेगा। मन की इन दशाओं को ठीक ही पाप कहा गया है, क्योंकि ये विधान को उखाड़ फेंकने की दिशा में अज्ञानता के कारण, किए गए प्रयत्न हैं और इसलिए ये हमें कष्ट और अनिश्चितता की ओर ले जाते हैं। इस प्रकार हम देर या सवेर, बाहरी संकटों, जैसे दुख और पीड़ा अथवा निराशा से पूर्ण रोगों, असफलताओं एवं दुर्भाग्यों के द्वारा घिर जाते हैं। इस प्रकार विपरीत प्रेम, सद्भावना और पवित्रता, ये गुण आत्मा को सुख पहुंचाते हैं, और ये शाश्वत नियम से संबद्ध होते हैं, इसलिए स्वास्थ्य, शांति, स्थायी सफलता और सौभाग्य के रूप में हमारे सामने आते हैं। सारे विश्व पर छाने वाले इस शाश्वत नियम को अच्छी तरह समझ लेने से मन उस अवस्था को प्राप्त होता है, जिसे समर्पण भावना कहते हैं। संसार में न्याय, अनुरूपता और प्रेम सबसे ऊपर है। इससे यह आशय निकलता है कि विपरीत और त्रासदायक दशाएं इस नियम के प्रति अवहेलना का परिणाम हैं। ऐसा ज्ञान हमें बल और शक्ति प्रदान करता है, और इसी की आधारशिला पर ही हम एक सच्चे जीवन, स्थायी सफलता व सुख का निर्माण कर सकते हैं। सभी दिशाओं में अविचल बने रहने और सभी स्थितियों को अपने निखार के लिए आवश्यक मानकर स्वीकार करने का अर्थ है, सभी पीड़ादायक दशाओं से ऊपर उठ जाना और ऐसी विजय, जिसमें पीड़ाएं एवं कष्ट सिर नहीं उठा सकते! जो इस विधान को मानता है, उसके अनुसार चलता है, उसे चिरस्थायी सफलता मिलती है। वह जो कुछ रचनात्मक कार्य करता है, वह कभी नष्ट नहीं होता। समस्त शक्ति अथवा समस्त दुर्बलता का कारण हमारे अंदर विद्यमान है।

- फ्रॉम पॉवर्टी टू पावर के अनूदित अंश

सूत्र - जैसा बोओगे, वैसा काटोगे

'जैसा बोओगे, वैसा काटोगे', यह अटल नियम जीवन के हर क्षण पर लागू होता है। इसलिए अपने विचारों को पवित्र, वचनों को मधुर और कर्मों को श्रेष्ठ बनाएं, क्योंकि भीतर की शुद्धता ही सुख, शांति, स्वास्थ्य और स्थायी सफलता का द्वार खोलती है और समर्पण भाव से सत्य के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति हर परिस्थिति को अवसर में बदल सकता है।

मुद्दा

वस्त्र उद्योग का भविष्य उज्ज्वल है

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वैश्विक टैरिफ को अवैध ठहराए जाने के बाद भी ट्रंप के रुख में बदलाव नहीं आया है और उन्होंने 24 फरवरी से 150 दिनों के लिए 15 प्रतिशत अस्थाई ग्लोबल टैरिफ लगाने का आदेश जारी कर दिया है। हालांकि, इस समयावधि के बाद टैरिफ से जुड़ा एक प्रस्ताव अमेरिकी संसद में लाया जाएगा, फिर वह तय करेगी कि ट्रंप द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए गए व्यापार समझौतों के तहत लगाए गए टैरिफ को बनाए रखना है या नहीं। ट्रंप का कहना है कि संसद से टैरिफ पर प्रस्ताव मंजूर होने के बाद अमेरिका द्वारा भारत समेत अन्य देशों के साथ किए

गए व्यापार समझौते अपने पूर्व निर्धारित रूप में लागू होंगे। वहीं, हाल ही में जारी इन्वेस्टमेंट इन्फॉरमेशन एंड क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (आईसीआरए) की रिपोर्ट में कहा व्यापार समझौतों व बजटीय प्रोत्साहनों के प्रभाव से भारत का वस्त्र उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी स्थिति और मजबूत करने की दिशा में बढ़ रहा है।

गया कि अमेरिका द्वारा भारतीय सामान पर लगाए गए टैरिफ को 25 से घटाकर 18 फीसदी करने के बाद भारतीय कपड़ा क्षेत्र के तेजी से बढ़ने व निर्यात की नई संभावनाएं बनी हैं। रेटिंग एजेंसी ने कहा है कि टैरिफ में कमी ऐसे समय में आई है, जब वैश्विक व्यापार में उतार-चढ़ाव जारी है। ऐसे में, वित्त वर्ष 2026-27 में कपड़ा निर्यात से होने वाली कमाई में आठ से 11 प्रतिशत तक और वस्त्र उद्योग से जुड़ी कंपनियों के मुनाफे में लगभग 9.5 फीसदी की बढ़त की उम्मीद है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अमेरिका द्वारा टैरिफ में कटौती के

अलावा, भारत-यूरोप मुक्त व्यापार समझौते और अन्य द्विपक्षीय समझौतों में कपड़ा क्षेत्र को दी गई अहमियत की वजह से भारत के वस्त्र उद्योग को मजबूती मिलेगी। इसी आधार पर रेटिंग एजेंसी ने अब कपड़ा क्षेत्र का आउटलुक %नेगेटिव% से बढाकर %स्टेबल% कर दिया है।

गौरतलब है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने ग्लोबल बिजनेस समिट में कहा कि अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते और अन्य देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों से आगामी पांच वर्षों में 70 लाख से अधिक रोजगार पैदा होंगे। सरकार का लक्ष्य कपड़ा क्षेत्र के कारोबार को 2026 तक वर्तमान 152 अरब डॉलर से बढ़ाकर 350 अरब डॉलर और निर्यात को वर्तमान 37.8 अरब डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब डॉलर मूल्य तक पहुंचाने का है। साथ ही, अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में भारत को भी अमेरिकी धागे और कपास से बने कपड़ों पर शुल्क में उसी तरह की छूट मिलेगी, जैसी बांग्लादेश को मिली है। निस्संदेह अमेरिका, यूरोपीय संघ और अन्य प्रमुख देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौते भारत के कपड़ा और परिधान क्षेत्र मैं तेज वृद्धि लाएंगे। अमेरिका के साथ व्यापार समझौता वस्त्र निर्यात के लिए अमेरिका के 118 अरब डॉलर के वैश्विक आयात बाजार को खोलता है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा कपड़ा निर्यात गंतव्य भी है।

इसमें कोई दो मत नहीं है कि केंद्रीय बजट 2026-27 के तहत वस्त्र उद्योग के लिए जिस तरह अभूतपूर्व प्रावधान किए गए हैं, उससे भारत के इस क्षेत्र को तेजी से आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। बजट में %रेशा से फैशन% तक पूरी मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने पर जोर दिया गया है। साथ ही, वस्त्र क्षेत्र के लिए एक व्यापक एकीकृत कार्यक्रम %राष्ट्रीय फाइबर योजना% की घोषणा की गई है। बजट में सात पीएम मेगा टेक्सटाइल पार्क को प्राथमिकता दी गई है, जो विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा प्रदान करेंगे। इसके अलावा, वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी व टिकाऊ वस्त्रों के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए टेक्स-इको पहल की गई है। बजट में वस्त्र कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को आधुनिक बनाने के लिए %सामर्थ्य-2% का उल्लेख भी किया गया है। महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल भी अहम है। बजट में ऐसे तकनीकी वस्त्रों को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रावधान हैं, जो रक्षा, चिकित्सा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में उपयोग होते हैं। सात मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल पार्क स्थापित करने के लिए जो पीएम मित्र पार्क योजना शुरू की है, वह कपड़ा क्षेत्र के लिए मील का पत्थर है। पीएम मित्र पार्क प्रधानमंत्री के पांच एफ विजन-फार्म से फाइबर, फाइबर से फैक्टरी, फैक्टरी से फैशन और फैशन से फॉरेन तक से प्रेरित है। यह 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण और भारत को वैश्विक वस्त्र मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने की आकांक्षा रखता है। इन टेक्सटाइल पार्कों में करीब एक लाख करोड़ रुपये का निवेश आने का अनुमान है।

-जयंती लाल भंडारी

दूसरा पहलू

इन कहानियों का कोई ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य नहीं था, ये बस बाद में गढ़ी गईं, यानी वक्त के साथ अफसाना ही हकीकत बन गया।

काल्पनिक हैं अकबर और बीरबल के किस्से

क्या आपको भी लगता है कि अकबेर और बीरबल के किस्से सच्चे हैं? बहुत-से लोग तो यही मानते हैं, पर इतिहास किंवदंतियों और मिथकों से अलग होता है। मिथक गढ़े जा सकते हैं, पर तारीख वास्तविकता की मजबूत बुनियाद पर टिकी होती है। किताबों में, टीवी पर कितनी ही बार बीरबल की बुद्धिमत्ता और हाजिरजवाबी की कहानियां देखी-सुनी जाती हैं। इनमें जो बताया जाता है, उससे तो यही लगता है कि अकबर और बीरबल का ज्यादातर वक्त दिलजोई और दरबारी विनोद में बीतता होगा। आइए जानते हैं कि बीरबल कौन थे। अकबर के नवरत्नों में शामिल बीरबल का वास्तविक नाम महेश दास था। 1569 ईस्वी में वह मुगल बादशाह के दरबार में आगरा पहुंचे। वह अकबर के भरोसेमंद सेनापति थे। बीरबल ने कई सैन्य अभियानों का नेतृत्व किया। स्वात घाटी (अब पाकिस्तान में) में यूसुफजई कबीले की जंग में लड़ते हुए उनकी मौत हो गई और शव का भी पता नहीं चल सका। बीरबल अकेले हिंदू थे, जिन्होंने अकबर के दीन-ए-इलाही धर्म को स्वीकार किया था। अकबर ने ही महेश दास को बीरबल की पदवी दी थी, जो प्रचलित हो गया। इतिहासकार एचएस होडीवाला के अनुसार, बीरबल नाम कथासरित्सागर से प्रेरित बैताल पचीसी के एक चरित्र वीरवर से निकला है। वेताल पंचविंशति का लेखन 11वीं शताब्दी का माना जाता है। अकबर ने कथासरित्सागर का फारसी में अनुवाद कराया था। तो फिर सवाल उठता है कि अकबर-बीरबल के किस्सों की शुरुआत कहां से और कैसे हुई? अबुल फजल की पुस्तक आइन-ए-अकबरी और बदायूंनी ने मुंतखब-उत-तवारीख में बीरबल की सैन्य तथा बौद्धिक क्षमताओं के बारे में तो लिखा है, पर कहीं भी हाजिरजवाबी या हंसी-मजाक के किस्सों का जिक्र नहीं है। इन किस्सों का जिक्र सबसे पहले मासिर-उल-उलमा पुस्तक में मिलता है। इसे शाहनवाज खान ने लिखा था, जो विजयनगर साम्राज्य के शासक कृष्णदेव राय और उनके दरबारी कवि रामकृष्ण तेनालीराम के किस्सों से बखूबी वाकिफ थे। तेनालीराम दरबारियों की हर साजिश को विफल कर राजा के प्रिय बने रहते थे। औरंगजेब ने जब गोलकुंडा पर हमला किया, तो दक्कन की कहानियां भी उत्तर की तरफ आने लगीं। वहां के कृष्णदेव अकबर और तेनालीराम बीरबल हो गए। 19वीं सदी आते-आते इतना प्रचार हुआ कि लोग इन्हें ही सही मानने लगे। अकबर-बीरबल की कहानियों पर शोध करने वाले अमेरिकी इतिहासकार सीएम नईम का कहना था कि इन कहानियों का कोई ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य नहीं था, ये बस बाद में गढ़ी गईं, यानी वक्त के साथ अफसाना ही हकीकत बन गया।

इन कहानियों का जिक्र सबसे पहले मासिर-उल-उलमा पुस्तक में मिलता है, जिसे शाहनवाज खान ने लिखा था।

शाहनवाज खान कृष्णदेव राय और उनके दरबारी कवि तेनालीराम के किस्सों से बखूबी वाकिफ थे। बाद में, यही कृष्णदेव अकबर और तेनालीराम बीरबल हो गए। 19वीं सदी आते-आते लोग इन्हें ही सही मानने लगे।

- भूपेंद्र कुमार

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। सामान्य कारोबार के बीच सोमवार को किराना जिंसों में नारियल मजबूती पर रहा। शक्कर में सुस्ती बनी। खाद्य तेलों में बाजार बने रहे। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। दलहनों में चना 5600-5650 रू. प्रति क्व ?टल पर टिका रहा।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार नारियलों में होली पूर्व की माँग से बाजार सुर्ख रहे। शक्कर व खोपरे बूरे में भी त्यौहारी माँग अच्छी रही। खाद्य तेलों में भाव पूर्वस्तर पर बने रहे। तिलहनों में सोयाबीन 5200-5300 रू. प्रति क्व ?टल पर बना रहा। दलहनों में चने में पूछपरख से बाजार 5600-5650 रू. प्रति क्व ?टल पर बने रहे। भाव इस प्रकार रहे -

किराना - शक्कर 4050-4120, खोपरा गोला 320-375, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 265-275, मीडियम 280-295, बेस्ट 300-310, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारि ?क 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1200-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 2000-2100, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 1675-1775, मीडियम 1825-1875, बेस्ट 1925-2050, एक्ट्रा बोल्ड 2250-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1575-1850, बेस्ट1900-2100, तरबूज मगज 490-550, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 860-900, कैलिफोर्निया 780-795, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-3100, (160) 3300-3500, (200) 3900-4100, (250) 4600-5000

तेल - सींगदाना 1730-1750, मुम्बई 1750, राजकोट तेलिया 2700, सोया साल्वेंट 1270-1280, सोया रिफाइंड 1340-1350, कपास्या 1300-1310, धूलिया 1320, कड़ी 1320,

रात की धारणा - गुजरात लुज 1650, मुम्बई पाम 1290, मुम्बई सोया 1390,

खली - कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2325, देवास-उज्जैन 2325, खंडवा-बुरहानपुर 2300, अकोला 3600 (प्रति क्व ?टल)

तिलहन - सरसो 6600-7200, रायडा 5300-5700, सोयाबीन 5200-5300, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन - चना कांटेवाला बेस्ट 5600-5650, एवरेज 5300-5400, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5600-5650, एवरेज 5500-5550, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, हल्की 7000-7100, तुअर महाराष्ट्र 7800-8000, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 8400-8500, शंकर 8200-8300, हल्की 8000-8100,

दाल - चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7500-7800, तुअर दाल सवा नं. 8400-8800, तुअर दाल फूल 10500-10800, तुअर दाल बोल्ड 11500-11700, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज - गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल - चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा - इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाजार

इन्दौर। विदेशी बाजारों में बनी चमक से सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में दोनों ही कीमती धातुओं में बाजार सुर्खी पर रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चाँदी (9999) 262000, चाँदी (99) 261000, टंच 260500, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 158200,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय 5 पैसे की बढ़त के साथ ही 90.94 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 21 पैसे उछलकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.73 पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क को बढ़ाकर 15 फीसदी करने की आशंकाओं के बीच डॉलर के कमजोर होने से घरेलू मुद्रा को बल मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.76 पर खुला और फिर 90.73 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 21 पैसे की बढ़त दिखाता है।

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 480 अंक चढ़ा, निफ्टी 25700 के पार

मुंबई । हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को भारतीय बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रंप प्रशासन के व्यापक टैरिफ को रद्द करने के बाद निवेशकों की भावना में सुधार होने के कारण, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, ऑटो और वित्तीय शेयरों में तेजी के चलते सोमवार को इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी उच्च स्तर पर बंद हुए। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 7 पैसे बढकर 90.87 पर बंद हुआ।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 479.95 अंक या 0.58 प्रतिशत चढकर 83,294.66 पर बंद हुआ। सत्र के दौरान, बेंचमार्क 671.44 अंक या 0.81 प्रतिशत उछलकर 83,486.15 के अंतर्दिवस उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 141.75 अंक या 0.55 प्रतिशत बढकर 25,713 पर बंद हुआ। इंट्राडे सत्र में, यह 200.2 अंक या 0.78 प्रतिशत बढकर 25,771.45 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स पैक में अदानी पोर्ट्स सबसे बड़ा लाभ कमाने वाला शेयर रहा, जिसमें 2.98 प्रतिशत की वृद्धि हुई, इसके बाद कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक

सीमेंट, पावरग्रिड, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा और लार्सन एंड टुब्रो प्रमुख लाभ कमाने वाले शेयर रहे। दूसरी ओर, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, ट्रेंट, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फिनसर्व, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईटीसी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, इटरनल, टाटा स्टील और इंडिगो को घाटा हुआ।

ट्रंप के टैरिफ में हुए बदलावों का असर पड़ा

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रंप की पारस्परिक टैरिफ नीति के खिलाफ दिए गए फैसले का घरेलू बाजारों ने स्वागत किया है। निवेशक ट्रंप की संशोधित रणनीति और अन्य देशों द्वारा पुनर्विचार की संभावनाओं के बारे में और अधिक स्पष्टता की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि कमजोर अमेरिकी डॉलर और गिरती 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड वैश्विक बाजार में अल्पकालिक सतर्कता को बढ़ा सकती है। नायर ने कहा कि क्षेत्रीय रूप से, आईटी सूचकांक को एआई-संचालित व्यवधान को लेकर अनसुलझी चिंताओं के कारण दबाव का सामना करना पड़ा। फिर भी, निवेशकों ने घरेलू क्षेत्रों को प्राथमिकता दी, जिसमें बैंकों, बिजली, एफएमसीजी और उपभोक्ता विवेकाधीन शेयरों ने मजबूत मांग और आर्थिक सुधार की उम्मीदों पर गति पकड़ी।

यूरोपीय बाजारों में रहा मिला-जुला हाल

एशियाई बाजारों में तेजी के साथ कारोबार समाप्त हुआ, हांगकांग का हैंग सेंग 2.53 प्रतिशत चढ़ा जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी लगभग 1 प्रतिशत ऊपर गया। जापान और चीन के बाजारों में छुट्टियों के कारण कामकाज बंद रहा। सत्र के मध्य में यूरोपीय बाजारों में मिश्रित रुख देखने को मिला, जर्मनी का डीएएक्स 0.44 प्रतिशत फिसल गया, जबकि पेरिस का सीएसी 40 और लंदन का एफटीएसई 100 स्थिर कारोबार कर रहे थे।

होली पर 80 हजार करोड़ के कारोबार की उम्मीद, देसी उत्पादों की धूम

- पिछले साल के 60,000 करोड़ रुपए के मुकाबले लगभग 25 फीसदी ज्यादा

मुंबई। इस साल होली देशभर के व्यापारियों के लिए खुशखबरी लेकर आई है। कॉन्फेडरेशन आफ आल इं ?डिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसार इस बार त्योहार के मौके पर 80,000 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार होने का अनुमान है, जो पिछले साल के 60,000 करोड़ रुपए के मुकाबले लगभग 25 फीसदी ज्यादा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल अभियान का असर अब बाजारों में साफ नजर आ रहा है। अब होली के रंग, पिचकारियां और सजावटी सामान स्थानीय कारीगरों और स्वदेशी उत्पादों से भरे बाजारों में मिल रहे हैं। ग्राहकों में सेहत और त्वचा को लेकर जागरूकता बढ़ने से केमिकल रंगों की बजाय हर्बल और प्राकृतिक रंगों की मांग तेजी से बढ़ी है। बच्चों के लिए स्पाइडर-मैन और छोटा भीम वाली पिचकारियां खास आकर्षण बनी हैं। कपड़ों में सफेद टी-शर्ट, कुर्ता-पायजामा और प्रिंटेड टी-शर्ट की बिक्री बढ़ी है। राजधानी दिल्ली में सबसे अधिक व्यापारिक गतिविधियां देखने को मिल रही हैं। कैट के अनुसार अकेले दिल्ली में 15,000 करोड़ रुपए का कारोबार होने का अनुमान है। मिठाई की दुकानों पर गुजिया की मांग चरम पर है, और ड्राई फ्रूट्स, गिफ्ट आइटम्स और एफएमसीजी उत्पादों की बिक्री में भी तेजी है। त्योहार के दौरान सर्विस और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर भी लाभान्वित हुआ है। दिल्ली में 3,000 से ज्यादा सामाजिक, धार्मिक और व्यापारिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, और बैंक्वेट हॉल, फार्महाउस और बड़े रेस्टोरेंट लगभग फुल बुक हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए निवेश और आर्थिक योजनाओं के लिहाज से शुभ संकेत लेकर आया है। यदि आप धैर्य से निर्णय लेंगे और जल्दबाजी से बचेंगे, तो लाभ के अच्छे अवसर मिल सकते हैं। कामकाज में आपका उत्साह बना रहेगा और आप पूरे जोश के साथ अपने लक्ष्यों को पूरा करने में जुटे रहेंगे, जिससे परिणाम भी संतोषजनक रहेंगे। जीवनसाथी के साथ बिताया गया रोमांटिक समय आपके रिश्ते में नई मिठास घोलेगा और भावनात्मक जुड़ाव मजबूत होगा।

वृषभ राशि- आज का दिन आपको योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ने का संकेत दे रहा है। यदि आप हर काम सोच-समझकर करेंगे तो सफलता निश्चित रूप से मिलेगी। आपकी पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग बन रहे हैं, जिससे आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। परिवार में यदि किसी सदस्य के विवाह को लेकर अड़चनें थीं, तो उनके दूर होने से घर का माहौल खुशियों से भर जाएगा।

मिथुन राशि- आज आप अपने कामकाज और जीवनशैली दोनों में सुधार लाने की कोशिश करेंगे और यही प्रयास आपको आगे बढ़ाएंगे। परिवार में किसी नए सदस्य के आगमन की खबर माहौल को खुशनुमा बना सकती है। यदि विवाह से जुड़ी कोई रुकावट चल रही थी तो उसके दूर होने के संकेत हैं। पिताजी की सलाह आज आपके लिए खास मायने रखेगी, इसलिए उनकी बातों को गंभीरता से सुनना लाभदायक रहेगा।

कर्क राशि- आज का दिन आपके जीवन में सुख-सुविधाओं में वृद्धि का संकेत दे रहा है। नया वाहन खरीदने या घर के लिए कोई उपयोगी चीज लेने का विचार बन सकता है। यदि आप किसी काम के लिए लोन लेने की सोच रहे थे तो उसमें भी आसानी हो सकती है। हालांकि सरकारी कार्यों में थोड़ी देरी या बाधा आ सकती है, इसलिए धैर्य रखना जरूरी होगा। आप किसी मित्र की मदद के लिए आर्थिक सहयोग भी कर सकते हैं, जिससे रिश्ते और मजबूत होंगे।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए लाभ और संतोष लेकर आने वाला है। व्यवसाय में अच्छे परिणाम मिलने से मन प्रसन्न रहेगा और मेहनत का फल साफ दिखाई देगा। शेयर बाजार से जुड़े लोगों के लिए भी दिन सकारात्मक रह सकता है। प्रेम जीवन में मधुरता बनी रहेगी और साथी के साथ बिताया गया समय आपको भावनात्मक रूप से सुकून देगा, जबकि सिंगल लोगों की किसी खास से मुलाकात हो सकती है। आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी, जिससे मानसिक शांति मिलेगी।

कन्या राशि- आज का दिन मिला-जुला अनुभव देने वाला रहेगा, लेकिन आपकी मेहनत और लगन आपको आगे बढ़ाएगी। नौकरीपेशा लोगों की कार्य के प्रति निष्ठा वरिष्ठों को प्रभावित करेगी और उनकी सराहना मिलेगी। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में खूब लगेगा, जिससे अच्छे परिणाम की संभावना बनेगी। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा ताकि बजट संतुलित रहे। वैवाहिक जीवन में सामंजस्य बना रहेगा और रिश्तों में समझदारी बढ़ेगी।

तुला राशि- आज का दिन आपको आर्थिक मामलों में योजना बनाकर चलने की सीख देगा। यदि आप अपने खर्च और आय के बीच संतुलन बनाए रखेंगे तो भविष्य सुरक्षित रहेगा। व्यवसाय में आपकी योजनाएं लाभ देने लगेंगी और आप नए विचारों पर काम करने का मन बनाएंगे। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का अवसर मिल सकता है, जिससे रिश्ते में ताजगी आएगी।

वृश्चिक राशि- आज आपको आर्थिक मामलों में थोड़ा सतर्क रहने की आवश्यकता है और सोच-समझकर खर्च करना ही बेहतर रहेगा। यदि आसपास किसी विवाद की स्थिति चल रही थी तो वह सुलझ सकती है, जिससे मन को राहत मिलेगी। खान-पान पर ध्यान देना जरूरी है, क्योंकि स्वास्थ्य आपके मूड को प्रभावित कर सकता है। पारिवारिक समस्याएं धीरे-धीरे कम होंगी और माहौल पहले से बेहतर महसूस होगा।

धनु राशि- आज का दिन सुख और समृद्धि में वृद्धि का संकेत दे रहा है। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें सफलता मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई सम्मान या पुरस्कार मिलने की संभावना भी बन सकती है। व्यवसाय में चल रही उलझनें सुलझेंगी और योजनाएं स्पष्ट होंगी। विद्यार्थियों के लिए दिन मानसिक राहत लेकर आएगा और पढ़ाई का दबाव कम महसूस होगा।

मकर राशि- आज का दिन थोड़ा उलझनों से भरा हो सकता है, इसलिए हर निर्णय सोच-समझकर लेना जरूरी रहेगा। यदि किसी काम को लेकर मन में संदेह है तो उसे फिलहाल टालना ही बेहतर होगा। पिताजी की किसी बात से मन दुखी हो सकता है, लेकिन समय के साथ स्थिति सामान्य हो जाएगी।

कुंभ राशि-आज का दिन सामान्य रहेगा, लेकिन कुछ छोटी-मोटी चुनौतियां सामने आ सकती हैं। कार्यक्षेत्र में कोई सहयोगी आपके खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश कर सकता है, इसलिए सतर्क रहना जरूरी होगा। खर्च बढ़ने से थोड़ी चिंता हो सकती है, इसलिए फिजूलखर्ची से बचें।

मीन राशि- आज आप ऊर्जा और सकारात्मक सोच से भरपूर रहेंगे और यही ऊर्जा आपको आगे बढ़ाएगी। अच्छे कामों में आपकी रुचि बढ़ेगी और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करेंगे। व्यवसाय में आपकी लंबी अवधि की योजनाए गति पकड़ेंगी और रुका हुआ धन वापस मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सरकारी काम या टेंडर मिलने की संभावना भी आपको उत्साहित करेगी। परिवार में किसी सदस्य के लिए सरप्राइज उपहार लेकर आप खुशियों का माहौल बनाएंगे और रिश्तों में अपनापन और बढ़ेगा।

शब्दजाल - 4500

शब्दजाल में 'प्र' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

प्र	क	ल	प्र	कृ	ति	र्ल	धी	प्र	ल	ज
र	जा	ल	दे	प्र	ता	प	इं	ति	ट	वा
त	स	ति	ल	र्म	छ	रा	रा	शो	ख	प्र
प्र	ज	ज	सु	पु	र	प्र	प	ध	ली	ति
म	ती	दो	ग	ल्ता	लं	णा	तू	गी	झ	कू
प्र	क	क्षा	प	ह	न	म	ना	ता	घ	ल
जा	अ	स	त	या	प	त	श	ज	ला	ट्रे
प	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	न
ति	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	प्र	ख	र	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	प्र	का	श	त

प्रणाम,प्रकाश,प्रकृति,प्रजापति,प्रतीक्षा, प्रताप,प्रखर,प्रजाति,प्रतिकूल,प्रतिशोध

शब्दजाल - 4499 का हल

जी	न	त	अ	मा	न	र	तू	ग	झ	डिं
ज	प्री	ल	म	आ	ज	या	भा	दु	ड़ी	प
अं	ती	नु	दि	ल	दा	ल	व	र	ला	ल
ज	जिं	का	जो	ल	ला	क	ही	रि	श	क
स	टा	श	दे	रा	खी	स	दा	ग	वी	पा
री	रं	ल	चु	व	लि	र्त	र	ती	प	ड़ि
रा	गा	ल	के	गा	प	म	ह	कौ	या	या
नी	बा	रे	खा	त	क	छ	मा	ग	श	थ
मु	स	मि	न	व	न	ज	न	शा	जू	द
ख	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
र्जी	ऐ	श्व	र्या	रा	य	य	या	दु	र	क

शब्द पहेली - 4500

1		■	2	3		■	4	5
	■	6			■	7		
■	8			■	9			■
10			■	11			■	12
13		■	14			■	15	
	■	16			■	17		
■	18			■	19			■
20			■	21			■	22
23		■	24			■	25	

बाएँ से दाएँ

1.आरंभ-2
2.भूतकाल-3
4.आरंभ, उद्गम स्थल-2
6.अंतर्गत-3
7.अतिरिक्त-3
8.मृत्यु विजेता-3
9.आम, नीबू आदि की चटनी-3
10.बुद्धि, सूझ-3
11.गश्त-3
13.सिर कटा शरीर-2
14.विशुद्ध, मूलधन-3
15.धरती की धूरी-2
16.राक्षस-3
17.अमिट-3
18.प्याऊ-3
19.आदर्श-3
20.झंडा, निशान-3
21.अजित, अभेद्य-3
23.नाखून-2
24.आकाश-3
25.कण-2

ऊपर से नीचे

1.आग-2
2.आतुर, चंचल-3
3.दो और एक-2
4.सूर्य की ऊर्जा (अं.-3)
5.इस पर रोटी सेकी जाती है-2
6.आचरण-3
7.अचानक-3
8.घमंड-3
9.स्थिर-3
10.पाप, अन्याय-3
11.प्रभाव-3
12.शब्द-3
14.राक्षस की औरत-3
15.गतिहीन-3
16.महत्वपूर्ण-3
17.दोषदर्शी-3
18.अदृश्यमान-3
19.चिरयुवा-3
20.इतर '...जान'-2
21.इस समय-2
22.परमाणु-2

शब्द पहेली -4499 का हल

■	वि	वा	द	■	ता	क	त	■
अ	■	दा	र	म	दा	र	■	ना
ना	च	■	गा	र	द	■	दे	व
थ	म	ना	■	ण	■	आ	व	क
■	क	गा	र	■	भा	ग	ना	■
अ	दा	ज	■	वि	■	म	ग	र
गा	र	■	च	म	न	■	री	म
र	■	गा	म	ल	ख	न	■	णी
■	धा	त	क	■	गा	व	ण	■

दैनिक पंचांग

01 जून 2021 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

मंगलवार 2021 वर्ष का 152 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 00.47 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 16.08 बजे को समाप्त। **योग** वैधृति 03.01 बजे रात्र को समाप्त। **करण** विष्टि 12.51 बजे तदनन्तर बव 00.47 बजे रात्र को समाप्त।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.13 बजे से
चंद्र	मकर में	कर्क	8.26 बजे से
मंगल	मिथुन में	सिंह	10.43 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.55 बजे से
गुरु	कुंभ में	तुला	15.05 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	17.20 ब.से
शनि	मकर में	धनु	19.36 बजे से
राहु	वृष में	मकर	21.41 बजे से
केतु	वृश्चिक में	कुंभ	23.28 बजे से
		मीन	01.00 बजे से
राहुकाल	3.00 से 4.30 बजे तक	मेष	02.31 बजे से
		वृष	04.11 बजे से

चन्द्रायु 20.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 03' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1870901 **जूलियन दिन** 2459366.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2547 **हिजरी सन्** 1442 **महीना** सव्वाल **तारीख** 19 **विशेष** बाल सुरक्षा दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 4500

1	2		3		■	4		5	
6		■		■	7		■		■
■	8	9		■		10			
11	■		■	12		13	■		■
14	15		16		17			18	
19			20				21		
	22			23		24			
	25			26		27			
28		29			30				
31				32		33			

बायें से दायें:-

1. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-2,1,2
4. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-4
6. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-2
7. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-2
8. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-3
10. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-3
12. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-3
14. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-4
17. अभिषेक पटेल, मीरा की फिल्म-3
19. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-2
20. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-2
21. शाहरुख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-2
22. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-2
23. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-3
25. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-2
26. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-2
27. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-3
29. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-2
30. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-2
31. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-3
32. फिल्म 'तपस्या' की नायिका ?-2
33. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-3

ऊपर से नीचे:-

1. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताब, नंदिता दास की फिल्म-2
2. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-3
3. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-3
4. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-2
5. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-4
7. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-1,3
9. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-3
11. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द दे दो' गीत वाली फिल्म-4
13. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-4
15. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका ?-2
16. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-3
18. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-4
22. गुरुदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-2,2
23. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-2
24. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-4
28. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 4499 का हल

त्रि	शु	ल		ग	दा	र		धा	
दे		गा	य	व		ह	म	रा	ज
व	च	न		न	ज	मा		वी	रु
	र		घ		ज	न	म		
ती	स	री	मं	जि	ल		दा	व	त
स			डी				बू	टी	
रा	जा	जी		अ	मृ	त		प	
कौ	न			प		न	व	रं	ग
न		अ	सु	रा		म			
	जु	म्मा		ध		अ	प	रा	ध

आप का राशिफल 01 जून

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें। शुभांक-1-5-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यापारिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यावसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। शुभांक-3-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-1-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। --कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

प्रसंगत: बड़ा कौन

एक बार सम्राट अशोक अपने विश्वस्त मंत्री आमात्य के साथ कहीं जा रहे थे। रास्ते में एक संत को आते देख वह घोड़े से नीचे उतरे और उन्होंने संत को दंडवत प्रणाम किया। यह बात आमात्य को अच्छी नहीं लगी। संत के जाने के बाद आमात्य ने अशोक से पूछा, 'राजन्, मेरी समझ में नहीं आया कि इतने बड़े सम्राट होकर आपने एक साधारण साधु को दंडवत प्रणाम क्यों किया।' उस समय अशोक ने कोई उत्तर नहीं दिया। दो दिनों के बाद उसने कई जानवरों के मुखौटों के साथ एक साधु और एक राजा का सुंदर मुखौटा आमात्य को देते हुए कहा, 'गांव में जाकर इन मुखौटों को बेच दीजिए। मैं जानना चाहता हूं कि प्रजा किसे ज्यादा पसंद करती है।' आमात्य उन मुखौटों को बेचने के लिए गांव में गया। साधु का मुखौटा सबसे पहले बिक गया। उसके बाद सभी जानवरों के मुखौटे भी बिक गए। मगर राजा का मुखौटा किसी ने नहीं खरीदा। आमात्य उसे लेकर लौट आया। अशोक ने उसे फिर से जाने को कहा। और यह भी निर्देश दिया कि यह मुखौटा किसी को मुफ्त दे दे। आमात्य दोबारा गया मगर गांव वालों ने मुखौटा लेने से इनकार कर दिया। बोले, 'इस कचरे को लेकर हम क्या करेंगे।' आमात्य फिर लौट आया और सम्राट को गांव वालों की बात बताई। अशोक ने कहा, 'अब तो तुम्हारे प्रश्न का उत्तर मिल गया होगा। संत हमेशा पूजनीय होते हैं क्योंकि वे मोह माया से दूर रह कर पूरे समाज के हित की बात सोचते हैं। राजा का महत्व तात्कालिक होता है पर संत की कीर्ति हमेशा बनी रहती है।'

गांव-गांव में बिक रहा है मीठा जहर, फर्जी पेप्सी पाउच बच्चों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लांजी।

सर्दी के मौसम के कम होते ही क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में एक खतरनाक ट्रेंड उभर कर सामने आ रहा है। गांव-गांव की छोटी-छोटी दुकानों पर पेप्सी के नाम से बिक रहे पाउच में पैक ठंडे, मीठे पेय पदार्थ बच्चों के बीच बेहद लोकप्रिय हो रहे हैं। बच्चे इन्हें बड़े चाव से चूसते नजर आते हैं, लेकिन ये पाउच असल में मीठा जहर साबित हो रहे हैं। इनमें न तो किसी निर्माण कंपनी का नाम या पता लिखा होता है, न ही पैकिंग डेट और एक्सपायरी डेट। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि ये फर्जी उत्पाद बच्चों के स्वास्थ्य पर गंभीर विपरीत प्रभाव डाल सकते हैं, जिसमें पेट दर्द, उल्टी, डिहाइड्रेशन और लंबे समय में किडनी संबंधी समस्याएं शामिल हैं।

फर्जी उत्पादों का बढ़ता बाजार

ग्रामीण क्षेत्रों में ये फर्जी पेप्सी पाउच धड़ल्ले से बिक रहे हैं। स्थानीय दुकानदारों के अनुसार, ये पाउच सस्ते दामों पर उपलब्ध होते हैं ङ्क मात्र 2 से 10 रुपये में जो बच्चों को आसानी से आकर्षित करते हैं। लेकिन इनकी पैकेजिंग पर कोई लेबल नहीं होता, जो कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट का सीधा उल्लंघन है। ऐसे उत्पाद अक्सर अनियंत्रित फैक्टरियों में बनाए जाते हैं, जहां साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा जाता और सस्ते केमिकल्स का इस्तेमाल होता है।

बच्चों पर पड़ रहा विपरीत प्रभाव

ये फर्जी पाउच मीठे स्वाद के लिए अत्यधिक शुगर और आर्टिफिशियल कलर्स का इस्तेमाल करते हैं, जो बच्चों के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। डॉक्टरों के अनुसार, इनमें डाइएथाइलीन ग्लाइकॉल जैसे विषाक्त केमिकल्स मिले होने की आशंका रहती है, जो किडनी फेलियर और मौत का कारण बन सकते हैं। हाल के वर्षों में प्रदेश में फर्जी कफ सिरप और मीठे ड्रिंक्स से बच्चों की मौत के कई मामले सामने आए हैं।

कैसे फैल रहा है यह जहर

ये फर्जी उत्पाद अक्सर अनधिकृत फैक्टरियों से आते हैं, जहां सस्ते रॉ मटेरियल जैसे पाम ऑयल, यूरिया और डिटर्जेंट का मिश्रण किया जाता है। ग्वालियर रेड से पता चला कि ऐसी फैक्टरियां बड़े ब्रांड्स की नकल करके ग्रामीण बाजारों को टारगेट करती हैं। दुकानदारों का कहना है कि सप्लायर्स इन्हें थोक में बेचते हैं, और कम कीमत के कारण वे इन्हें स्टॉक रखते हैं। लेकिन उपभोक्ताओं को पता नहीं चलता कि ये नकली हैं।

फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने ऐसे उत्पादों पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए हैं, लेकिन ग्रामीण इलाकों में कोई जांच कार्यवाही नहीं होती है।

ग्रामीण ने बताया कि हमारे यहां हर दुकान पर ये पाउच मिलते हैं। बच्चे स्कूल से आते ही मांगते हैं। लेकिन अब डर लगता है कि कहीं कोई हादसा न हो जाए।

विधायक राजकुमार करोंहे ने एसडीएम को दी जानकारी

क्षेत्रीय विधायक राजकुमार करोंहे ने जानकारी में बताया कि एक ग्रामीण ने उनको एक वीडियो शेयर किया है जिसमें लवली पेप्सी के नाम से पाऊच नजर आ रहा है, जिसमें फंगस व कीड़े जैसा तैरते नजर आ रहा है, बच्चा इसे पीने से निश्चित ही तबीयत खराब हो सकती है। मेरे द्वारा एसडीएम लांजी को यह वीडियो भेजकर ऐसे सभी फर्जी खाद्य पदार्थों पर नकेल कसने के लिए विशेष अभियान चलाने कहा गया है।

स्वास्थ्य विभाग ने सलाह दी है कि उपभोक्ता केवल लेबल वाले, एक्सपायरी डेट वाले उत्पाद ही खरीदें। अभिभावकों से अपील की गई है कि बच्चों को ऐसे सस्ते पेय से दूर रखें और घरेलू हाइड्रेशन विकल्प जैसे नींबू पानी या असली ओआरएस का इस्तेमाल करें।

परिवहन नीति के विरोध में 2 मार्च से बस एसोसिएशन अनिश्चित हड़ताल पर

थम जायेंगे बसों के पहिये

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश में आगामी 2 मार्च से बसों के पहिये थमने जा रहे है। जिसके पीछे कारण बताया जा रहा है प्रदेश सरकार की दमन कारी परिवहन नीति के चलते प्रदेश के सभी बस ओनर्स,बस एसोसिएशन के द्वारा यह निर्णय लिया जा रहा है यदि सरकार अपनी नीति वापस नही लेती है तो प्रदेश में 2 मार्च की सुबह 6 बजे से बसों के पहिये थम जायेंगे तथा यह अनिश्चित कालीन हड़ताल प्रारंभ हो जायेगी। यह निर्णय 22 फरवरी को मध्यप्रदेश के सागर जिले मे लिया गया जहां प्रदेश के तमाम बस ओनर्स, बस एसोसिऐशन के पदाधिकारी तथा 55 जिलों के जिलाध्यक्ष एवं पदाधिकारी शामिल हुये जहां एक सुर में यह निर्णय लेते हुये प्रदेश सरकार को ज्ञापन सौंपा गया है।

बालाघाट से पंहुचा प्रतिनिधि मण्डल-2 मार्च से हो सकती है बसें बंद

प्रदेश भर में बसो के पहिये थमने को लेकर जो कारण सामने आ रहे है जिसमे स्टैज कैरिज बसों के संचालन को लेकर लाई जा रही रही दमनकारी निति है। इसी को लेकर बालाघाट बस एसोसिऐशन के अध्यक्ष मुकेश चौहान एवं प्रतिनिधि मण्डल जो कि सागर जिले में हो रही प्रमुख बैठक मे शामिल हुये जिनमें अध्यक्ष मुकेश चौहान, उपाध्यक्ष कपिल अग्रवाल, ईमरान खान, सचिव श्याम कौशल, सहसचिव करताल सिंह जादौन, प्रवक्ता रूपेन्द्र गायक्वाड़ इन सभी के द्वारा बताया गया कि प्रदेश सरकार का ऐसा कहना है कि हमारे द्वारा बसो के लिये नई सुगम परिवहन नीति लाई गई है जिसको राजपत्र में प्रकाशन भी हो चुका है लेकिन यह नई परिवहन नीति निजी बस संचालको को मोटर मालिक से किरायदार बनाकर प्रदेश में राष्टीयकरण करना चाह रही है। इससे संचालित प्राईवेट बस ऑपरेटर्स का व्यवसाय समाप्त हो जायेगा। सागर में आयोजित बस ऑपरेटर्स, एसोसिऐशन के बैनर तले यह निर्णय लिया गया है कि राजपत्र में संसोधन का प्रारूप प्रकाशित किया गया है उसे वापस लेकर त्वरित समाप्त किया जाये। 29 जनवरी को राजपत्र में किया गया संशोधन जो प्रकाशित किया गया है उसे पूर्ण रूप से समाप्त किया जाये एवं वर्तमान में जिस व्यवस्था के साथ प्रदेश में बसों का संचालन हो रहा है उसी व्यवस्था को यथावत रखा जाये। सम्मेलन में उक्त मांगो को शिघ्र मांग कर जनहित में निर्णय लेने की मांग की गई है। अन्यथा प्रदेश के समस्त बस ऑपरेटर्स, अपनी यात्री बसों को खड़ी कर 2 मार्च से अनिश्चित कालीन हड़ताल पर चले जायेंगे।

आज से होलाष्टक, 8 दिनों तक नहीं होंगे शुभ कार्य

पद्मेश न्यूज। लांजी। होलाष्टक होली से पहले के 8 दिनों को कहा जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी से लेकर पूर्णिमा तिथि तक होलाष्टक माना जाता है। इस वर्ष होलाष्टक 24 फरवरी से प्रारंभ होकर 3 मार्च तक का समय होलाष्टक का रहेगा। 3 मार्च को होलिका दहन के साथ इसकी समाप्ति होगी।इस दौरान कोई भी मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। होलाष्टक के दौरान किसी भी तरह के शुभ कार्य जैसे विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश, आदि करना वर्जित होता है। ऐसा माना जाता है कि होलाष्टक के दौरान नकारात्मक शक्तियां प्रबल रहती हैं, इसलिए इस समय में शुभ कार्य करने से उनका नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। होलाष्टक का समय भगवान विष्णु और उनके भक्त प्रह्लाद की भक्ति का प्रतीक है। होलाष्टक के दौरान भगवान विष्णु की पूजा और उनके मंत्रों का जाप करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। होलाष्टक की शुरुआत फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से होती है और होलिका दहन के दिन समाप्त होता है। होलाष्टक के दौरान भगवान विष्णु की पूजा और उनके मंत्रों का जाप करें। गरीबों और जरूरतमंदों को दान करें। अपने परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताएं। नकारात्मक विचारों से दूर रहें और सकारात्मक सोचें।

मेरा भारत खेल प्रतियोगिता में केशव स्कूल के छात्रों ने लहराया परचम

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के गंगोत्री कॉलोनी में स्थित केशव इंग्लिश स्कूल के छात्रों ने ब्लॉक एवं जिला स्तर पर होने वाली मॉय मेरा भारत खेल प्रतियोगिता में विद्यालय का परचम जिले में लहराया। हाल ही में सम्पन्न हुई खेल प्रतियोगिताओं में केशव विद्यालय की छात्रा वैदेही टेंभरे कक्षा ९ वीं ने १०० मीटर दौड़ में बालाघाट जिले में प्रथम स्थान एवं छात्र पुष्कर टेंभरे कक्षा ११वीं ने गोला फेंक में ब्लॉक में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सांसद श्रीमती भारती पारधी ने प्रतियोगी छात्रों को शिल्ड प्रदान कर छात्रों को पुरूष्कृत किया। केशव विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं ने विजयी छात्रों को शानदार जीत पर बधाई प्रेषित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

अतिक्रमण व पार्किंग के अभाव में बैंक के सामने अव्यवस्था का आलम

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के भिलाई मार्ग स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा लांजी के सामने व्याप्त अव्यवस्था अब गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। यह बैंक यहां कई वर्षों से संचालित हो रहा है और स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पार्किंग और अतिक्रमण की समस्या शुरुआत से ही बनी हुई है, लेकिन आज तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया। एक राष्टीयकृत बैंक होने के नाते ग्राहकों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना बैंक प्रबंधन की जिम्मेदारी है। वहीं नगर प्रशासन और पुलिस प्रशासन का दायित्व है कि वे अतिक्रमण हटाकर यातायात को सुचारू बनाएं। परन्तु एसबीआई लांजी शाखा द्वारा इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। बैंक परिसर में पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था न होने के कारण ग्राहक, आसपास के दुकानदार और आमजन अपने वाहन सीधे मुख्य सड़क पर खड़े कर देते हैं। परिणामस्वरूप लगभग 30 मीटर चौड़ी सड़क सिकुड़कर 10 मीटर से भी कम रह जाती है। बड़े वाहनों के निकलने के समय जाम की स्थिति बन जाती है और दुर्घटना की आशंका लगातार बनी रहती है।

बैंक में रोजाना हजारों लोगों का आवागमन

यह शाखा क्षेत्र की प्रमुख बैंक शाखाओं में से एक है, जहां प्रतिदिन लगभग सैकड़ो लोगों का आना-जाना होता है। पेंशनधारी, किसान, व्यापारी, विद्यार्थी और आम उपभोक्ता बड़ी संख्या में बैंक पहुंचते हैं। इतनी भारी भीड़ के बावजूद न तो पार्किंग की समुचित व्यवस्था है और न ही यातायात प्रबंधन का कोई ठोस इंतजाम।

रोड पर अतिक्रमण ने बढ़ाई समस्या

बैंक परिसर के सामने फैले अतिक्रमण ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। सड़क किनारे दुकानों ने अपनी सीमाएं लांघ ली हैं, जिससे पैदल राहगीरों के लिए भी सुरक्षित स्थान नहीं बचा। नगर प्रशासन की निष्क्रियता और पुलिस की उदासीनता पर सवाल उठ रहे हैं। पूर्व में मीडिया में समाचार प्रकाशित होने के बावजूद ठोस कार्रवाई का अभाव चिंताजनक है।

बैंक के स्थानांतरण की लगातार उठ रही मांग

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि वर्तमान परिसर में पार्किंग और यातायात की समुचित व्यवस्था संभव नहीं है, तो बैंक शाखा को किसी विस्तृत और व्यवस्थित परिसर में स्थानांतरित किया जाना चाहिए, जहां ग्राहकों के लिए पर्याप्त पार्किंग और सुरक्षित आवागमन की सुविधा हो। इससे न केवल जाम की समस्या समाप्त होगी, बल्कि संभावित दुर्घटनाओं से भी बचाव हो सकेगा।

इनका कहना है

स्टेट बैंक के सामने अतिक्रमण फैलने ओर पार्किंग नहीं होने की शिकायतें लगातार मिल रही है। हमारे द्वारा बैंक प्रबंधन को पार्किंग व्यवस्था बनाने के लिए पत्र लिखा जा रहा है, साथ ही अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को भी नोटिस दिया जाएगा।

मयूर वाहने, सीएमओ
नगर परिषद लांजी

महिला से लूट जेवर व मोबाइल लेकर बदमाश फरार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के फवारा चौक में 23 फरवरी की रात करीब 8ः30 बजे महिला को सम्मोहन देकर लूट करने की वारदात प्रकाश में आई है। इस घटना में अज्ञात बदमाश महिला के सोने के जेवरात सहित मोबाइल लेकर फरार हो गए हैं। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस के द्वारा जांच प्रारंभ कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड नं. 15 निवासी 40 वर्षीय विद्या ठाकरे सब्जी दुकान से घर लौट रही थीं। इसी दौरान अज्ञात बदमाशों ने सममोहन कर उन्हें बातों में उलझाया रेखा डॉक्टर का पता पूछते हुए हजारों रुपये के जेवरात व मोबाइल लूटकर फरार हो गए। यह घटना फवारा चौक के पास सुराना व हिमांशु ज्वैलर्स के सामने की है। जब महिला को सूध आया तब तक उक्त व्यक्ति फरार हो चुके थे। जिसके बाद हल्ला मचाया गया जहां लोगों की भीड़ जमा हो गई और घटना की जानकारी तत्काल पुलिस थाने को दी गई। सूचना पर पहुंची वारासिवनी पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। वही हाल ही में नपा द्वारा चौक-चौराहों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरे से आरोपियों तक पहुंचने एवं पहचानने की कवायद की जा रही हैं। इस घटना में महिला को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है जिसके द्वारा पुलिस प्रशासन से कड़ी कार्यवाही की मांग की गयी है।

सांसद श्रीमती भारती पारधी की पहल पर नि:शुल्क विशाल स्वास्थ्य एवं टीबी (क्षयरोग) जांच शिविर का हुआ आयोजन

275 क्षय रोगियों को फूड बास्केट का हुआ वितरण, शिविर में 712 हितग्राहियों ने लिया लाभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी ने अपने जन्मदिवस को सेवा और जनकल्याण के संकल्प के साथ समर्पित करते हुए 23 फरवरी, सोमवार को नि:शुल्क विशाल स्वास्थ्य एवं टीबी (क्षयरोग) जांच शिविर का आयोजन किया है। स्वास्थ्य विभाग एवं महावीर इंटरनेशनल के सहयोग से यह शिविर बालाघाट स्थित तुरकर भवन, अंबेडकर चौक में प्रात: 10 बजे से अपराह्न 4 बजे तक आयोजित किया गया।

सांसद श्रीमती पारधी ने बताया कि जनसेवा ही उनके जीवन का प्रमुख उद्देश्य है और जन्मदिन जैसे विशेष अवसर को समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने के रूप में मनाना उनके लिए गर्व की बात है। स्वास्थ्य विभाग एवं महावीर इंटरनेशनल के सहयोग से उनके जन्मदिन के अवसर पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर में बीपी, शुगर सहित कई तरह की जांचे की गई और क्षय रोग के मरीजों को जल्द स्वस्थ होने के लिए फूड बास्केट तथा नेत्र रोगियों को चश्मों का निश्शुल्क वितरण किया गया है। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, आईएमए के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. बीएम शरणागत, नगर पालिका के पार्षद, अन्य गणमान्य नागरिक एवं बडी संख्या आमजन उपस्थित थे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप के मार्गदर्शन में जिला स्वास्थ्य समिति बालाघाट एवं महावीर इंटरनेशनल एपेक्स के सहयोग से 23 फरवरी को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक वृहत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में 712 हितग्राहियो द्वारा स्वास्थ्य जॉच कराया गया एवं नि:शुल्क चश्मा,दवाईयो सहित क्षय रोग की स्क्रीनिंग टीबी मरीजों को फूड बास्केट वितरण किया गया।

इस हेल्थ कैंप के माध्यम से मोबाइल एक्स-रे वैन एवं डिजिटल एक्स-रे मशीन एआई बेस्ड के माध्यम से 104 एक्स-रे किए गए एवं 82 हितग्राहियों के खखार सैंपल कलेक्ट किए गए। इसके साथ ही क्षय रोग के 275 मरीजों को सांसद श्रीमती भारती पारधी द्वारा फूड बास्केट वितरित किए गए। टी.बी. सक्रीनिंग एवं फुड बास्केट वितरित किये गये हितग्राहियो की सख्या 379 रही। इसके साथ ही स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से 111 हितग्राहियो की सिकलसेल की जांच की गई। शिविर में 162 हितग्राहियों की ऑखो की जांच की गई एवं 104 हितग्राहियों को चश्मा वितरण किया गया। इस शिविर में शहरी क्षेत्र की आशा कार्यकर्ताओं का भी स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया और ऑखो की जॉच उपरांत सांसद श्रीमती पारधी के माध्यम से चश्में वितरित किये गये।

इस मेगा स्वास्थ्य शिविर में सरकारी एवं प्रायवेट विषय विशेषज्ञ चिकित्सको द्वारा भी अपनी सेवॉए प्रदान की गई स्वास्थ्य शिविर में आए एम.डी. मेडिसीन, स्त्री रोग विशेषज्ञ, शिशुरोग विशेषज्ञ, कान. नाक गला, रोग विशेषज्ञ, त्वचा रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, अर्थो स्पेशिलस्ट, के माध्यम से भी 333 हितग्राहियों की जांच एवं उपचार सहित आवश्यक दवाइयों का वितरण किया गया इस शिविर में 502 हितग्राहियो के सीबैक फार्म भरकर उनके बी.पी., शुगर की भी जॉच संपादित की गई। वही मलेरिया विभाग द्वारा मलेरिया, डेंगू से बचाव हेतु विशेष काउंसलिग/मरामर्श भी प्रदान किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में कुल 712 हितग्राहियो द्वारा स्वास्थ्य जॉच, उपचार का लाभ प्राप्त किया गया।

अमरीका ट्रेड डील के खिलाफ कांग्रेस की किसान महापंचायत की शुरुआत भोपाल से...

आंदोलन में एक लाख किसानों के शामिल होने का दावा

आज खड़गे-राहुल खोलेंगे ट्रेड डील की पोल

भोपाल। अमरीका ट्रेड डील के खिलाफ किसान महापंचायत की शुरुआत मंगलवार को मप्र की राजधानी भोपाल से होगी। जवाहर चौक पर आयोजित इस आयोजन में प्रदेशभर से हजारों किसान आएंगे। महाचौपाल में इंडो-यूएस ट्रेड डील की खामियां उजागर की जाएगी। इस महाचौपाल में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगे। राहुल गांधी दोपहर 1 बजे भोपाल पहुंचेंगे और दोपहर 2 बजे से कार्यक्रम होगा। कांग्रेस ने कहा है कि अमेरिका ट्रेड डील किसान विरोधी है। इस आंदोलन में एक लाख किसानों के शामिल होने का दावा किया जा रहा है। इसमें मुख्य रूप से भोपाल के आसपास के 11 जिलों के किसान शामिल होंगे।

कांग्रेस ने राहुल-खरगे की महाचौपाल के लिए लाल परेड ग्राउंड, जवाहर चौक की परमिशन मांगी थी, लेकिन प्रशासन ने जवाहर चौक पर सभा की अनुमति दी है। जवाहर चौक पर दो बड़े डोम बनाए गए हैं। पूर्व विधायक संजय यादव ने बताया कि जवाहर चौक पर बनाए गए मंच पर करीब ढाई सौ लोग बैठेंगे। मंच के सामने बड़ा डोम बनाया गया है। जवाहर चौक पर बने मंच पर मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, जयराम रमेश, पवन खेड़ा के साथ ही कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, एमपी के कांग्रेस विधायक, राज्यसभा सांसद, पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी के मेंबर, कांग्रेस के सभी 71 जिला अध्यक्ष बैठेंगे।

राहुल देशभर में करेंगे किसान महा पंचायत

अमरीका-भारत ट्रेड डील के खिलाफ कांग्रेस देशभर में किसान महापंचायत करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बताया कि भोपाल में होने वाली किसान महापंचायत में बड़ी संख्या में किसान जुटेंगे। इनके अलावा कांग्रेस के मौजूदा और पूर्व विधायकों समेत सारे नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। पटवारी ने कहा कि इसकी शुरुआत मप्र से हो रही है, लेकिन महाराष्ट्र और राजस्थान के बाद देश के हर राज्यों में ट्रेड डील में किसानों के साथ हुई कुठाराघात के खिलाफ कांग्रेस महापंचायत करेगी। फिर जिलों तक भी इस आंदोलन को पहुंचाया जाएगा। पटवारी ने कहा कि ये राजनीतिक लड़ाई नहीं है ये किसान सम्मान के लिए संघर्ष है।

शिवराज के गढ़ से कांग्रेस निकालेगी किसान पदयात्रा

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आरोप लगाते हुए कहा कि कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी सरेंडर हो गए। अगर शिवराज सरेंडर होंगे तो मध्य प्रदेश का किसान चुप नहीं बैठेगा। अब कांग्रेस शिवराज के गढ़ बुधनी से किसान पदयात्रा और चौपाल की शुरुआत करेगी। वहीं, कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा कि किसान ट्रेड डील से मध्य प्रदेश का किसान सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। यहां सबसे ज्यादा सोयाबीन उत्पादक किसान हैं। अमरीका से सोयाबीन आने से देश के किसानों और व्यापारियों पर सीधा असर पड़ेगा। इसके अलावा कपास की खेती भी प्रभावित होगी। मध्य प्रदेश में मोहन सरकार किसान वर्ष मना रहे हैं। मैं चुनौती देता हूं कि एक फसल जिसका एमएसपी पर बिक्री हो। उसका नाम बता दें।

अब संदेह होने पर पुलिस नहीं कर सकती किसी की गिरफ्तारी

- गिरफ्तारी के समय आरोपी को लिखित में सूचना पत्र देगी पुलिस

- इसमें होगी उसके अपराध की सारी जानकारी

भोपाल। पुलिस मुख्यालय से हाल हीं में एक परिपत्र जारी किया है। उसमें निर्देश दिए गए हैं, कि पुलिस अब किसी भी अपराध में वांछित आरोपी को गिरफ्तारी के समय लिखित में एक सूचना पत्र देगी जिसमें उसके अपराध की सारी जानकारी होगी। इतना ही नहीं आरोपी के परिजनों को भी इस तरह की जानकारी दी जायेगी। इससे गिरफ्तार व्यक्ति और उसके परिजनों को उसी समय यह जानकारी पता चल सकेगी की पुलिस ने उसे क्यो और किस मामले में गिरफ्तार किया है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले का हवाला देते हुए पुलिस मुख्यालय ने अफसरों को इस संबंध में निर्देश दिये है। सीआईडी शाखा ने प्रदेश भर के पुलिस अधिकारियों को इस गाइड लाइन का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए है। परिपत्र में लिखा गया है, कि किसी भी आरोपी को हिरासत में लेने से पहले लिखित में उसका पुख्ता कारण बताना होगा। इतना ही नहीं उसी भाषा में कारण का उल्लेख करना होगा जो आरोपी समझता हो। इस तरह का परिपत्र भोपाल इंदौर के पुलिस कमिश्नर, रेंज आईजी, एसपी, एसटीएफ, नारकोटिक्स, साइबर सहित पुलिस की अन्य इकाइयों को भेजा गया है। साथ ही ताकीद किया गया है कि यदि बिना लिखित सूचना के किसी को भी आरोपी या संदिग्ध हिरासत में लिया जाता है, तो उसको अवैध हिरासत माना जाएगा। इतना ही नहीं संबंधित पुलिस अफसर के खिलाफ एक्शन भी लिया जा सकता है।

- गंभीर आरोपो से बच सकेगी पुलिस

गौरतलब है की कई बार पुलिस पर गिरफ्तारी के मामलो को लेकर गंभीर आरोप लगते रहे है। इस गाइडलाइन का पालन करने से पुलिस पर आरोप प्रत्यारोप नहीं लगेगे और दूसरी ओर पुलिस अपनी मनमानी नहीं कर सकेगा। इससे संबधित एक तरह का फार्मेट थानों में भी भेजा जा रहा है, जो भरकर किसी को भी हिरासत में लेते समय पुलिस देगी। उस फार्मेट में आरोपी या संदिग्ध का नाम, अपराध का विवरण सहित अन्य जानकारी रहेगी।

बीपीएल की अनिवार्यता के चलते विवाह करने वाले जोड़ों का टोटा, गरीबों को नहीं मिल रहा लाभ

भोपाल। मप्र विधानसभा में आज सोमवार को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत होने वाले सामुहिक विवाह के लाभों से गरीब तबका वंचित हो रहा है। इस योजना का लाभ लेने के लिए बीपीएल कार्ड होने की वाध्यता के कारण गरीब इस योजना का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक सतीश सिकरवार ने सरकार से मांग की कि इस अनिवार्यता को तत्काल समाप्त किया जाए। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि इस नई शर्त के कारण नए जोड़े नहीं मिल पा रहे हैं। यदि चंबल में एक भी विवाह हुआ हो तो सरकार बताए।

इस पर मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा ने जबाव देते हुए कहा कि 13642 जोड़ों के प्रदेश में कन्यादान योजना के तहत विवाह हुए हैं।

सिकरवार ने सवाल उठाते हुए कहा कि इस संशोधन के कारण बसंत पंचमी पर ग्वालियर संभाग में एक भी शादी नहीं हो सकी। इस पर मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने जवाब देते हुए कहा कि पहले इस योजना को लेकर कई शिकायतें आ रही थीं। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भी मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना में भ्रष्टाचार की शिकायतें की थीं। इसी कारण गरीबी रेखा का बिंदु लागू किया गया है। उन्होंने बताया कि इस संशोधन के बाद प्रदेश में 13 हजार 642 विवाह संपन्न हुए हैं। कांग्रेस विधायक विवेक पटेल ने मांग की कि कन्यादान योजना में गरीबी की बाध्यता समाप्त की जाए। मंत्री ने कहा कि इस विषय को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जाएगा और विधायकगण की मंशा से उन्हें अवगत कराया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पहले ऐसी गड़बड़ियां सामने आई थीं, जिनमें दोबारा शादी और दोबारा निकाह होने की शिकायतें मिल रही थीं। सतीश सिकरवार ने पुन: मांग दोहराते हुए कहा कि गरीबी रेखा का बंधन समाप्त किया जाए।

प्रदेश के 25 जिलों में बारिश से फसलें बर्बाद

- सर्वे कराकर प्रभावित किसानों को मुआवजा देने के निर्देश

भोपाल। मध्य प्रदेश में हाल ही में बारिश से 25 जिलों में फसलों को नुकसान पहुंचा है। मालवा-निमाड़ और ग्वालियर के कुछ जिलों में बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि से फसलें पूरी तरह से खराब होने की सूचनाएं आ रही है। इन क्षेत्रों के जिलों में तेज बारिश के साथ ही 63 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से आंधी चली थी, जिससे कई जिलों में फसलें खेतों में आड़ी हो गईं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने जिलों में फसल नुकसान का सर्वे कराकर प्रभावित किसानों को फसल नुकसान की राहत राशि दिलाए। जनवरी माह में भी इसी तरह मौसम का मिजाज बिगड़ा था। राज्य सरकार ने खराब फसलों का सर्वे कराकर मुआवजा और फसल बीमा आदि का लाभ दिलाने की प्रक्रिया शुरू की थी। कुछ जिलों को आपदा नियंत्रण में राज्य राहत कोष (एसआरएफ) राशि जारी कर दी गई है।

राशि वितरण कार्य शुरू

फसल नुकसान के जहां-जहां प्रथम चरण का सर्वे हुआ हैं वहां राशि वितरण कार्य शुरू हो गया है। इधर, इस मामले में राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव विवेक कुमार पोरवाल से मोबाइल पर संपर्क किया तो उन्होंने पूरी बात सुनी और कहा कि अभी मेरी जानकारी में यह नहीं है, इसके बाद कॉल काट दिया। ऐसे में यह चिंता का विषय है कि एक ओर राज्य सरकार वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मना रही है तो वहीं अधिकारियों का किसानों के प्रति इस तरह लापरवाह रवैया सरकार की मंशा पर पानी फेरता नजर आ रहा है।

प्रदेश में 55 साल बाद बदली राशन आपूर्ति की निगरानी व्यवस्था

भोपाल। प्रदेश सरकार ने जिलों में पदस्थ अनुविभागीय अधिकारी, उप जिलाधीशों से नागरिक आपूर्ति के जिला प्राधिकृत अधिकारी का जिम्मा छीन लिया है। मप्र नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा करीब 55 साल पुरानी व्यवस्था में यह बदलाव किया गया है। अब मप्र राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधकों को ही प्राधिकृत अधिकारी बनाया गया है। इस व्यवस्था से जिलों में राशन के भंडारण से लेकर वितरण तक की व्यवस्था में जिला प्रशासन का दखल कम हो जाएगा। मौजूदा व्यवस्था में जिलों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत नागरिकों को वितरित की जाने वाली राशन सामग्री के भंडारण, परिवहन एवं वितरण की निगरानी के लिए कलेक्टरों द्वारा संबंधित अनुविभागीय अधिकारी, अपर कलेक्टर या उपजिलाधीशों को सौंपी जाती रही है। जबकि खाद विभाग का अमला इनके अधीन रहता था। खाद, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने नई अधिसूचना जारी की है। जिसमें मप्र स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन के जिला प्रबंधकों को अनुविभागीय अधिकारी या डिप्टी कलेक्टरों की जगह प्राधिकृत अधिकारी बनाया गया है। जिससे राशन वितरण की व्यवस्था पूरी तरह से खाद विभाग के नियंत्रण में आ गई है।

गड़बड़ी के लिए विभाग ही करेगा जांच

राशन व्यवस्था में किसी भी गड़बड़ी या भ्रष्टाचार के लिए अभी तक जिला प्रशासन जांच कराता था, अब खाद विभाग के अधीन जिला प्रबंधक ही जांच कराएंगे। यानी नई अधिसूचना जारी होने से राशन व्यवस्था में गड़बड़ी या भ्रष्टाचार की जांच भी विभागीय अधिकारी करेंगे। अब सार्वजनिक वितरण एवं निगरानी की पूरी व्यवस्था खाद विभाग के पास आ गई है।

6 महीने से चल रही थी प्रक्रिया

नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधकों को प्राधिकृत अधिकारी घोषित करने के लिए पिछले छह महीने से प्रक्रिया चल रही है। विभागीय सूत्रों ने बताया कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने पिछले साल इसके निर्देश दिए थे कि जिलों में प्राधिकृत अधिकारी विभाग के ही रखे जाएं।

मप्र में श्रमायुक्त ने न्यूनतम वेतन वृद्धि लागू करने, एरियर भुगतान के दिए आदेश

-1 अप्रैल 2024 से बढ़ी हुई सैलरी का लाभ, दो साल का लंबित एरियर भी मिलेगा

भोपाल। मध्यप्रदेश के श्रमायुक्त ने आदेश जारी कर 1 अप्रैल 2024 से बढ़ा हुआ न्यूनतम वेतन लागू करने और बकाया एरियर का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आदेश में कहा गया है कि सभी सरकारी विभाग, निगम और निकाय अपने अधीन कार्यरत श्रमिकों एवं आउटसोर्स कर्मचारियों को संशोधित वेतनमान का लाभ दें और यदि किसी का एरियर लंबित है तो उसका भुगतान भी करें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक न्यूनतम वेतन सलाहकार बोर्ड ने नवंबर 2019 में श्रमिकों के वेतन में 25 फीसदी वृद्धि की अनुशंसा की थी। राज्य सरकार ने इस अनुशंसा को 1 अप्रैल 2024 से प्रभावी किया था। इसके तहत श्रमिकों को अप्रैल माह में बढ़ा हुआ वेतन भी मिला था। हालांकि, वेतनवृद्धि की अधिसूचना को मध्यप्रदेश टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन ने इंदौर हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिस पर कोर्ट ने स्थगन आदेश जारी किया था। बाद में 3 दिसंबर 2024 को यह स्टे हट गया, लेकिन कई विभागों और निजी संस्थानों में बढ़ा हुआ वेतन और एरियर अब तक नहीं दिया। श्रमायुक्त के आदेश के बाद 1625 रुपये से लेकर 2434 रुपए प्रतिमाह तक वेतन वृद्धि का लाभ मिलने का रास्ता साफ हो गया है। मप्र कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राज्य में करीब डेढ़ लाख आउटसोर्स कर्मी, 35 हजार निगम-मंडलों में और 54 विभागों में 65 हजार दैनिक वेतनभोगी श्रमिक कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि अब इन सभी को बढ़ा हुआ वेतन और एरियर मिलना चाहिए अगर ऐसा नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा।

लाड़ली बहनों के नए पंजीयन पर विपक्ष अड़ा, जमकर हंगामा हुआ, नारेबाजी की फिर सदन से कर दिया वॉकआउट

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में आज 6वें दिन कांग्रेस विधायकों ने जमकर हंगामा किया। कांग्रेस ने सवाल किया था कि नई लाड़ली बहनों के नाम जोड़ने के लिए पंजीयन की प्रक्रिया कब से शुरु होगी। इस पर महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने अपने जवाब में बहनों की प्रति बचन बध्दता और उन्हे दिए जा रहे लाभों की जानकारी दी। इससे कांग्रेस के कई विधायक नाराज हो गए और उन्होंने कहा हमारे सवालों का सही जवाब नहीं दिया जा रहा है और सरकार लगातार गुमराह कर रही है ऐसे में हम विरोध स्वरुप सदन से वॉकआउट करते हैं। इसके बाद कांग्रेस के सभी विधायक बाहर चले गए और काफी देर तक नारेबाजी करते रहे।

दरअसल सोमवार को प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक महेश परमार ने लाड़ली बहनों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा था कि लाड़ली बहनों को तीन हजार रुपए प्रति माह देंगे। इस तरह के हजारों वीडियो आज भी वायरल हो रहे है। पैसे बढ़ाना तो दूर की बात है उल्टे उनके नाम काटे जा रहे हैं और योजना के लाभ से वंचित किया जा रहा है। इस पर महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि लाड़ली बहनों की राशि को 3000 रुपये करने को लेकर सरकार लगातार काम कर रही है। इस राशि में सरकार की ओर से बढ़ोतरी की जा रही है। सरकार इसको लेकर सजग है और लाड़ली बहनों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। 60 साल की उम्र में नाम कटने के संबंध में उन्होंने कहा कि ऐसी महिलाओं को वृद्धा पेंशन दी जा रही है।विधायक ने कहा कि यह बहनों के साथ धोखा है। सरकार बनाने के लिए घोषणा की गई थी। वहीं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि सदस्य यह पूछ रहे हैं कि पात्र महिलाओं के नाम कब जोड़े जाएंगे। एक साल में, दो साल में यह स्पष्ट किया जाए। मंत्री ने जवाब देते हुए कहा कि योजना में पात्र महिलाओं के नाम कब जोड़े जाएंगे, यह बताना संभव नहीं है। सरकार महिलाओं को किस प्रकार आत्मनिर्भर बनाया जाए, इस दिशा में काम कर रही है। सब कुछ समय के साथ होगा।

सीएम ने कहा हमें चिंता है हम ही बहनों को तीन हजार देंगे

विपक्ष का हंगामा और नारेबाजी के बीच मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मोर्चा संभालते हुए कहा कि मंत्री ने अपना जवाब सटीक दिया है। सीएम ने कहा कि यही नेता प्रतिपक्ष पहले कह रहे थे कि राशि कैसे दी जाएगी, योजना बंद हो जाएगी। हमारी सरकार लगातार राशि दे रही है। हमने कहा है कि पांच साल में 3000 रुपये देंगे और हमारी सरकार यह वादा पूरा करेगी। उमंग सिंघार ने पोर्टल पर नए पंजीयन को लेकर सवाल उठाया कि नए लोगों का पंजीयन कब होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि धीरे-धीरे सब होगा, आप चिंता न करें। इस पर उन्होंने दो पंक्तियां भी कहीं-

धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय,
माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आए फल होय।

विधानसभा में बांछड़ा समाज की समस्याओं के मुद्दे पर सरकार को कांग्रेस ने घेरा

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा में नीमच जिले के बांछड़ा समाज की समस्याओं का मुद्दा उठाया गया। इस पर कांग्रेस ने जमकर सरकार घेरा और हंगामा किया। प्रश्नकाल के दौरान विधायक दिलीप सिंह परिहार ने प्रश्न किया कि बांछड़ा समाज को किस जाति का दर्जा प्राप्त है और इस समाज की महिलाओं को शासन की किन-किन योजनाओं का लाभ मिल रहा है। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान ने कहा कि यह प्रश्न महिला एवं बाल विकास विभाग से संबंधित है। सदस्य द्वारा पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि बांछड़ा समाज की महिलाओं को लाड़ली बहन योजना का लाभ मिल रहा है। बच्चों की शिक्षा के लिए अनुसूचित जाति विभाग द्वारा छात्रावास संचालित किए जा रहे हैं और उन्हें छात्रवृत्ति भी दी जा रही है।विधायक ने कहा कि बांछड़ा जाति के बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनाए जा रहे हैं या नहीं, इसकी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मंत्री ने जवाब में बताया कि नीमच जिले में जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए 433 आवेदन आए थे, जिनमें से 347 प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं। वहीं मंदसौर जिले में 107 में से 93 जाति प्रमाण पत्र बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि विधायक के पास ऐसे आवेदन हैं, जिनमें जाति प्रमाण पत्र जारी नहीं हुए हैं, तो वे उपलब्ध कराएं। शासन स्तर पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे। मध्य प्रदेश विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान महिदपुर के शासकीय कस्तूरबा गांधी कन्या छात्रावास में दिसंबर माह में छात्राओं की तबीयत बिगड़ने का मामला उठाया गया। विधायक दिनेश जैन ने सवाल किया कि छात्रावास में धुआं कहां से आया था।इस पर अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान ने जवाब देते हुए कहा कि प्रदेश में 1936 छात्रावास संचालित हैं और सभी स्थानों पर व्यवस्थाएं दुरुस्त हैं।

विधानसभा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की घोषणा-किसान को बनाएंगे ऊर्जादाता , कहा

मप्र सरकार सरसों पर भी देगी भावांतर

- उड़द पर बोनस, दलहन उत्पादन बढ़ाने पर हमारा फोकस

भोपाल। मप्र में किसानों को उपज का उचित मूल्य दिलाने की दिशा में सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। अब सोयाबीन की तरह ही सरसों पर भावांतर दिया जाएगा। जो पंजीकृत किसान मंडियों में उपज बेचेंगे, उन्हें योजना का लाभ मिलेगा। इतना ही नहीं उड़द पर प्रति किसान प्रति क्विंटल छह सौ रुपये का बोनस भी दिया जाएगा। चना, मसूर और तुअर का प्राइस सपोर्ट स्कीम में उपार्जन करने के लिए भारत सरकार को प्रस्ताव भी भेजा गया है। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने यह जानकारी सोमवार को विधानसभा में दी।

मप्र विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सदन में बोलते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार ने सरसों पर भी भावांतर योजना लागू करने का फैसला लिया है, जिससे किसानों को न्यूनतम मूल्य का लाभ मिल सके और बाजार भाव कम होने की स्थिति में उन्हें नुकसान न उठाना पड़े। सीएम ने ये भी कहा कि मूंग की बजाय उड़द के उत्पादन पर हमारा फोकस है। इसीलिए बोनस देने का फैसला किया है। सरकार किसान को ऊर्जा दाता बनाने के लिए भी संकल्पित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मूंग की बजाय उड़द पर बोनस देने का काम भी मध्य प्रदेश सरकार कर रही है। 600 रुपए प्रति किसान प्रति क्विंटल बोनस देने का फैसला हमारी सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि मूंग की बजाय उड़द के उत्पादन पर हमारा फोकस है। इसीलिए बोनस देने का फैसला किया है। चना, मसूर, तुअर का उत्पादन करने का भी प्रस्ताव हमने भारत सरकार को भेजा है। चना और मसूर के उपार्जन के लिए 24 मार्च से 30 मई तक का समय तय किया गया है।

केंद्र को प्रस्ताव भेजा गया

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने एक बड़ा निर्णय लिया है। सरसों के उत्पादन को भावांतर योजना के निर्धारित प्रावधानों और पात्रता के अनुसार शामिल करने का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा गया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार ने सरसों पर भी भावांतर योजना लागू करने का निर्णय लिया है, जिससे किसानों को न्यूनतम मूल्य का लाभ मिल सके और बाजार भाव कम होने की स्थिति में उन्हें नुकसान न उठाना पड़े। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसानों की बेहतरी के लिए सरकार लगातार नई योजनाएं बना रही है। मध्य प्रदेश को एग्री-एक्सपोर्ट हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में तैयारी की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सोयाबीन पर भावांतर योजना लागू होने से किसानों को फायदा मिला है। इस साल सरसों का रकबा 28त्न बढ़ा है। जनवरी तक बाजार में सरसों का भाव 5500 से 6000 रुपए प्रति क्विंटल रहा, जबकि केंद्र द्वारा तय एमएसपी 6200 रुपए प्रति क्विंटल है।

सीएम के बोलने के बाद कपास और कर्ज मुद्दे पर बहस

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मुख्यमंत्री के बोलने के बाद कहा कि किसानों की भलाई के लिए फैसले लिए जाना अच्छी बात है, लेकिन अभी कई ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें काम करने की जरूरत है। उन्होंने कपास का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इस फसल में किसानों को नुकसान हो रहा है। सरकार बताए कि इस पर क्या कदम उठाए जा रहे हैं। इस पर संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने पॉइंट ऑफ ऑर्डर उठाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के बोलने के बाद नेता प्रतिपक्ष को उसी विषय पर चर्चा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ सदस्यों ने पहले कर्ज का मुद्दा उठाया है और कुल कर्ज की जानकारी मांगी है, जिसे विलोपित किया जाना चाहिए।

पॉक्सो मामलों में पुलिस मुख्यालय की सख्ती

रेप के मामले में डीएनए टेस्ट नहीं हुआ तो कार्रवाई तय

भोपाल। लैंगिक अपराधों और पाक्सो मामलों की विवेचना में ढिलाई अब भारी पड़ सकती है। पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी परिपत्र में स्पष्ट कर दिया है कि दुष्कर्म, पास्को और अन्य गंभीर लैंगिक अपराधों में डीएनए परीक्षण अनिवार्य रूप से कराया जाए। उच्च न्यायालय के निर्देशों का हवाला देते हुए कहा गया है कि यदि विवेचक (आईओ) डीएनए टेस्ट कराने में लापरवाही बरतते हैं तो उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जा सकती है।

परिपत्र के अनुसार, वैज्ञानिक साक्ष्य के बिना ऐसे मामलों में अभियोजन कमजोर पड़ जाता है। इसलिए हर संवेदनशील प्रकरण में डीएनए सैंपलिंग, उसका सुरक्षित संरक्षण और समयबद्ध तरीके से न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफ एस एल) को भेजना सुनिश्चित किया जाए। अधिकारियों को चेताया गया है कि भविष्य में किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गंभीर मामलों को प्राथमिकता देने के लिए एफएसएल प्रदर्शों की कलर-कोडिंग प्रणाली लागू करने के निर्देश भी दिए गए हैं। इसके तहत पास्को, हत्या और बलात्कार जैसे जघन्य मामलों के पैकेट पर लाल रंग की मार्किंग होगी। मर्ग के उन मामलों में, जहां जहर की पुष्टि हो, नारंगी रंग का उपयोग किया जाएगा। जबकि अन्य धनात्मक रिपोर्ट वाले मामलों के लिए पीले रंग की पहचान तय की गई है। इस व्यवस्था का मकसद गंभीर मामलों की रिपोर्ट शीघ्र प्राप्त करना है।

साक्ष्य के साथ नहीं हो पाएगी छेड़छाड़

इसके अलावा, एफ एस एल रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर विवेचक और पर्यवेक्षण अधिकारी को तत्काल अलर्ट जारी करने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि केस डायरी में आवश्यक कार्रवाई दर्ज कर समय पर चालान पेश किया जा सके। सैंपलिंग और जब्ती प्रक्रिया को लेकर भी स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। एम एल सी और पोस्टमार्टम फॉर्म में साक्ष्य सुरक्षित करने का उल्लेख अनिवार्य होगा।

हर महीने एसपी को निगरानी करना अनिवार्य

थाने पर सैंपल प्राप्त होने के बाद विधिवत जब्ती पंचनामा तैयार किया जाएगा, जिससे साक्ष्यों की शुचिता बनी रहे। परिपत्र में यह भी कहा गया है कि लंबित एफ एस एल रिपोर्ट और मालखाने में रखे प्रदर्शों की मासिक समीक्षा पुलिस अधीक्षक स्तर पर की जाए। साफ है कि अब लैंगिक अपराधों की विवेचना में वैज्ञानिक प्रमाणों की अनदेखी नहीं चलेगी और जिम्मेदारी तय होगी।

शिमरन हेटमायर के तूफान में उड़ा जिम्बाब्वे

वेस्टइंडीज ने सिकंदर रजा की टीम को बुरी तरह रौंदा

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 में वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे को करारी हार थमा दी है। वेस्टइंडीज ने इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करत हुए 6 विकेट के नुकसान पर 254 रन बनाए थे और जिम्बाब्वे को 255 रनों का लक्ष्य दिया था। जिम्बाब्वे की टीम मुकाबले में 147 रन ही बना सकी और उन्हें 107 रनों से हार का सामना करना पड़ा। वेस्टइंडीज के लिए इस मुकाबले में शिमरन हेटमायर और रोवमैन पॉवेल ने कमाल की बल्लेबाजी की।

हेटमायर और पॉवेल दोनों ने ही फिफ्टी लगाई और विंडीज को 254 रनों के स्कोर तक पहुंचाया। वेस्टइंडीज की टीम ने इसी के साथ टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया। 255 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरूआत खराब रही और 20 रनों के स्कोर पर 3 विकेट गंवा दिया था। इसी के साथ जिम्बाब्वे की जीत का सिलसिला इस वर्ल्ड कप में समाप्त हो गया है।

वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी

वेस्टइंडीज ने इस मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी की और 6 विकेट के नुकसान पर 254 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। विंडीज के लिए हेटमायर ने सबसे अधिक 85 रनों की पारी खेली, जिसमें 7 चौके और उतने ही छक्के शामिल रहे। हेटमायर के अलावा पॉवेल ने भी 59 रन बनाए। तो वहीं शेरफेन रदरफोर्ड ने नाबाद 31, रोमारियो शेफर्ड ने 21 और जेस होल्डर ने 13 रन बनाकर विंडीज को 254 रनों के स्कोर तक पहुंचाया। जिम्बाब्वे के लिए रिचर्ड नगारवा और ब्लेसिंग मुजरबानी सबसे कामयाब गेंदबाज रहे, जिन्होंने 2-2 विकेट अपने नाम किए।

वेस्टइंडीज की मुकाबले में जीत

255 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम की शुरूआत बेहद खराब रही। उन्होंने 20 रनों के स्कोर पहला विकेट गंवाया और इसके बाद लगातार 2 विकेट और गंवाए, इसी के साथ उनका स्कोर 20/3 हो गया। जिम्बाब्वे का कोई भी बल्लेबाज इस मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका और यही कारण रहा कि उन्हें मुकाबले में इतनी बड़ी हार झेलनी पड़ी। इसी के साथ जिम्बाब्वे का टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अजेय रहने का सफर समाप्त हो गया है। वेस्टइंडीज के लिए गुडाकेश मोती ने कमाल की गेंदबाजी की। उन्होंने 4 ओवर में मात्र 28 रन खर्चे और 4 विकेट अपने नाम किए। इस दौरान उन्होंने एक मेडन ओवर भी डाला। उनके अलावा अकील हुसैन को भी 3 सफलता मिली, जबकि मैथ्यू फोर्ड ने भी 2 विकेट अपने नाम किए। इसी के साथ जिम्बाब्वे को 107 रनों से हार का सामना करना पड़ा है।

सूर्यकुमार ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार पर निराश जताई, बोले अगले मैचों से वापसी करेंगे

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप के सुपर-8 मुकाबले में मिली हार पर निशाना जताते हुए कहा कि उनकी टीम अगले मैच के साथ ही अच्छी वापसी करेगी। भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है जिससे उसके आगे के सफर पर भी सवाल उठ रहे हैं। अब भारतीय टीम को अपने बचे हुए दोनो ही सुपर-8 बैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। हार के बाद सूर्यकुमार ने प्रशंसकों को टूर्नामेंट में वापसी का भरोसा दिया। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'जब हमने मैच शुरू किया तब से ही हमे उसमें बने हुए थे। हमने शुरुआत में अच्छी गेंदबाजी की पर बीच के ओवरों में विरोधी टीम ने अच्छी बल्लेबाजी कर अपनी स्थित सुधार ली। उसके बाद भी हमारे गेंदबाजों ने विरोधी टीम को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। उसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए हम अच्छी शुरुआत नहीं कर पाये। साथ ही कहा कि आप पावरप्ले में गेम नहीं जीत सकते पर अपनी गलतियों से हार सकते हैं और यही इस मैच में हुआ। हमने पावरप्ले में कई विकेट खोए और उसके बाद हम छोटी-छोटी

साझेदारी भी नहीं बना पाए हालांकि ये सब सब कुछ खेल का हिस्सा होता है। हम इससे सबक लेते हुए अगले मैच में गलतियों से बचेंगे। हमारा लक्ष्य बचे हुए दोनो ही मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाना रहेगा।' इस मैच मे दक्षिण अफ्रीका से मिले 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन ही बना पायी। भारत की ओर से शीर्ष क्रम असफल् रहा केवल शिवम दुबे ही 42 रन बना पाये। वहीं अन्य बल्लेबाज 20 रनों से अधिक नहीं बना पाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की तरफ से डेविड मिलर और डेवाल्ड ब्रेविस ने 45 रन बनाये। इन दोनो के बीच 97 रनों की साझेदारी से दक्षिण् अफ्रीका एक अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही।

सूर्यकुमार ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह की अच्छी गेंदबाजी की सराहतना की। उन्होंने कहा,हर कोई जानता है कि इन दोनो की गेंदबाजी कितनी घातक रही है। दोनों ने आठ ओवर गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए और केवल 45 से 50 रन दिए। बुमराह ने 15 रन पर देकर तीन विकेट जबकि अर्शदीप सिंह ने 28 रन देकर दो विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन पहले ही ओवर में शून्य पर आउट हो गए। दूसरे ओवर में तिलक वर्मा भी पेवेलियन लौट गये। अभिषेक शर्मा इस मैच में खाता तो खोल पाए पर अधिक नहीं टिक पाये। इसके बाद बाकि बल्लेबाज भी एक के बाद एक पेवेलियन लौट गये। इस मैच में जीत से दक्षिण अफ्रीका को 2 अंक मिले हैं जबकि भारतीय टीम को एक भी अंक नहीं मिला।

टी20 विश्वकप : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 मुकाबले में अक्षर को शामिल नहीं करने पर सवाल उठे

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही सुपर-8 मुकाबले में करारी हार के बाद इस मैच में स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल को शामिल नहीं किये जाने पर सवाल उठे हैं। इस मैच में अंतिम ग्यारह में अक्षर की जगह वाशिंगटन सुंदर को शामिल करने से टीम को नुकसान ही हुआ। इस मैच में भारतीय टीम जीत के लिए मिले 187 रनों के जवाब में 111 रन ही बना पायी। इस प्रकार 76 रनों की करारी हार से उसके सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावनाओं को करारा झटका लगा है। सहायक कोच . रयान टेन डोशेट ने अक्षर को बाहर रखे जाने का कारण भी बताया है।

उनका कहना है कि अक्षर की जगह पर सुंदर को इसलिए अंतिम ग्यारह में जगह दी गयी क्योंकि गेंदबाजी के दौरान उनका प्रदर्शन बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ काफी अच्छा रहा है पर इस मैच में सुंदर असफल रहे जिसका नुकसान भारतीय टीम को हुआ है। कई लोगों का मानना है कि अक्षर को इस मैच में रखा जाना चाहिये था।

अक्षर को नीदरलैंड्स के

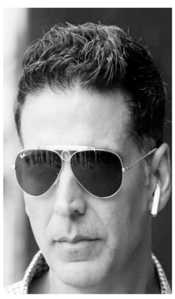

खिलाफ अंतिम ग्रुप मैच में आराम दिया गया था और ऐसे में माना जा रहा था कि वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उतरेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। वहीं डोशेट ने कहा कि सुंदर को शामिल किये जाने के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि ऐसा फैसला मैच के हालातों के अनुसार लिया गया था।इसका मतलब ये नहीं था कि हमें अक्षर की क्षमता पर संदेह है। सभी जानते हैं कि वह मैच विजेता खिलाड़ी हैं। साथ ही कहा कि हमें अच्छी शुरुआत नहीं मिले जिससे नुकसान हुआ। मैच के लिए टीम चयन के समय

हमें लगा कि रिंकू की आठवें बल्लेबाज के तौर पर जरूरत है। इसलिए उन्हें शामिल किया गया पर वह रन नहीं बना पाये। 15 में से 11 खिलाड़ियों का चयन काफी मुश्किल हैं क्योंकि सभी खिलाड़ी काफी अच्छे हैं। अब हमें अगले दो सुपर 8 मैचों के लिए जरुरत के अनुसार सही संयोजन बनाना होगा। डोशेट ने माना है कि अक्षर उपकप्तान हैं, ऐसे में उन्हें बैंच पर बैठाना आसान नहीं था पर इस मैच के लिए टीम उतारते समय हमें लगा कि इस मैच में सबसे बड़ा खतरा क्विंटन, रयान रिकेल्टन और डेविड मिलर से होगा। इसलिए हमने सोचा कि पावरप्ले में गेंदबाजी करने वाला खिलाड़ी फायदेमंद रहेगा। इसलिए अक्षर की जगह सुंदर को उतारा गया पर वह गेंद और बल्ले दोनो से ही असफल रहे।

टी20 विश्वकप के सुपर-8 मैच में मिलर और सुंदर में हुई बहस

अहमदाबाद । भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 विश्वकप के सुपर-8 मुकाबले में ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर विवादों में आ गये। इस मैच में अक्षर पटेल की जगह पर शामिल किये गये सुंदर न तो रन बना पाये और न ही विकेट ले पाये पर वह दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज डेविड मिलर से उलझ गये। इस मामले को हल करने के लिए अंपायर को बीच में आना पड़ा पर इसके बाद भी दोनों बहस करते दिखे। सुंदर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो ओवरों में 17 रन दिए पर वह एक भी विकेट हासिल नहीं ले पाए। इसके बाद बल्लेबाजी में भी वह 11 गेंदों में 11 रन ही बना पाये। मैच के दौरान सुंदर कई बार दक्षिण् अफ्रीकी खिलाड़ियों पर भड़क गये। इसके अलावा उन्होंने मिलर के नॉन-स्ट्राइकर एंड पर क्रीज के काफी पास खड़े होने पर भी नाराजगी जतायी।

टी20 विश्वकप के सुपरआठ में आज होगा इंग्लैंड और पाकिस्तान का मुकाबला

पल्लीकेली। इंग्लैंड और पाकिस्तान की टीम आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर-आठ में मंगलवार को आमने-सामने होंगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। इंग्लैंड ने अपने पहले मुकाबले में मेजबान श्रीलंका को हराया है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। वहीं पाकिस्तान की टीम का पहला मुकाबला न्यूलीलैंड से बारिश के कारण नहीं हो पाया था। अब तक इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है।ऐसे में वह खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। कोलंबो की पिच से धीमे गेंदबाजों को सहायता मिलने की उम्मीद है। पहले ही मैच में श्रीलंका पर 51 रनों की जीत से इंग्लैंड का रन रेट भी बेहतर हुआ है और वह ग्रुप में शीर्ष पर है।

इंग्लैंड को हालातों का भी लाभ मिले। उसने हाल ही में इसी जगह पर तीन मैचों की टी20 सीरीज में खेला था। वहीं सुपर 8 मैच में श्रीलंका को हराया था, जिससे उन्हें मुकाबले से पहले मनोवैज्ञानिक बढ़त मिली है। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान टीम की बल्लेबाजी बेहद कमजोर है, अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम अब तक असफल रहे हैं। साहिबजादा फरहान के अलावा एक भी बल्लेबाज फार्म में नहीं है। पाक टीम उस्मान तारिक सहित अपने

धीमे स्पिरनरों के जरिये इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने का प्रयास करेगी। टीम के पास उस्मान के अलाव सैम अयूब, अबरार अहमद, शादाब खान और मोहम्मद नवाज जैसे गेंदबाज हैं।

ये पाकिस्तानी गेंदबाज इंग्लैंड की बल्लेबाजों को अपनी फिरकी में फंसाने का पूरा प्रयास करेंगे। खेल के आखिरी स्टेज में पिच और धीमी होने की संभावना है। गेंदबाजों के पक्ष में हालात होने के कारण इस मुकाबले में स्पिन मैच का परिणाम तय करेंगे। अब तक के आंकड़ों में इंग्लैंड की टीम हावी रही है। दोनो के बीच अब तक 31 मुकाबले हुए हैं। इसमें से इंग्लैंड ने 31 जबकि पाक ने केवल 9 मैच ही जीते हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड = हैरी ब्रूक (कप्तान), टॉम बैंटन, जोस बटलर, बेन डकेट, फिल सॉल्ट, जैकब बेथेल, सैम करन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टंग, ल्यूक वुड।

पाकिस्तान - सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमान, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सैम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

विश्वकप अंक तालिका में पाकिस्तान से भी पिछड़ी भारतीय टीम

मुम्बई। आईसीसी टी20 विश्वकप में ग्रुप स्तर पर धमाकेदार प्रदर्शन कर शीर्ष पर रही भारतीय टीम सुपर-आठ के पहले ही मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों करारी हार के बाद अंक तालिका में पिछड़ती दिख रही है। इससे उसके सेमीफाइनल की उम्मीदें भी कम हो रही हैं। पहले सुपर-8 मैच के बाद भारतीय टीम पाकिस्तान से भी पीछे है। न्यूजीलैंड से पहला सुपर-8 मुकाबला बारिश की वजह से रद् होने के बाद पाक को एक 1 अंक मिला है पर भारतीय टीम के पास एक भी अंक नहीं है। ऐसे में एक और हार से वह टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। अंतिम चार में जगह बनाने के लिए अब भारतीय टीम को अपने बाकी दो सुपर 8 मुकाबलों में जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। भारतीय टीम अपना दूसरा सुपर 8 मुकाबला गुरुवार 26 फरवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलेगी।

बीएनपी पारिबास ओपन के लिए वीनस को मिला वाइल्ड कार्ड मिला

इंडियन वेल्स। हाल में 45 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस से वापसी करने वाली अमेरिका की अनुभवी टेनिस स्टार वीनस विलियम्स अब मार्च में बीएनपी पारिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खेलती हुई नजर आयेंगी। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन विजेता रही वीनस को इंडियन वेल्स में होने वाले बीएनपी पारिबास ओपन टेनिस के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला है। वह इस टूर्नामेंट के महिला एकल और युगल दोनों ड्रॉ में भी शामिल रहेंगी। इसमें वह पहले तीन बार सेमीफाइनल में भी पहुंची थी। पर तब वह पहले दौर में ही हार गयी थी। इस बार ऑस्ट्रेलियाई ओपने में भी वह शुरुआत में ही बाहर हो गयीं थीं। वीनस तीन बार पारिबास ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। उन्होंने 2001 की एक विवादित घटना के बाद 2002 से लेकर 2016 तक इस प्रतियोगिता का बहिष्कार किया था। टूर्नामेंट के निदेशक टॉमी हास ने कहा, "इस वर्ष की प्रतियोगिता के लिए पहला वाइल्ड कार्ड वीनस को प्रदान करद उन्हें खुशी हुई है। हमारे लिए सम्मान की बात है। वीनस इस खेल की दिग्गज खिलाड़ी हैं और हमारे खेल के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक हैं।"पारिबास ओपन का आयोजन 4 से 15 मार्च तक किया जाएगा। वीनस ने कहा, "मैं इंडियन वेल्स में वापसी करने को लेकर बेहद उत्साहित और कैलिफोर्निया में खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।"

अब हमारा लक्ष्य टी20 विश्वकप जीतना- मंधाना

केनबरा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में मिली सफलता से टीम का मनोबल बढ़ा है और अब उसका लक्ष्य आगामी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट जीतना है। महिला टी20 विश्व कप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से पांच जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। मंधान ने कहा है टीम काफी अच्छा खेल रही है और उसकी सभी खिलाड़ी लय में हैं। टीम ने जिस प्रकार से एकदिवसीय विश्वकप जीता था, उसी तर्ज पर अब वह टी20 विश्वकप जीतना चाहती है। मंधाना ने कहा "मुझे लगता है कि हम एक ऐसे बदलाव के दौर में हैं जहां हम विश्व क्रिकेट पर अपना प्रभाव बनाना चाहते हैं। हम किसे हराते हैं, कहां हराते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हम बस उन्हें लगातार हराने और शीर्ष पर बने रहने में सफल होना चाहते हैं।"ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के तीसरे और अंतिम टी20 मैच में मंधाना ने 82 रन रन बनाये जिससे भारतीय टीम को आसानी से जीत मिली। । मंधाना ने कहा, "मुझे एडिलेड शहर बहुत पसंद है। यहां खेलने से पहले भी मुझे यहां शहर पसंद था। यह बहुत शांत और सुंदर शहर है। ।" मंधाना ने कहा, "यह साल टी20 का साल है। पिछला साल एकदिवसीय क्रिकेट का साल था जिसमें हमने बहुत सारे एकदिवसीय मैच खेले पर अब हम अपने टी20 खेल पर काम कर रहे हैं। हम यह भी तय कर रहे हैं कि टी20 के लिए हमारी सर्वश्रेष्ठ एकादश और सर्वश्रेष्ठ 15 खिलाड़ी कैसे होने चाहिए। महिला क्रिकेट लीग (डब्ल्यूपीएल) होने से भी हमें टी20 में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

पाक स्पिनर तारिक के एक्शन को लेकर दो खेमों में बंटे दिग्गज

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 विश्वकप में इस बार पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक अपनी विवादस्पद गेंदबाजी के कारण निशाने पर हैं। तारिक गेंदबाजी के दौरान ही बीच में रुक जाते हैं जिससे बल्लेबाज संशय में फंस जाते हैं। उनके गेंदबाजी एक्शन पर कई दिग्गज क्रिकेटरों ने सवाल उठाये हैं हालांकि अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस गेंदबाज पर कोई कार्रवाई नहीं की है। ऐसे में क्रिकेट जगत दो गुटों में बंट गया है। एक का मानना है कि तारिक की गेंदबाजी जादुई है वहीं दूसरे गुट का मानना है जिस प्रकार से ये गेंदबाज पूरी बांह वाली टी शर्ट पहनकर गेंदबाजी कर रहा है उसमें कुछ गड़बड़ है। ऐसे में आईसीस नॉकआउट मुकाबलों से पहले आईसीसी को इस गेंदबाज के एक्शन की जांच करनी चाहिये।

अंपायर अनिल चौधरी ने भी इस स्पिनर के एक्शन पर सवाल उठाते हुए कहा कि आंखिर वह पूरी बांह वाली टी-शर्ट ही क्यों पहने रहता है ? साथ ही कहा कि तारिक का मैदान पर और मैदान के बाहर हमेशा फुल टी-शर्ट पहनना समझ से परे है। इसके पीछे कुछ राज है। साथ ही कहा, 卐जब कोई गेंदबाज भीषण गर्मी में भी अपनी आस्तीन नीचे नहीं करता और अभ्यास सत्र में भी हाफ टी-शर्ट पहनने से बचता है, तो मन में आशंका होना स्वाभाविक है। वह अपनी कोहनी के पास से क्या छुपाना चाहता है। हमने पहले भी देखा है कि संदिग्ध एक्शन वाले गेंदबाज कोहनी के मुड़ाव को छिपाने के लिए पूरी बांह की टी शर्ट पहनने रहे हैं। चौधरी के सोशल मीडिया पर उठाये इस सवाल के बाद पाक स्पिनर के एक्शन को लेकर बहस तेज हो वहीं एक दिग्गज पूर्व विकेटकीपर ने कहा कि इस गेंदबाज का बचाव करते हुए कहा कि उसकी गेंदबाजी में जो विविधता है, वो लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में देखने को मिली है. उन्होंने कहा, 卐उनकी गेंद को विकेट के पीछे से देखना काफी अच्छा अनुभवी है। वो जिस तरह से फ्लाइट देते हैं और अचानक गेंद को तेज़ी से टर्न कराते हैं, वो काबिले-तारीफ है। अंपायरों को सबूतों पर बात करनी चाहिए, सिर्फ कपड़ों पर नहीं। इस बार पाक के सुपर-8 में पहुंचने में तारिक की अहम भूमिका रही है। उन्होंने अहम मौकों पर बड़े विकेट लेकर अपनी टीम को जीत दिलाई है।

अगले दो सुपर-8 मैचों के लिए भारतीय टीम में बदलाव होना तय

अहमदाबाद। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्वकप के पहले ही सुपर-8 मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम की करारी हार के बाद अब तय है कि अब अगले दो मैचों के लिए अंतिम ग्यारह में बड़े बदलाव हो सकते हैं। भारतीय टीम को अब जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज से खेलना है। इन दोनों टीम का प्रदर्शन भी अब तक इस टूर्नामेंट में काफी हैरान करने वाला रहा है। ऐसे में भारतीय टीम के जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पावरप्ले ओवरों में ऑफ स्पिनरों के खिलाफ भारतीय टीम के बल्लेबाजों को मुश्किलें आयीं। मध्य क्रम पारी को संभाल नहीं पाया। तेज गेंदबाजों के गति कम करने पर भारतीय बल्लेबाज शॉट खेलेने में असहज नजर आए।

ऐसे में अब बदलाव जरुरी है। इसके लिए सलामी बल्लेबाजी में ही बदलाव करना होगा। अभिषेक शर्मा अभी भी अंतिम ग्यारह में जगह बनाने लायक है पर तिलक वर्मा नहीं। अब तक 25, 25, 25, 31 और 1 के स्कोर के बाद उन्हें नंबर तीन पर बनाये रखना आगे के मैच के लिए नुकसान देह होगा।ऐसे में बेहतर ये होगा कि संजू सैमसन

और अभिषेक की जोड़ी को फिर उतारा जाये। इससे ऑफ स्पिनर की रणनीति का मुकाबला किया जा सकता है। वहीं फार्म में चल रहे ईशान किशन को नंबर तीन पर रखा जा सकता है। तिलक की जगह पर एक अतिरिक्त स्पिनर के तौर पर कुलदीप यादव या तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को रखा जा सकता है। वहीं वाशिंगटन सुंदर की जगह पर अक्षर पटेल को अंतिम ग्यार हमे रखा जाना चाहिये।

पाक के पूर्व क्रिकेटर आमिर हंसते हुए बोले, सेमीफाइनल में नहीं पहुंचेगी भारतीय टीम

लाहौर। भारतीय क्रिकेट टीम की टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर-8 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद ही पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर सहित अन्य क्रिकेटर बेहद खुश हैं। पाक क्रिकेटर इस प्रकार खुशी मना रहे हैं जैसे की उनकी ही टीम जीत गयी हो। भारत के खिलाफ लगातार मिली हार के बाद से ही शर्मसार रहे ये पाक क्रिकेटर अब दक्षिण अफ्रीका से भारतीय टीम के हारने से राहत का अनुभव कर रहे हैं। इस दौरान एक शो में एक आमिर हंसते हुए भारतीय टीम के सेमीफाइनल से बाहर होने की भविष्यवाणी करते दिखे भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका मुकाबले के बाद आमिर एक पाकिस्तानी चैनल पर मेहमान बनकर पहुंचे थे। इस दौरान शो के मेजबान ने उन्हें ज्योतिषी तक करार दे दिया। आमिर इस पर भारतीय टीम का मजाक उड़ाने के लिए लगातार हंसते दिखे। ऐंकर कहता है, 'भारत को दक्षिण अफ्रीका ने करारी हार दी। जो काम हमारी पाकिस्तानी टीम नहीं कर पा रही, वो हमारे पैनलिस्ट लाहौर में बैठकर कर रहे हैं। तब आमिर ने कहा कि अभिषेक शर्मा स्लॉगर है, इस कॉमेंट के बाद अभिषेक वापस ही नहीं आ पा रहा है इस टूर्नामेंट में। फिर उन्होंने कहा कि इंडिया सेमीफाइनल नहीं खेलेगी, आज लगता है कि इंडिया आमिर की बात मान रही है। सेमीफाइनल नहीं खेलेगी। बात करेंगे अपने पैनल से कि बात है कि न मोहब्बत में, न प्यार में, जो मजा है इंडिया की हार में।'इसके बाद ऐंकर आमिर का परिचय ज्योतिषी के तौर पर कराता है। इस दौरान आमिर लगातार हंस रहे होते हैं। स्टूडियों में मौजूद दर्शक तालियां बजाते हैं और आमिर अपने माथे पर हाथ रखकर लगातार हंसते नजर आये।

भारत और जिम्बाब्वे में विश्वकप फाइनल देखना चाहते हैं द्रविड़

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ के अनुसार भारतीय टीम विश्वकप फाइनल में पहुंचने की प्रबल दावेदार है। द्रविड़ के अनुसार इस टूर्नामेंट में अब तक भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। सबसे अधिक सकारात्मक बात ये है कि टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर रही है। टीम में गहरायी है और उसका हर खिलाड़ी मैच का रुख मोड़ सकता है। साथ ही कहा कि दूसरी टीम के तौर पर अगर जिम्बाब्वे से फाइनल में भारत का मुकाबला होता है तो उन्हें खुशी होगी। उन्होंने कहा कि जिम्बाब्वे ने इस बार काफी अच्छा खेल देखाया है और वह भी फाइनल में खेलने की दावेदार बनकर उभरी है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम को अपनी मैच योजनाओं पर बने रहना चाहिए।

द्रविड़ ने से कहा, मुझे लगता है कि हम कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं हैं। हमारे पास टीम में गहराई है। तो आप उम्मीद कर सकते हैं कि यह गहराई निखरकर सामने आएगी। टी20 क्रिकेट में कुछ भी तय नहीं होता है। यह खेल का सबसे अस्थिर फॉर्मेट है, और किसी भी दिन, जैसा मैंने कोच के रूप में भी सीखा है, आप हार सकते हैं। इसलिए अपनी योजनाओं रहो, जो कर सकते हो करो और अच्छे की उम्मीद करो,।卐टी20 विश्वकप में इस बार जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप मैच में जिस प्रकार से हराया है,उससे उसके हौंसले बुलंद हैं।

इसके बाद उसने श्रीलंका को भी हराया। द्रविड़ ने कहा, 卐अगर यह जिम्बाब्वे फाइनल में पहुंचता है तो उसके क्रिकेट के लिए ये अच्छा अनुभव होगा। अगर जिम्बाब्वे फाइनल में पहुंचता है तो यह काफी अच्छा होगा। मैं चाहूंगा कि भारत के साथ कोई छोटी टीम भी फाइनल में पहुंचे। यह बहुत अच्छा होगा।,卐द्रविड़ ने कहा कि इस बार एसोसिएट देशों ने भी काफी अच्छा प्रदर्शन कर सभी टेस्ट देशों को कड़ी टक्कर दी है। पाकिस्तान को नीदरलैंड्स से जबकि भारत को अमेरिका ने कड़ी टक्कर दी। उन्होंने कहा कि इस बार जिस प्रकार छोटी टीमों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की बड़ी टीमों को अच्छी चुनौती दी उससे मुकाबलों का रोमांच बढ़ गया है। जिस प्रकार से इन टीमों ने खेला है,उससे मुझे काफी अच्छा लगा। इससे एसोसिएट देशों की प्रतिभा सामने आ रही है। इन सभी टीमों ने अच्छी अच्छा खेला है हालांकि मामुली अंतर से ये सुपर-8 में क्वालिफाई न कर पायी हैं पर भविष्य इनका काफी अच्छा है। इन टीमों के पास कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं।

पीएम मोदी के इजराइल दौरे पर डिफेंस डील संभव

भारत को मिलेगी आयरन डोम की तकनीक!

नई दिल्ली। रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता को अब तक की सबसे बड़ी मजबूती मिलने वाली है। इजराइल के मुंबई स्थित महावाणिज्य दूत यानिव रेवाच ने संकेत दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा के दौरान दोनों देश अपने रक्षा समझौतों का विस्तार करेंगे। इस डील का सबसे अहम हिस्सा इजरायल की मशहूर आयरन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम की तकनीक का हस्तांतरण हो सकता है। इजराइली राजदूत यानिव रेवाच के अनुसार, यह केवल हथियारों की खरीद-बिक्री का सौदा नहीं होगा, बल्कि मेक इन इंडिया पहल के तहत भारत में ही इन प्रणालियों के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य इस समझौते को उन विशिष्ट विषयों तक ले जाना है जिसमें भारत में विनिर्माण और आयरन डोम जैसी तकनीकों को साझा करना शामिल है। यानिव रेवाच ने जोर देकर कहा कि भारत और इजरायल दोनों ही समान सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। यानिव ने कहा इजरायल अपनी सुरक्षा प्रणालियों की तकनीक भारत के साथ साझा करने को तैयार है क्योंकि वह भारत को एक मजबूत और भरोसेमंद रणनीतिक साझेदार मानता है। यानिव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस विशेष यात्रा के दौरान, हम इस समझौते का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं ताकि कुछ विशेष क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके, जैसे कि भारत में निर्माण, रक्षा सहयोग और आयरन डोम तथा इजरायल की अन्य रक्षा प्रणालियों के संबंध में सहयोग, जिनकी तकनीक हम भारत में अपने साझेदारों के साथ साझा कर सकते हैं।

क्या है आयरन डोम

इजरायल की आयरन डोम प्रणाली मौजूदा दौर में सबसे उन्नत और विश्वसनीय मिसाइल रक्षा प्रणालियों में से एक मानी जाती है। आयरन डोम सिस्टम अपनी 90 प्रतिशत से अधिक की सफलता दर के लिए जाना जाता है, जो दुश्मन की छोटी दूरी की मिसाइलों और रॉकेटों को हवा में ही तबाह कर देता है। यह विशेष रूप से कम और मध्यम दूरी की मिसाइलों, रॉकेटों और ड्रोन हमलों को हवा में ही नष्ट करने के लिए डिजाइन की गई है। हालिया संघर्ष के दौरान, इस प्रणाली ने अपनी अचूक क्षमता का प्रदर्शन किया। ईरान की ओर से दागी गईं लगभग 450 मिसाइलों और 1000 ड्रोनों में से आयरन डोम ने 90 प्रतिशत से अधिक को सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट (रोकना) किया था। यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर किसी भी मिसाइल डिफेंस सिस्टम के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

कटोरी में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा अनावरण का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ग्राम कटोरी और कचेखनी में आदिवासी गोंडवाना क्रांतिकारी समिति के द्वारा स्थापित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा परिसर में गोंडी धर्म साहित्य सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक गौरव सिंह पारधी ने उपस्थित होकर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और समाज की सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने के प्रयासों की सराहना की। सम्मेलन में समाज के इतिहास, परंपराओं और साहित्य के संरक्षण पर चर्चा की गई। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि ल ु ब द े श्व र रहांगडाले, हितेश पटले, वरुण देशमुख, विशेष सरोते, रोशनलाल वरकड़े, मारोती कोकुडे, सुभेलाल उईके, नानेश्वर उईके, किशोर भलावे, दीपक वरकड़े, करण सरोते,रामेश्वर खुडसाम सहित बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। दोनों ग्रामों में आयोजित कार्यक्रमों ने आदिवासी समाज की सांस्कृतिक एकता, परंपराओं के प्रति सम्मान और सामाजिक जागरूकता का सशक्त संदेश दिया।

डबल डेकर बस पलटी, 5 लोगों की मौत

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के निकट एक डबल डेकर बस पलट गई, जिससे 5 लोगों की मौत हो गई। जबकि 16 लोग घायल बताए जा रहे हैं। यह बस पंजाब से बिहार जा रही थी। लखनऊ के गोसाईगंज थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर यह हादसा हुआ। शुरुआती जानकारी में ड्राइवर को झपकी आना इस हादसे की वजह बताई जा रही है। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस और मेडिकल टीम राहत-बचाव कार्य में जुट गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बचाव कार्य शुरू किया। क्रेन की मदद से बस को उठाकर साइड किया गया। इस हादसे में मौत के आंकड़े बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

आज से ट्रंप टैरिफ वसूली पर ब्रेक!

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के बाद सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा विभाग ने जारी किए निर्देश...टैरिफ कोड किए जाएंगे निष्क्रिय

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप ने जिस रेसिप्रोकल टैरिफ के जरिए दुनिया के तमाम देशों को डराया था और ट्रेड वॉर की स्थित पैदा कर दी थी- उसे बीते 20 फरवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने गैरकानूनी करार दे दिया था- इस फैसले के बाद अब बड़ा अपडेट सामने आया है- रिपोर्ट की मानें, तो अमेरिका मंगलवार से अदालत द्वारा रद्द किए गए अतिरिक्त शुल्कों की वसूली रोकने वाला है- अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा विभाग ने घोषणा की है- रिपोर्ट में अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा द्वारा बयान जारी करते हुए कहा गया है कि 1977 के इंटरनेशनल इंरजेंसी इकोनॉमिक पावर एक्ट (आईईईपीए)के तहत टैरिफ कलेक्शन मंगलवार को बंद कर दिया जाएगा- ये टैरिफ कलेक्शन अमेरिकी समयानुसार रात 12-01 बजे (भारतीय समयानुसार सुबह 10-30 बजे) बंद हो जाएगा- इसके साथ ही आयातकों को निर्देश दिया गया है कि सभी संबंधित शुल्क कोड उसके कार्गो सिस्टम में निष्क्रिय कर दिए जाएंगे-

बता दें कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रंप के रेसिप्रोकल टैरिफ को गैरकानूनी बताने वाला फैसला बीते सप्ताह 20 फरवरी को सुनाया गया था- इसके तीन दिन बाद अमेरिका ने टैरिफ वसूली पर ये रोक लगाने का ऐलान किया है- यह निलंबन सिर्फ इंटरनेशनल

इंरजेंसी इकोनॉमिक पावर एक्ट के तहत लगाए गए टैरिफ पर लागू होता है और ट्रंप के कार्यकाल में लगाए गए अन्य शुल्कों को प्रभावित नहीं करता है- इनमें धारा 232 राष्ट्रीय सुरक्षा शक्तियों और धारा 301 अनुचित व्यापार कानूनों के तहत लगाए गए शुल्क शामिल हैं-सुप्रीम कोर्ट के टैरिफ पर इस फैसले से उन शुल्कों पर अचानक विराम लग गया है, जो डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार एजेंडे की एक प्रमुख विशेषता बने हुए नजर आए थे- इन शुल्कों ने विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों के लिए सोर्स निर्धारण के निर्णयों को बदला था और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ विवादों को जन्म दे दिया था-

क्या रिफंड होगी टैरिफ की कमाई

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा आईईईपीए के तहत लगाए गए टैरिफ को रद्द किए जाने के बाद अमेरिका ने टैरिफ वसूली रोकने का ऐलान किया है- अर्थशास्त्रियों द्वारा अनुमान लगाया जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से अमेरिका के 175 अरब डॉलर से अधिक के टैरिफ राजस्व की वापसी का खतरा भी पैदा हो सकता है- दरअसल, गैरकानूनी करार दिए गए इंटरनेशनल इंरजेंसी इकोनॉमिक पावर एक्ट आईईईपीए टैरिफ से प्रतिदिन 500 मिलियन डॉलर से अधिक का राजस्व प्राप्त हो रहा था- हालांकि, अभी इस संबंध में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है और न ही यह बताया कि टैरिफ से वसूली गई रकम वापस की जाएगी या नहीं।

सड़क दुर्घटना में घायलो को त्वरित अस्पताल पहुंचाने के संजीवनी-108 टीम को किया गया सम्मानित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को त्वरित उपचार दिलाकर उसकी जान बचाने में अहम भूमिका निभाने वाली संजीवनी 108 आपातकालीन सेवा की टीम को 23 फरवरी को वारासिवनी एसडीओपी अभिषेक चौधरी के निर्देश पर वारासिवनी थाने में सम्मानित किया गया। उप थाना प्रभारी दीपक गौतम द्वारा संजीवनी-108 के ईएमटी (सहायक चिकित्सक) डॉ. गौरी शंकर पटले एवं पायलट जयेश चौहान को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्?मनित किया गया और उनके द्वारा पीडित मानवता की सेवा के लिए किये जा रहे कार्यों की सराहना की गई।

हाल ही में हुई एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था। सूचना मिलते ही संजीवनी 108 आपातकालीन सेवा की टीम मौके पर पहुंची। ईएमटी डॉ. पटले ने प्राथमिक उपचार देते हुए घायल की स्थिति को स्थिर किया, वहीं पायलट जयेश चौहान ने सूझबूझ और तत्परता दिखाते हुए एंबुलेंस को तेज़ी से अस्पताल तक पहुंचाया। समय पर इलाज मिलने से घायल की जान बचाई जा सकी। संजीवनी-108 सेवा दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों की गर्भवती माताओं को प्रसव के लिए सुरक्षित अस्पताल पहुंचाने में भी सराहनीय भूमिका निभा रही है। सम्मान समारोह के दौरान उप थाना प्रभारी दीपक गौतम ने कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में 108 सेवा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। डॉ. पटले और जयेश चौहान ने कर्तव्यनिष्ठा और मानवता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि दुर्घटना की स्थिति में तुरंत 108 सेवा को सूचित करें और घायलों की मदद के लिए आगे आएं। यह सम्मान न केवल 108 टीम के मनोबल को बढ़ाएगा, बल्कि समाज में सेवा और तत्परता की भावना को भी मजबूत करेगा।

सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका खारिज....सुप्रीम कोर्ट ने कहा हस्तक्षेप की मांग के लिए पर्याप्त आधार नहीं

नई दिल्ली। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा दायर एक रिट याचिका खारिज कर दी। याचिका में आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई एक सदस्यीय समिति को चुनौती दी गई थी। यह कमेटी तिरुमाला लड्डुओं के लिए कथित तौर पर मिलावटी घी की सप्लाई से जुड़े मामले में दोषी अधिकारियों के खिलाफ सही विभागीय एक्शन के लिए बनाई गई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा की जा रही प्रशासनिक जांच और सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच अलग-अलग दायरे में काम करती हैं। इसकारण दोनों प्रक्रियाएं साथ-साथ चल सकती हैं। स्वामी की याचिका में कहा गया था कि एक सदस्यीय समिति की जांच, सुप्रीम कोर्ट के आदेश से गठित एसआईटी की जांच में दखल दे रही है।

यह मामला तिरुपति मंदिर में प्रसाद के रूप में मिलने वाले लड्डुओं में इस्तेमाल हुए घी में मिलावट के आरोपों से जुड़ा है। याचिका को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि अदालत की चिंता सिर्फ इतनी है कि दोनों जांच प्रक्रियाओं में कोई टकराव न हो। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची भी शामिल थे। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता के पास हस्तक्षेप की मांग करने के लिए पर्याप्त आधार नहीं है।

अपने आदेश में, सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि दोनों प्रक्रिया कानून के अनुसार सख्ती से जारी रहें। सुनवाई के दौरान आंध्र सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि यह याचिका पूरी तरह दुर्भावना से दायर की गई है, ताकि विभागीय कार्रवाई को प्रभावित किया जा सके।

तिरुपति मंदिर के लड्डू में कथित मिलावट के पीछे मुख्य लोगों की पहचान करने के लिए समिति बनाने का फैसला 3 फरवरी को मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में हुआ था। नायडू सरकार ने समिति को 45 दिनों के भीतर रिपोर्ट देने को कहा है। समिति यह देखेगी कि प्रशासनिक स्तर पर कहां चूक हुई, क्या फैसले नियमों के अनुसार और सावधानी से लिए गए थे, इस मामले में किन अधिकारियों की क्या जिम्मेदारी बनती है और उनके खिलाफ क्या अनुशासनात्मक या प्रशासनिक कार्रवाई होनी चाहिए। समिति का दायरा केवल प्रशासनिक पहलुओं तक सीमित रहेगा।

इसके पहले 4 अक्टूबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने लड्डू में कथित मिलावट की जांच एक स्वतंत्र एसआईटी को सौंपी थी, जो केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक की निगरानी में काम कर रही थी। जांच पूरी होने के बाद सीबीआई की अगुवाई वाली एसआईटी ने 23 जनवरी 2026 को नेल्लोर स्थित एंटी करप्शन ब्यूरो की अदालत में अंतिम चार्जशीट दाखिल की। साथ ही कुछ अधिकारियों के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई की सिफारिश भी की।

उधर, प्रवर्तन निदेशालय ने भी मामले में धन शोधन निवारण कानून के तहत मामला दर्ज किया है। एजेंसी ने सीबीआई की चार्जशीट के आधार पर जांच शुरू की है। सूत्रों के अनुसार, इसमें हवाला के दवारा लेनदेन के आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि निजी डेयरी कंपनियों और बिचौलियों ने घी के टेंडर और गुणवत्ता मंजूरी से जुड़े टीटीडी अधिकारियों को प्रभावित करने के लिए हवाला चैनलों के माध्यम से रिश्वत पहुंचा दी।

घाटी में सेना ने सात आतंकी किए ढेर

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में 326 दिनों तक चले हाई-एल्टीट्यूड ऑपरेशन में सात खतरनाक आतंकवादी मारे गए हैं। भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर (16 कोर) ने सोमवार को यह जानकारी दी। व्हाइट नाइट कोर ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया कि किश्तवाड़ इलाके में 326 दिनों तक लगातार हाई-एल्टीट्यूड अभियान चलाए गए। सेना ने मुश्किल इलाकों में ठंडे, गीले और बर्फीले मौसम के बीच आतंकवादियों को ट्रैक किया। इस दौरान कई बार मुठभेड़ हुई। व्हाइट नाइट कोर की टुकडियों, जम्मू कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ ने खुफिया एजेंसियों के मजबूत खुफिया तंत्र के आधार पर आखिरकार किश्तवाड़ के चटरू क्षेत्र में सभी सात कुख्यात आतंकवादियों को मार गिराया। इनमें से एक 10 लाख का इनामी आतंकी कमांडर सैफुल्लाह के होने का संदेह है। अगर जैश-ए-मोहम्मद का कमांडर सैफुल्ला है तो सुरक्षाबलों की ये सफलता जैश के नेटवर्क की कमर तोडने् में अहम भूमिका निभाएगी।

पोस्ट में आगे कहा गया कि ऑपरेशन में मदद के लिए एफपीवी ड्रोन, सैटेलाइट इमेजरी, आरपीए/यूएवी और संचार साधनों के रूप में टेक्नोलॉजी का लगातार इस्तेमाल किया गया। हमारी सेनाओं की लगातार कोशिश और दृढ़ संकल्प, जिसका नतीजा सैफुल्लाह और उसके साथियों का खत्म होना था, यह साबित करता है कि हमारे जवानों और इंटेलिजेंस एजेंसियों के संकल्प, साहस और वीरता के सामने कुछ भी नहीं टिक सकता।

जन सेवा मित्र संगठन ने पुन: बहाली और मानदेय की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासन की विभिन्न योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने का कार्य करने वाले जन सेवा मित्र संगठन ने अपनी पुन: बहाली की मांग को लेकर कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में संगठन से जुड़े सदस्यों ने जिले भर में कार्यरत जन सेवा मित्रों को पुन: पदस्थ करने तथा मानदेय दिए जाने की मांग उठाई है। ज्ञापन में बताया गया कि जन सेवा मित्रों ने शासन की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने, हितग्राहियों का पंजीयन कराने और योजनाओं की जानकारी देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके बावजूद वर्तमान में उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं, जिससे कई कार्य प्रभावित हो रहे हैं और जन सेवा मित्र आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। जिलेभर में शासन की योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने के उद्देश्य से नियुक्त किए गए लगभग 9300 जनसेवक मित्रों ने पुन: बहाली और मानदेय शुरू किए जाने की मांग को लेकर अपनी आवाज बुलंद की है। जानकारी के अनुसार कुछ वर्ष पूर्व ग्राम पंचायत स्तर पर जनसेवक मित्रों की भर्ती की गई थी।

उनका कार्य आमजन को शासकीय योजनाओं की जानकारी देना, पात्र हितग्राहियों तक लाभ पहुंचाना, योजनाओं का फीडबैक देना, डाटा एकत्रित करना तथा प्रशासनिक सहयोग प्रदान करना था। हालांकि कुछ महीने पहले शासन द्वारा सभी जनसेवक मित्रों को कार्यमुक्त कर दिया गया और उनका मानदेय भी बंद कर दिया गया। इसी समस्या को लेकर मुख्यालय पहुंचे दीपक कुमार देशमुख ने बताया कि वे पिछले कई वर्षों से शासन को अपनी सेवाएं दे रहे थे। मानदेय बंद होने और पद से हटाए जाने के बावजूद वे अब भी शासन के कार्यों में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मानदेय बंद होने के बाद से उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। उन्होंने शासन से मांग की है कि उन्हें पुन: पदस्थ किया जाए और मानदेय शीघ्र प्रारंभ किया जाए, ताकि वे पूर्व की तरह योजनाओं के क्रियान्वयन में सहयोग दे सकें। दीपक कुमार देशमुख ने चेतावनी दी कि यदि जनसेवक मित्रों की पुनर्बहाली नहीं की गई तो वे जिला स्तर तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि प्रदेश स्तर पर जनसेवक मित्रों के साथ बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

शीर्ष अदालत में सुनवाई के दौरान वकील पर नाराज हुए सीजेआई...सावधान रहें

नई दिल्ली। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान नाराज हो गए। बताया जा रहा हैं कि सीजेआई की नाराजगी की वजह वकील की ओर से पेश की गई दलील थी, जिसमें उन्होंने अदालत पर सुनवाई नहीं करने के आरोप लगाए थे। नौबत यहां तक आ गई कि सीजेआई ने वकील को दो टूक कहा कि वह अदालत में पेश होने और सामग्री पेश करने के दौरान सावधान रहें।

दरअसल वाकया सोमवार का है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई का दौर चल रहा था। तभी एडवोकेट मैथ्यूज नेदुम्पारा की बात पर सीजेआई ने आपत्ति जाहिर की थी। रिपोर्ट के अनुसार, एडवोकेट नेदुम्पारा ने कहा अडानी और अंबानी के लिए बेंच बन रहीं हैं, लेकिन एनजेएएसी की चुनौती पर सुनवाई नहीं हो रही है। इतना कहते ही सीजेआई ने उन्हें जमकर फटकार लगाकर चेतावनी भी दे दी। सीजेआई ने कहा, मिस्टर नेदुम्पारा, आप जो भी मेरी कोर्ट में पेश कर रहे हैं, उस लेकर जरा सावधान रहें। आपने मुझे चंडीगढ़ में देखा है, दिल्ली में देखा है...। मैं आपको चेतावनी दे रहा हूं, सावधान रहें। ऐसा बिल्कुल भी मत सोचिएगा कि आप जिस तरह की बदतमीजी कर रहे हैं, वैसा ही करते रहने वाले है। मैं आपको चेतावनी दे रहा हूं।

बीते गुरुवार को सीजेआई एक जनहित याचिका देखकर भी नाराज हुए थे। उन्होंने कहा था, अगर भारत के शीर्ष न्यायालय के सामने याचिकाओं का ऐसा स्तर है, तब भगवान याचिका के कानून को बचाए। साथ ही उन्होंने इसपर सुनवाई करने से इंकार किया था। इससे पहले वह वकीलों की तरफ से एआई यानी आर्टिफिशिलय इंटेलिजेंस की मदद से याचिकाएं लिखने पर भी नाराज हो गए थे।

2021 से जनवरी 2026 तक केंद्र सरकार ने कबाड़ बेचकर कमाए 4,405 करोड़

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को कहा कि स्वच्छता अभियान के तहत 2021 से जनवरी 2026 तक, उसने कबाड़ की बिक्री से कुल 4,405.28 करोड़ रुपए की आय प्राप्त की है। प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) के मुताबिक दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच कबाड़ निपटान से 200.21 करोड़ रुपए की आय प्राप्त हुई, जबकि जनवरी माह में स्वच्छता अभियान के तहत 5,188 कार्यालयों में 81,322 फाइलें छांटी गईं। रिपोर्ट में विभाग के मुताबिक जनवरी में देशभर में 5,188 स्थानों पर सफाई अभियान सफलतापूर्वक चलाए गए। करीब 4.34 लाख वर्ग फुट कार्यालय स्थान खाली हुआ है, जिसमें कोयला मंत्रालय और भारी उद्योग मंत्रालय का अहम योगदान रहा है। पिछले महीने, कबाड़ निपटान से 115.85 करोड़ रुपए की आय प्राप्त हुई, जिसमें रेल मंत्रालय, भारी उद्योग मंत्रालय और कोयला मंत्रालय जैसे मंत्रालयों का अहम योगदान रहा। वहीं, एक रिपोर्ट के मुताबिक प्रभावी अभिलेख प्रबंधन के तहत 1,82,000 फिजिकल फाइलों की समीक्षा की गई, जिनमें से 81,322 फाइलें अनावश्यक पाई गईं। 5,57,852 जन शिकायतों का निपटारा किया गया साथ ही 1,032 सांसद संबंधी संदर्भों और 375 राज्य सरकार संबंधी संदर्भों का भी निपटारा किया गया। इसमें आगे कहा गया है कि फाइलों की संख्या कम करने की पहल को अपनाने से सक्रिय फाइलों के लिए औसत लेनदेन स्तर में उल्लेखनीय कमी आई है, जो 2021 में 7.19 से घटकर जनवरी 2026 तक 4.31 हो गया है।

लाल किला और विधानसभा को उड़ाने की धमकी, ईमेल स्कूल को भेजा

नई दिल्ली,। दिल्ली में आए दिन बम की धमकी हड़कंप मचा हुआ है। सोमवार सुबह दिल्ली विधानसभा और लाल किले को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद पूरी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है। यह धमकी भरा ईमेल धौला कुआं स्थित आमी पब्लिक स्कूल को सुबह करीब 7 बजे प्राप्त हुआ था। ईमेल में स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई थी कि सुबह 9 बजकर 11 बजे इन अहम स्थानों पर बम धमाका किया जाएगा।

धमकी की जानकारी मिलते ही स्कूल प्रशासन ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने बिना समय गंवाए विधानसभा और लाल किले के आसपास के इलाकों में घेराबंदी कर दी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। हालांकि कहीं से भी कोई संदिग्ध चीज नहीं मिलने की सूचना है। अधिकारी इस ईमेल के स्रोत की जांच कर रहे हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह किसी की शरारत है या इसके पीछे कोई बड़ी साजिश है।

बता दें पिछले कुछ हफ्तों में राजधानी के कई संस्थानों को मिलने वाली इन फर्जी कॉल्स और ईमेल ने पुलिस की चुनौती बढ़ा दी है। इससे पहले दिल्ली के कम से कम तीन स्कूलों को गुरुवार सुबह ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद आपातकालीन एजेंसियों ने तुरंत वहां से बच्चों को बाहर निकाला और तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि बाद में इन धमकियों को फर्जी करार दे दिया गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने कहा कि तीन स्कूलों-द्वारका स्थित सीआरपीएफ पब्लिक स्कूल और सेंट थॉमस स्कूल, तथा पश्चिम एनक्लेव स्थित डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल-को बम की धमकी वाले ईमेल भेजे जाने की सूचना मिली थी। एहतियात के तौर पर दमकल की गाड़ियों और बचाव दलों को तुरंत इन स्थानों पर भेजा गया। तलाशी के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। अधिकारियों ने बताया कि अलर्ट मिलने के तुरंत बाद पुलिस की टीमें, बम निरोधक दस्ता, श्वान दस्ता और स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों को स्कूलों में भेजा गया। एहतियाती कदम उठाते हुए स्कूल प्रशासनों ने तलाशी अभियान के दौरान छात्रों और कर्मचारियों को परिसर से बाहर कर दिया था। जांच और तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे परिसर में गहन जांच की गई। पुलिस ने बताया कि साइबर टीम को सतर्क कर दिया गया है और ईमेल कहां से भेजा गया, इसका पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

मणिशंकर ने कहा, राहुल इंडी अलायंस का नेतृत्व छोड़ दें...ममता, स्टालिन को मौका दें

कोलकाता। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने कोलकाता में कहा कि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता दीदी के बिना, इंडी गठबंधन का आई,एन,डी,आई,ए खत्म हो जाएगा। क्योंकि ममता बनर्जी इस गठबंधन की लीडर और प्रमुख नेता हैं। उनके साथ, दो-चार और लोग हैं जो यह जगह पा सकते हैं। मुझे लगता है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को गठबंधन का नेतृत्व करने की बजाय छोटी पार्टियों को मौका देना चाहिए। फिर चाहे वह स्टालिन हों, ममता दीदी हों, अखिलेश हों, तेजस्वी हों, या कोई और राहुल गांधी को इन लोगों को जिम्मेदारी देनी चाहिए। कांग्रेस नेता अय्यर ने पश्चिम बंगाल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के सीएम ममता बनर्जी का समर्थन करने पर कहा, मैं खुद टीएमसी में ममता दीदी का पहला नेशनल सेक्रेटरी था। मैं दिसंबर 1997 के आखिर में यहां पार्टी में शामिल हुआ था। लेकिन तीन हफ्ते के अंदर ही मुझे एहसास हो गया कि यह पार्टी बंगालियों की है और मैं बंगाली नहीं हूं। तब फिर मैं वहां क्या करता? इसलिए मैंने पार्टी छोड़ दी, लेकिन तीन हफ्ते तक मैं ममता दी का राइट-हैंड मैन था जब उन्होंने यह पार्टी बनाई। बात दें कि कांग्रेस नेता अय्यर ने इससे पहले कहा था, कि वह गांधियन, नेहरूवियन और राजीवियन हैं, लेकिन 'राहुलियन' नहीं हैं। मणिशंकर ने अपने पुराने बयान पर विवाद को स्पष्ट कर कहा कि राहुल गांधी मुझसे करीब 30 साल छोटे हैं। मुझे उनके साथ काम करने का मौका नहीं मिला। इसलिए मैं खुद को राहुलवादी कैसे कह सकता हूं? अय्यर की ये टिप्पणियां कांग्रेस के साथ तनावपूर्ण संबंधों के बीच आई हैं।

सरकार को सीधे अल्टीमेटम : 2 मार्च से बसें बंद होंगी!!

निजी बसों को किराये पर लेकर सरकार चलायेगी 'मुख्यमंत्री सुगम लोक परिवहन सेवा की बसें'

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मप्र सरकार ने एक बार फिर से मध्य प्रदेश राज्य परिवहन निगम की तर्ज पर सम्पूर्ण प्रदेश की सड़कों पर बसों को दौड़ने की योजना बनाई है। मुख्यमंत्री सुगम लोक परिवहन सेवा योजना' के तहत अप्रैल 2026 से नई परिवहन नीति लागू की जानी है।जिसमे. सरकार बसें नहीं खरीदेगी, बल्कि बसें निजी ऑपरेटर्स की होंगी, लेकिन नियंत्रण सरकार के पास रहेगा।यानी सरकार बस मालिको से किराए पर बस लेकर उसका संचालन करेंगी।लेकिन इसकी नियमो और शर्तों से बस मालिक काफी परेशान है जो इसका पिछले माह से विरोध कर रहे है।लेकिन अब 'मुख्यमंत्री सुगम लोक परिवहन सेवा योजना' को लेकर विवाद गहराता जा रहा है. नई परिवहन नीति के विरोध में निजी बस संचालकों ने खुलकर मोर्चा खोल दिया है. सागर में रविवार (22 फरवरी) को आयोजित एक बड़े सम्मेलन में प्रदेशभर से आए बस ऑपरेटरों ने सरकार के फैसले के खिलाफ एकजुटता दिखाई और 2 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का ऐलान कर दिया। जिसके तहत बालाघाट सहित संपूर्ण मध्य प्रदेश के बस ऑपरेटरो द्वारा 2मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जानी है।जबकि होली का पर्व 3 मार्च है।ऐसे में त्यौहारो के सीजन में बस के पहिए जाम होने से लोगो को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

होली के पर्व में हो सकती है परेशानी

नई परिवहन नीति, टैक्स वृद्धि और मोटर व्हीकल एक्ट संशोधन के विरोध में बस ऑपरेटर सड़कों पर उतरने को तैयार हैं।जिन्होंने मांग पूरी ना होने पर 2 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल का एलान किया है।उधर होली का पर्व भी 3 मार्च से है। होली से पहले बसों के सफर पर संकट मंडरा रहा है।होली आने वाली है, लोग अपने गांव जाने की तैयारी कर रहे हैं, बच्चों की छुट्टियां तय हो चुकी हैं, बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। लेकिन इसी बीच 2 मार्च से बस ऑपरेटरों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल की खबर ने यात्रियों की धड़कन बढ़ा दी है।प्रदेश बस आपरेटर एसोसिएशन ने चेतावनी दे दी है। अगर सरकार ने एक हफ्ते में फैसला नहीं लिया तो होली से पहले ही प्रदेश में बस सेवाएं ठप हो सकती हैं।

इस बात से नाराज है बस आपरेटर

एमपी बस हड़ताल 2026 का मुख्य कारण टैक्स वृद्धि और मोटर व्हीकल एक्ट में हालिया संशोधन बताया जा रहा है। बस ऑपरेटरों का कहना है कि पहले जो टैक्स 12 प्रतिशत था, उसे बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। उनका दावा है कि इससे परिवहन व्यवसाय पर सीधा आर्थिक बोझ पड़ा है डीजल की बढ़ती कीमतें पहले से ही चिंता का विषय हैं। इसके अलावा मेंटेनेंस खर्च, फिटनेस सर्टिफिकेट, परमिट शुल्क और अन्य प्रशासनिक चार्ज पहले से ही बस मालिकों की कमाई को प्रभावित कर रहे हैं। ऐसे में टैक्स में बढ़ोतरी ने हालात और कठिन बना दिए हैं। यूनियन का कहना है कि अगर यही स्थिति रही, तो छोटे और मध्यम बस ऑपरेटरों के लिए व्यवसाय

चलाना मुश्किल हो जाएगा। कई ऑपरेटरों का आरोप है कि वे घाटे में काम कर रहे हैं।

मोटर व्हीकल एक्ट संशोधन पर बस यूनियन की आपत्ति

बस ऑनर्स एसोसिएशन ने 24 दिसंबर 2025 से लागू किए गए मोटर व्हीकल एक्ट संशोधन पर भी आपत्ति जताई है। उनके अनुसार, नए नियमों में सख्ती बढ़ाई गई है और दंडात्मक प्रावधानों को कड़ा किया गया है।यूनियन का कहना है कि नए प्रावधानों से निजी बस संचालकों पर जुर्माना और लाइसेंस संबंधी दबाव बढ़ गया है। उनका आरोप है कि नियमों में बदलाव से छोटे ऑपरेटर सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। संघ ने मांग की है कि इन संशोधनों पर पुनर्विचार किया जाए या फिर संबंधित धाराओं को वापस लिया जाए।उनका कहना है कि बिना संवाद के नियम लागू करना उचित नहीं है।

23 फरवरी से ज्ञापन, 2 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल

जिला बस आपरेटर एसोसिएशन पदाधिकारियो के अनुसार सम्मेलन में तय किया गया कि 23 फरवरी से प्रदेश के सभी जिलों में मुख्यमंत्री और परिवहन आयुक्त के नाम ज्ञापन सौंपे जाएंगे। अगर सात दिन के भीतर कोई सकारात्मक पहल नहीं होती, तो 2 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी जाएगी। यूनियन ने साफ कर दिया है कि जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी, आंदोलन जारी रहेगा। इस फैसले के बाद पूरे प्रदेश में बस हड़ताल की चर्चा तेज हो गई है।

बस मालिक से किराएदार बना रही सरकार

बस ऑपरेटर्स का सबसे बड़ा आरोप यह है कि सरकार उन्हें मोटर मालिक से किराएदार बनाने की तैयारी कर रही है. उनका कहना है कि नई व्यवस्था में बसें भले ही निजी ऑपरेटरों की हों, लेकिन नियंत्रण पूरी तरह सरकार या उससे जुड़ी कंपनियों के पास रहेगा।ऑपरेटर्स का कहना है कि इससे उनका स्वतंत्र व्यवसाय खत्म हो जाएगा और वे केवल अनुबंध पर काम करने वाले बनकर रह जाएंगे।वही सरकार प्रदेश में परिवहन का राष्ट्रीकरण करना चाहती है, जिससे छोटे और मध्यम स्तर के ऑपरेटर बाहर हो जाएंगे।

20 साल बाद सरकार फिर शुरू कर रही है सेवा

बस ऑनर्स एसोसिएशन के के मुताबिक, सरकार करीब 20 साल बाद फिर से सार्वजनिक परिवहन सेवा शुरू करने जा रही है. लेकिन सरकार के पास अपनी बसें नहीं हैं, इसलिए यह सेवा पीपीपी मॉडल पर शुरू की जा रही है।बताया गया कि 7 निजी कंपनियों के माध्यम से अनुबंध किए जाएंगे. बस ऑपरेटर्स का कहना है कि इन कंपनियों से केवल 6 महीने के अनुबंध किए जा रहे हैं. उनका आरोप है कि पहले धीरे-धीरे नई बसें लगाई जाएंगी और फिर पुराने ऑपरेटर्स को बाहर कर दिया जाएगा।अगर नई नीति इसी तरह लागू हुई तो सैकड़ों लोग बेरोजगार हो जाएंगे. ड्राइवर, कंडक्टर, क्लीनर और छोटे स्तर के मालिकों का धंधा बंद हो जाएगा।

ये हैं बस ऑपरेटर्स की मुख्य मांगें

बस संचालकों ने सरकार से कुछ स्पष्ट मांगें रखी हैं. उन्होंने कहा कि 24 दिसंबर 2025 को राजपत्र में प्रकाशित नई नीति के संशोधन का प्रारूप वापस लिया जाए. 29 जनवरी को प्रकाशित संशोधन को भी पूरी तरह निरस्त किया जाए।साथ ही वर्तमान में जिस व्यवस्था के तहत बस संचालन हो रहा है, उसे यथावत रखा जाए. ऑपरेटर्स ने कहा कि वे अपनी मांगों को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपेंगे. यदि उनकी बात नहीं सुनी गई तो 2 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी जाएगी

आदेशों को तत्काल रद्द करें सरकार-श्याम कौशल

जिला बस आपरेटर एसोसिएशन सचिव श्याम कौशल ने चर्चा के दौरान बताया कि सरकार शुभम सस्ती बस यात्रा के नाम पर प्राइवेट बस ऑपरेटरो को ठगने का काम कर रही है, बोलती है कि हम डीजल सस्ता देंगे बस हमें दे दो, जबकि राज्य परिवहन 32 करोड रुपए के घाटे में थी तब उसे बंद किया गया था । अभी नए सिरे से वही काम शुरू करने का कार्य सरकार कर रही है। बोलते हैं कि अप्रैल से सभी निजी बसों का परमिट रद्द कर देंगे ,परमिट और मेंटेनेंस सरकार संभालेंगी और बसों का टैक्स बस ऑपरेटर भरेंगे, बस सरकार के अधीन चलेगी ,उसका किराया बस ऑपरेटर को मिलेगा। इस व्यवस्था से कई लोगों की नौकरी चल जाएगी तो कई बस ऑपरेटर आत्महत्या की ओर अग्रसर होंगे। इसीलिए यहा हड़ताल 2 मार्च से शुरू की जा रही है। इसमें होली का त्यौहार भी फस रहा है लेकिन हमारी भी मजबूरी है पूरे प्रदेश में अनिश्चितकालीन हड़ताल होगी।लोग परेशान होंगे। सरकार को चाहिए कि वह इस व्यवस्था को यथावत बनाए रखें। जो नए आदेश लागू किए गए हैं उसे तुरंत रद्द करें।

पति अपनी नवविवाहिता पत्नी को छोड़कर हुआ फरार

प्रेम विवाह के बाद प्रताड़ना की एक नयी पटकथा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एक व्यक्ति ने शादी के एक माह बाद हीअपनी पत्नी से तलाक की मांग कर दी और नहीं देने पर वह मारपीट कर फरार हो गया । यह घटना बालाघाट में किराए से निवासी कर रही एक युवती के साथ में हुई। इस 25 वर्षीय युवती ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर मारपीट, गाली-गलौज एवं जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए महिला पुलिस थाना बालाघाट में शिकायत की जहां इस महिला के पति किशोर गुर्दे, ससुर अर्जुन गुर्दे और सास रामवती गुर्दे सभी निवासी ग्राम खजरी थाना लांजी निवासी के विरुद्ध मारपीट और शारीरिक मानसिक रूप से प्रताड़ित कर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह युवती लांजी क्षेत्र की ही निवासी है। जिसने एमएससी बी एड तक पढ़ाई की है। 27 अक्टूबर 2025 को उसने ग्राम खजरी थाना लांजी निवासी 28 वर्षीय किशोर गुर्दे से हनुमान मंदिर काली पुतली चौक बालाघाट में प्रेम विवाह की थी। विवाह के बाद दोनों बालाघाट में किराए के मकान में रहने लगे। एक माह तक सब कुछ सामान्य रहा।लेकिन इसके बाद इस युवती से उसका पति किशोर गुर्दे बार-बार तलाक के लिए कहने लगा था और उसके साथ मारपीट भी करने लगा था। कुछ समय बाद इस युवती को उसका पति किशोर बिना बताए घर छोड़कर चला गया।जिसके बाद इस युवती ने फोन से पति से संपर्क करने की कोशिश की किंतु संपर्क नहीं हो पाया और वह वापस नहीं लौटा । पति से संपर्क नहीं होने पर उसने ससुर और अन्य रिश्तेदारों से भी संपर्क करने का प्रयास किया। लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। 3 जनवरी 2026 को यह युवती अपने ससुराल खजरी पहुंची। जहां उसने ससुर अर्जुन गुर्दे, सास रामबती गुर्दे सहित अन्य परिजनों से पति के संबंध में पूछी ससुर अर्जुन गुर्दे ने इस युवती से बोला कि जब से शादी की है तब से हमारा बेटा किशोर घर नहीं आया और उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया। गाली-गलौज की गई । यह युवती पांच दिन तक अपने ससुराल खजरी में रही। इस दौरान उसे खाने-पीने नहीं दिया गया। उसे सास ससुर द्वारा अश्लील गालियां देकर ताने देने थे और यहां से चली जाने अन्यथा जान से खत्म करने की धमकी देने लगे थे। यह युवती शारीरिक और मानसिक रूप से काफी परेशान हो गई थी। जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई और वह वापस लौट आई। 19 फरवरी 2026 को युवती पुन: ससुराल खजरी पहुंची तो गेट पर ताला लगा दिया गया। किसी तरह अंदर जाने पर सास द्वारा उसके साथ मारपीट की गई। चूडि़यां तोड़ दी गईं और ईंट के टुकड़े से हमला किया गया।जिससे उसके दोनों हाथ और पीठ में चोट आई। इस दौरान उसके जेवर भी टूटकर गिर गए। घटना के बाद उसने डायल 112 पर कॉल कर सहायता मांगी और हाल ही में इस युवती ने महिला थाना बालाघाट पहुंचकर अपनी व्यथा सुनाई। महिला थाने में इस युवती द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति किशोर गुर्दे ससुर अर्जुन गुर्दे और सास रामवती गुर्दे के विरुद्ध शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 85, 115(2), 296(बी) एवं 351(3) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

डायल-112 की तत्परता से दो नाबालिग बच्चे सुरक्षित परिजनों को सौंपे गए

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। थाना कोतवाली अंतर्गत डायल-112 वाहन को इवेंट के दौरान बैहर चौकी क्षेत्र स्थित काली मंदिर के पास दो छोटे बच्चे बिना किसी वयस्क अभिभावक के घूमते हुए मिले। इनमें एक बालक और एक बालिका शामिल थे। पूछताछ करने पर बालक ने अपना नाम गनपत टेकाम तथा बालिका ने अपना नाम तुलसा टेकाम बताया। दोनों ने अपने पिता का नाम संतलाल टेकाम बताया। डायल-112 में ड्यूटी पर तैनात आरक्षक पुनीत बघेल एवं चालक धनेन्द्र पटले ने तत्परता दिखाते हुए दोनों बच्चों को सुरक्षित थाना कोतवाली परिसर लाया। वहां बच्चों को नाश्ता कराया गया तथा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की गई। इसके बाद पुलिस टीम बच्चों के माता-पिता की तलाश में बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन क्षेत्र की ओर रवाना हुई। रेलवे स्टेशन के पास बच्चों के माता-पिता मिले, जिन्हें बच्चों की फोटो दिखाकर पुष्टि की गई। मां ने अपना नाम श्यामबती बाई पति संतलाल टेकाम तथा पिता ने अपना नाम संतलाल टेकाम पिता महासिंह टेकाम निवासी बागडोंगरी, थाना मलाजखंड बताया। पहचान की पुष्टि होने के बाद दोनों बच्चों को सुरक्षित रूप से उनके माता-पिता को सुपुर्द कर दिया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक कामेश धुमकेती, सहायक उप निरीक्षक अजय डहेरिया, प्रधान आरक्षक युगल किशोर पटले, आरक्षक पुनीत बघेल एवं डायल-112 चालक धनेन्द्र पटले सहित थाना कोतवाली बालाघाट के अन्य स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस की तत्परता से दोनों बच्चे सुरक्षित अपने परिवार तक पहुंच गये ।

आवश्यकता है
दुर्गा नारायणी प्राय/एशोसिएशन में
1. फिल्ड ऑफिसर - 08 पद महिला/पुरूष
2. लोन अधिकारी - 04 पद महिला/पुरूष
3. बचत समूह - 04 पद महिला/पुरूष
-सम्पर्क करें-
लालबर्रा एवं किरनापुर प्राय के लिए
मो. 9420866259, 9131611735

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, नि:संतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

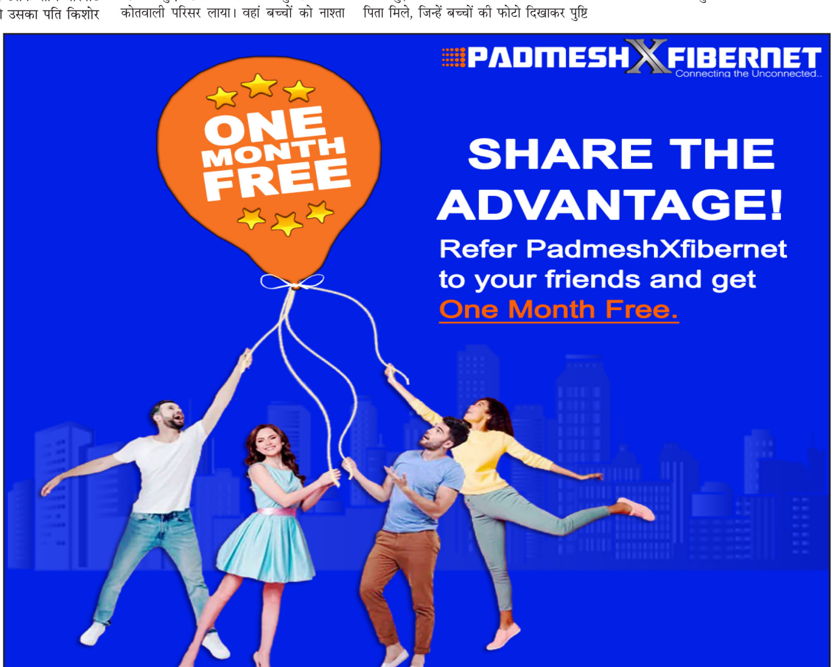

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट